बालाघाट
रविवार 11 मई 2025
वैशाख शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 225
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से जासूस को पकड़ा

किशनगंज। बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से एक बांग्लादेशी जासूस को पकड़ा है। शुक्रवार देर रात किशनगंज सेक्टर में तैनात बीएसएफ के जवानों ने बिहार से लगे पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में ये कार्रवाई की है। बागडोगरा सैन्य छावनी के नजदीक से इस बांग्लादेशी जासूस को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान अशरफुल आलम के रूप में हुई है। अशरफुल ने पूछताछ के दौरान खुद को बांग्लादेशी जासूस बताया है। उसने बांग्लादेश की खुफिया एजेंसी का पूर्व कर्मचारी होने का दावा किया है। इसके बाद उसे दिल्ली भेजने का फैसला लिया गया। इसलिए उसे किशनगंज क्रस्न्न हेडक्वॉर्टर ना लाकर बागडोगरा एयरपोर्ट के पास सिलिगुड़ी में रखा गया है। अब उसे बागडोगरा एयरपोर्ट से ही दिल्ली भेजा जा सकता है।

किश्तवाड़ में 2.7 तीव्रता का भूकंप

जम्मू । जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में शनिवार को 2.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके दोपहर करीब 3.14 बजे महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 5 किलोमीटर की गहराई में था। गहराई वाले भूकंपों की तुलना में कम गहरे भूकंप ज्यादा खतरनाक होते हैं क्योंकि पृथ्वी की सतह के नजदीक होने पर उनकी ऊर्जा ज्यादा निकलती है। इससे जमीन का कंपन ज्यादा होता है और इमारतों को ज्यादा नुकसान होता है। गहरे भूकंप सतह पर आने के बाद ऊर्जा खो देते हैं, जिससे नुकसान की आशंका कम होती है।

भारत के सामने ज्यादा देर तक नहीं टिक सकता पाकिस्तान- शशि थरूर

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच कांग्रेस सांसद और संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने पाकिस्तान को चेतावनी भरे शब्दों में घेरा है। थरूर ने स्पष्ट कहा है कि

पाकिस्तान की सैन्य और आर्थिक स्थिति को देखते हुए वह भारत के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सकता। सांसद थरूर ने कहा, कि जनरल नॉलेज के आधार पर भी यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान इस संघर्ष में ज्यादा देर तक नहीं टिकेगा। भारत ने यह लड़ाई शुरू नहीं की, बल्कि यह पाकिस्तान की ओर से उकसाया गया संघर्ष है। उन्होंने कहा कि भारत ने केवल उन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जो पाकिस्तान में स्थित थे, और सैन्य कार्रवाई करते समय भारत ने नागरिकों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा। कांग्रेस सांसद ने पाकिस्तान की ओर से एलओसी उल्लंघन और भारी गोलीबारी का उल्लेख करते हुए बताया कि पुंछ जिले में कई नागरिकों की मौत हुई और कई गंभीर रूप से घायल हुए। इसके बाद भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया।

थरूर ने कहा, इस पूरे प्रकरण से साफ होता है कि संघर्ष की शुरुआत पाकिस्तान ने की है। भारत की नीति स्पष्ट है ङ्क अगर आप आगे बढ़ेंगे तो हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन आतंकवाद को जवाब देना जरूरी है ताकि कोई यह न समझे कि वह निर्दोषों की हत्या करके बच सकता है।

25 साल के आतंक का बदला 4 दिन में लिया भारत ने...

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम...

सेना बोली- पाकिस्तान ने फिर से हिमाकत की तो हम जवाब देने को पूरी तरह से तैयार

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन से चल रहा संघर्ष थम गया है। पाकिस्तान की ओर से घुटने टेके जाने के बाद भारत ने शाम पांच बजे से संघर्ष विराम का एलान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि संघर्ष विराम के लिए भारत अपनी शर्तों पर तैयार हुआ है। दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष विराम की पुष्टि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने की है। विदेश सचिव की यह संक्षिप्त घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह कहने के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा था कि भारत और पाकिस्तान अमेरिका की मध्यस्थता में वार्ता के बाद पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं।

बता दें कि विगत 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी वारदात के बाद आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने के लिए भारतीय सेना ने बीते सात मई को पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई की। उसके बाद पाकिस्तान ने रात को भारत पर ड्रोन से से हमला करना शुरू किया, जिसका भारत ने मुंह तोड़ जवाब दिया। इस तरह चार दिन चले इस युद्ध में भारत ने आतंकियों के ठिकाने और उन्हें मारकर 25 साल के आतंक का बदला ले लिया है।

अमेरिका ने पहले ही की थी मध्यस्थता की पेशकश

इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार के साथ अलग-अलग बात की थी। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने शनिवार की सुबह एक बयान में यह जानकारी दी थी। दरअसल, 7 मई को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान की ओर से 15 भारतीय शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद दोनों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। ऐसे में रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तनाव कम करने और सीधा संवाद फिर से स्थापित करने के तरीकों को तलाशने की कोशिश करें। रुबियो ने चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में अमेरिकी समर्थन का प्रस्ताव दिया था। डार के साथ बातचीत में रुबियो ने दोहराया था कि दोनों पक्षों को मौजूदा स्थिति को कम करने के तरीके खोजने चाहिए।

12 को फिर होगी बात

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने शनिवार दोपहर 3ः35 बजे भारतीय डीजीएमओ को फोन किया। उनके बीच यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष भारतीय मानक समयानुसार 1700 बजे से ज़मीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। आज दोनों पक्षों को इस सहमति को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। सैन्य संचालन महानिदेशक 12 मई को 12 बजे फिर से बात करेंगे।

आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख अडिग

संघर्ष विराम की पुष्टि करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि भारत और पाकिस्तान के बीच आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख अपनाया है। वह ऐसा करना जारी रखेगा।

असीम मुनीर और शहबाज शरीफ से की थी बात

पाकिस्तान के विदेश मंत्री से बात करने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर से भी बात की थी। रुबियो ने शहबाज शरीफ से भी बात की थी। इससे पहले शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को जितनी जल्दी हो सके कम होते देखना चाहते हैं।

आतंकी घटना एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा

ऑपरेशन सिंदूर के तहत इस कार्रवाई के बाद तिलमिलाया पाकिस्तान लगातार भारत को उकसाने के प्रयास करता रहा। आतंकवादियों के खिलाफ भारत की सीमित और नियंत्रित कार्रवाई को पड़ोसी देश ने एक्ट ऑफ वॉर बताया। बीते तीन-चार दिन से पाकिस्तान ड्रोन और मिसाइलों से भारत की सीमाओं को अशांत करने की हिमाकत कर रहा है। ऐसी हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारत ने अब तक संयम दिखाया है।

सिंधु जल संधि का निलंबन जारी रहेगा

संघर्ष विराम के बीच सिंधु जल संधि का निलंबन जारी रहेगा। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि युद्ध विराम की कोई पूर्व या पश्चात शर्त नहीं है। संघर्ष विराम का आह्वान पाकिस्तान की ओर से किया गया था। सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत ने सबसे पहली जवाबी कार्रवाई सिंधु जल संधि को निलंबित कर की थी। दोनों देशों के बीच चार युद्धों और दशकों से जारी सीमा पार आतंकवाद के बावजूद इस संधि को बरकरार रखा गया था। सिंधु नदी के जल पर पाकिस्तान की 70 फीसदी कृषि निर्भर करती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

5 खुंखार आतंकियों की लिस्ट सामने आई

भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। खुफिया एजेंसियों के हवाले से शनिवार को इनमें से 5 आतंकियों की लिस्ट सामने आई है। इनके नाम अबू जुंदाल, हाफिज मुहम्मद जमील, मोहम्मद यूसुफ अजहर, मोहम्मद सलीम, घोसी साहब और मोहम्मद हसन खान हैं। यूसुफ कंधार हाईजैक का मास्टरमाइंड और जुंदाल मुंबई हमले में शामिल था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम अटैक के बाद आतंकियों के 9 ठिकानों को मिसाइल से निशाना बनाया था। ये पांचों आतंकी एक साथ या अलग-अलग मारे गए, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

सीमा तनाव के बीच सरकार सतर्क

सभी मंत्रालयों को संकट प्रबंधन की तैयारी के निर्देश

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बताया कि वे भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर सही निर्णय लेने के एक्शन में हैं। उन्होंने अपने साथी सचिवों के साथ एक समीक्षा बैठक में कहा कि सरकारी मंत्रालयों को आपात योजना तैयार करने के लिए तत्परता से काम करने की जरूरत है। इस दिशा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को

सीमा से लगे राज्यों के किसानों की मदद सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए हैं। वे भी कहते हैं कि यदि बोवाई में देरी होती है, तो सरकार किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता में रखेगी। इसके अलावा, सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए एक रूपरेखा तैयार की है और देश के खाद्यान्न भंडार में पर्याप्त मात्रा है। मुख्यमंत्री चौहान ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जाए। व्यापारियों और थोक विक्रेताओं को भी खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी न करने की सख्त चेतावनी दी गई है। सरकार ने उन्हें यह समझाया है कि कृत्रिम कमी न करनेसे बाजार में परेशानी उत्पन्न हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने भी सोशल मीडिया पर खाद्यान्न के भंडार के बारे में गलत जानकारी फैलाने पर रोक लगाने की अपील की है। वे स्पष्ट कर चुके हैं कि खाद्यान्न की पुरानी स्टॉक पर ध्यान न देना चाहिए। इस तरह सरकार ने तनाव की स्थिति का सामना करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और जनता की सुरक्षा और हित की देखभाल करने की संकल्पना जताई है।

भारत-पाकिस्तान सीजफायर के लिए राजी टंप ने दी बधाई

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- देर रात की बातचीत का नतीजा, दोनों देशों को समझदारी भरे फैसले की बधाई

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता में रातभर चली बातचीत के बाद दोनों देशों ने तुरंत हमले रोकने पर सहमति जता दी है। ट्रम्प ने इसे कॉमनसेंस और समझदारी से भरा फैसला बताया और भारत व पाकिस्तान दोनों को बधाई दी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा, कि पाकिस्तान ने कभी अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं किया, लेकिन हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए प्रयास किए हैं।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए, लिखा- अमेरिका ने देर रात तक मध्यस्थता की। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह युद्धविराम के लिए तैयार हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस और समझदारी दिखाने के लिए बधाई देता हूं।

अमेरिकी मध्यस्थता की भूमिका

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार रात भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की थी। उन्होंने आतंकवाद की निंदा करते हुए संयम बरतने की सलाह दी और दोनों पक्षों से शांति स्थापना की अपील की। रूबियो ने बताया कि अमेरिका भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है, लेकिन तनाव बढ़ाने की बजाय राजनयिक समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

डीजीएमओ स्तर की सीधी बातचीत से बनी सहमति

सूत्रों के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी रोकने और सैन्य कार्रवाई स्थगित करने को लेकर सीधे तौर पर बातचीत हुई। पाकिस्तानी डीजीएमओ ने पहल करते हुए बातचीत शुरू की, जिसके बाद सहमति बनी। फिलहाल अन्य मुद्दों पर अलग स्थान पर बातचीत को लेकर कोई निर्णय नहीं हुआ है। रूबियो ने कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और वे खुद बीते 48 घंटे से भारत और पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शहबाज शरीफ, अजित डोभाल, और आसिम मुनीर से संपर्क में थे।

पाकिस्तान ने 3 घंटे में ही सीजफायर तोड़ा

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर लागू हो गया। इसके 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया।

रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ।

फायरिंग के बाद से जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब और गुजरात के बॉर्डर वाले जिलों में ब्लैकआउट कर दिया गया है।

22 अप्रैल से 10 मई तक पाकिस्तान की गोलीबारी में 4 जवान शहीद हो चुके हैं। 60 जवान पाकिस्तानी हमलों में घायल भी हुए हैं। वहीं, 17 नागरिकों की भी मौत हो चुकी है और 60 से ज्यादा लोग घायल हैं।

इनके अलावा राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (ष्ठष्ठष्ट) डॉ. राज कुमार थापा भी पाकिस्तानी गोलाबारी में घायल हुए थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रेड अलर्ट

जैसलमेर। राजस्थान के श्रीगंगानगर और चूरू जिलों में फिर से भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रेड अलर्ट जारी किया गया है। यह खतरा पिछले कुछ दिनों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। उन्हें बाहर जाने से रोका गया है और अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। पेट्रोल पंप भी बंद कर दिए गए हैं। पाकिस्तान की ओर से हवाई हमले की आशंका के बाद यह कदम उठाया गया है। श्रीगंगानगर में लड़ाकू विमान की आवाज भी सुनी गई है। चूरू और बालोतरा में भी इस तरह का अलर्ट जारी है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन एक्टिव हो गया है और व्यापारियों से भी बड़ी सतर्कता की जा रही है। दुकानें बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। बाड़मेर और श्रीगंगानगर जिलों में पिछली रात ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया था। इसके बाद चूरू और बालोतरा में भी इस तरह की घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं।

करोड़ों का आसामी निकला बिजली कंपनी का इंजीनियर

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में शनिवार सुबह ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने बिजली कंपनी के असिस्टेंट इंजीनियर उमाशंकर पाराशर के 4 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जबलपुर से आई ईओडब्ल्यू की 15 सदस्यीय टीम नरसिंहपुर, आमगांव के पास बीनेर ग्राम और निवारी गांव में स्थित ठिकानों पर जांच की गई।

इंजीनियर उमाशंकर पाराशर की पत्नी के नाम पर करोड़ों की 2 फैक्ट्रियों का खुलासा हुआ है। कई बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी मिले हैं। उमाशंकर पाराशर वर्तमान में कटनी के सिटी डिविजनल ऑफिस में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। वह पहले नरसिंहपुर में विजिलेंस विभाग में थे। एक साल पहले ही उनका तबादला कटनी हुआ था।

तीन मकान, केमिकल और वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट

ईओडब्ल्यू के डीएसपी एबी सिंह के मुताबिक शुरुआती जांच में पाराशर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के सबूत मिले हैं। उनके पास नरसिंहपुर स्थित विपतपुरा इलाके में एक मकान, रोसरा में दो अन्य घर, निवारी गांव में कॉमन बायो केमिकल फैक्ट्री और बीनेर ग्राम में स्थित मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट है। ये प्लांट पत्नी के नाम पर हैं। जांच टीम ने मकानों, फैक्ट्रियों और अन्य ठिकानों से दस्तावेज, संपत्ति विवरण और लेन-देन से जुड़े अहम कागजात जब्त किए गए हैं।

बाबा रामदेव को दोबारा ऐसी टिप्पणी नहीं करने की नसीहत के साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने बंद किया केस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव को नसीहत के साथ ही बड़ी राहत प्रदान की है। कोर्ट ने उनके खिलाफ रूह अफजा मामले में दायर मुकदमा बंद कर दिया है। कोर्ट का यह निर्णय रामदेव द्वारा हमदर्द के उत्पाद रूह अफजा के खिलाफ भविष्य में कोई अपमानजनक टिप्पणी न करने के वचन के बाद आया है।

दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस अमित बंसल की अदालत ने साफ किया कि रामदेव और पतंजलि फूड्स लिमिटेड द्वारा दिए गए हलफनामे में किए गए वचन उनके लिए बाध्यकारी रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि यह मामला अब समाप्त किया जाता है, और हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया के पक्ष में निर्णय सुनाया। मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब बाबा रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए यह दावा किया था कि हमदर्द के रूह अफजा से कमाई गई राशि का उपयोग मदरसों और मस्जिदों के निर्माण में किया जाता है। इस पर हमदर्द ने आपत्ति जताते हुए कोर्ट का रुख किया। 22 अप्रैल को कोर्ट ने रामदेव और पतंजलि से हलफनामा दाखिल करने को कहा था, जिसमें यह आश्वासन देना था कि वे अब किसी भी प्रतिस्पर्धी उत्पाद के खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी नहीं करेंगे, न ही कोई विवादास्पद वीडियो या विज्ञापन जारी करेंगे।

भारत के अटैक से पाकिस्तान के 4 एयरबेस तबाह, अभी इतने बाकी

नई दिल्ली । भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। पाकिस्तान ने बीती रात फतेह-2 मिसाइल और कई ड्रोन हमले किए। हालांकि भारत की सुरक्षा कवच ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। इस बीच पाकिस्तान आर्मी ने दावा किया है कि भारत ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। खबर है कि भारत ने पाकिस्तान के 4 एयरबेस को तबाह कर दिया है। जिसके बाद पाकिस्तान ने एयरबेस बंद कर नोटम जारी किया है। हालांकि, भारत सरकार की ओर से हमले को लेकर अभी कोई भी पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान के पास कुल 40 एयरबेस हैं। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से 30 एयर बेस हैं, जो युद्ध जैसी स्थिति में परमाणु हमले के लिए तैयार हो सकते हैं। पाकिस्तान के शोरकोट, मसरूर कराची, क्वेटा के समुंगली, कामरा के मिन्हास, पेशावर में मुख्य एयरबेस हैं। हर देश की तरह पाकिस्तान के एयरबेस तीन कैटगरी में बंटे हुए हैं। पहला मेजर ऑपरेशनल बेस, यह एयरबेस पूरी तरह से फंक्शनल हवाई अड्डे होते हैं। दूसरे फॉरवर्ड ऑपरेशनल बेस जो कि हमेशा सिर्फ सक्रिय रहते हैं, लेकिन युद्ध जैसी स्थिति होने पर इन्हें तुरंत फंक्शनल कर दिया जाता है। इसके बाद सैटेलाइट बेस का उपयोग शांतिकाल और युद्धकाल दोनों में विमानों की आपातकालीन लैंडिंग और रिकवरी के लिए किया जाता है। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया है कि भारत की ओर से छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई हैं। यह मिसाइलें भारत ने जालंधर के आदमपुर एयरबेस से दागी हैं। जनरल अहमद ने भारत के कदम का विरोध कर गैर-ज़िम्मेदाराना और बेहद खतरनाक बताया है।

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

प्री-लिटिगेशन के 954 प्रकरण तथा 267 लंबित प्रकरणों का हुआ निराकरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। न्यायाधीश श्री प्राण द्वारा नेशनल लोक अदालत के लिए समस्त विभागों के अधिकारी, समस्त न्यायाधीशगण की बैठक ली जाकर आवश्यक दिशा-निर्देश देकर समय-समय पर प्रोत्साहित किया गया एवं निरंतर समीक्षा भी की गई। जिसके परिणामस्वरूप नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया जा सका। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री पदमेश शाह, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) श्री रघुवीर प्रसाद पटेल, जिला न्यायाधीश श्री गौतम सिंह मरकाम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा एवं अन्य न्यायाधीशगण एवं गणमान्य अतिथिगण की उपस्थिति में किया गया।

नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा जिला न्यायालय बालाघाट में लोक अदालत के आयोजन के दौरान भ्रमण कर मौके का अवलोकन किया गया। साथ ही जिला न्यायालय परिसर में जिला आयुष विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया है जिसमें पक्षकारगण, अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईओं का वितरण किया गया है। उक्त के अतिरिक्त जिला न्यायालय परिसर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सहयोग से दिव्यांगजन/हितग्राहियों को व्हील चेयर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री पदमेश शाह, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट, अविनाश छारी, श्रीमती तारा मार्को, श्रीमती शिखा शर्मा, शुभम जैन, श्रीमती शिनी जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे एवं समस्त बैंक, बीमा, पुलिस विभाग के अधिकारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्यायालय के कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय बालाघाट में 18 खण्डपीठ का गठन किया गया। जिसमें सिविल न्यायालय बैहर के लिए 03 खण्डपीठ, कंटगी के लिए 01 खंडपीठ, लांजी के लिए 1 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी के लिए 05 खंडपीठों का गठन किया गया है। इस प्रकार संपूर्ण जिले में 18 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों में आपराधिक शमनीय प्रकरण, पराक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक/मनी रिकवरी संबंधी मामलें, एम.ए.सी.टी. प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण एवं जल कर/विद्युत चोरी सहित शमनीय प्रकरण और दीवानी इत्यादि विभिन्न प्रकृति के महत्वपूर्ण मामले रखे गये। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) के अंतर्गत बैंक रिकवरी संबंधी मामले तथा विद्युत एवं जल कर/बिल संबंधी (सिर्फ शमनीय प्रकरण), आपराधिक शमनीय प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, दीवानी इत्यादि सभी प्रकार के मामले लोक अदालत में निराकरण हेतु विचारार्थ रखे गये। प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) प्रकरणों में 954 प्रकरणें का निराकरण होकर 963057 का अवार्ड पारित हुआ तथा लंबित प्रकरण (न्यायालयों द्वारा रैफर प्रकरण) में 267 प्रकरणों का निराकरण होकर 11677555 का अवार्ड पारित हुआ।

जिला उपभोक्ता आयोग में एक प्रकरण में 24500 का हुआ समझौता

इसी तरह जिला उपभोक्ता आयोग में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जहां जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट अध्यक्ष श्यामाचरण उपाध्याय ,सदस्य डॉ महेश कुमार चांडक एवं सदस्य श्रीमती हर्षा बिजेवार की संयुक्त बैंच ने लोक अदालत में तीन प्रकरणों को रखा था। जिसमें से एक प्रकरण में समझौता हुआ। पुष्पेंद्र कुमार भोरगड़े विरुद्ध अमेजॉन सेलर कंपनी जिसमें आदेश की राशि आवेदक पुष्पेंद्र कुमार को प्राप्त नहीं हुई थी आज लोक अदालत में अमेजॉन सेलर कंपनी द्वारा आवेदक पुष्पेंद्र कुमार को 24500 की राशि देकर समझौता किया गया इस अवसर पर जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट की रीडर प्रकाश कावरे राजेश मर्सकोले ,धनीराम सपाटे एवं प्रज्ञा कुशराम उपस्थित रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण में जिले के समस्त दैनिक समाचार पत्रों के प्रधान संपादक/संपादकगण, प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के सभी सदस्यगण द्वारा नेशनल लोक अदालत की सफलता हेतु विशेष रूप से सक्रिय सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त न्यायाधीशगण, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं समाजसेवीगण तथा आमजन एवं दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आए हुए पक्षकारगणों को लोक अदालत के इस पावन कार्य में सहयोग हेतु भी आभार व्यक्त किया गया। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा न्यायदान की इस पावन परम्परा को भविष्य में भी इसी प्रकार संचालित करने के लिए सभी से सार्थक सहयोग की अपेक्षा की गयी है।

जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत संगोष्ठी हुई सम्पन्न

जल संरक्षण की ली शपथ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जल गंगा अभियान की क्रियात्मकता निरंतर जारी है। शनिवार को मप्र जन अभियान परिषद विकासखण्ड वारासिवनी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र छात्राओं द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम अन्तर्गत आज शासकीय शंकरसाव महाविद्यालय वारासिवनी में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जन जागरूकता संगोष्ठी

का आयोजन किया गया। साथ ही सभी उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओ को शपथ भी दिलाई गई। संगोष्ठी में चर्चा करते हुए सुरेंद्र कुमार भगत (विकासखंड समन्वयक) ने कहा कि हमें आने वाले समय के लिए जल के विभिन्न स्थानों जैसे कुआं बावड़ी तालाब आदि को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक सहभागिता और स्वैच्छिक भाव से प्रयास करना होगा हमें जल की महत्वत्ता सभी ग्रामीण जनों के साथ आपस में चर्चा संवाद कर साझा करना चाहिए। श्री भगत ने कहा कि हमारे द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, एवं जन अभियान परिषद द्वारा अनेक प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हम सभी लोग मिलकर पानी बचाना सीखे इसलिए हमने सांकेतिक सामुहिक श्रमदान के माध्यम से गांव के बीच स्थित तालाब कि साफ सफाई कि गई जो इस भीषण गर्मी में गांव के जलस्तर को बनाए रखने तथा पशु पक्षियों के पीने के पानी के लिए जो बहुत आवश्यक है ।

बारात में नाचने के दौरान हुआ विवाद, एक युवक के साथ की गई मारपीट

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बूढ़ी क्षेत्र में बारात में नाचने के दौरान दो युवकों के बीच आपस में विवाद हो गया। जिसमें एक युवक ने दूसरे युवक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया है। मारपीट में घायल हुए युवक अर्जुन पिता भुवनलाल कुंभरे 26 वर्ष ग्राम तिवड़ीकला थाना हट्टा निवासी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक मजदूरी का काम करता है। बीती रात करीब 8 बजे उनके गांव की बारात गंगानगर बूढ़ी आई थी। बारात में नाचने के दौरान अमन यादव नामक युवक व घायल युवक के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिस पर अमन ने आवेश में आकर अपने हाथ के कड़े से हमला कर उसे घायल कर दिया। बारात में मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया और घायल युवक को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। मामले की सूचना पुलिस को मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बयान दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया हैं।

सड़क किनारे जंगल में जंगली भैंसो का दिख रहा झुंड

राहगीर मोबाइल में तस्वीर कर रहे कैद

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। नैनपुर-बालाघाट 543 राष्ट्रीय राज मार्ग पर चांगोटोला से लामता के बीच सड़क किनारे राहगीरों को आसानी से जंगली भैंसो के झुंड देखने को मिल रहे है। इससे कई लोग इन्हें देखकर आते जाते अपने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लेते हैं। लामता के लोगों ने बताया कि वन परिक्षेत्र उत्तर लामता सामान्य और दक्षिण लामता सामान्य के पूरे जंगल कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के कारीडोर व पेंच से लगे होने के चलते बाघ,

तेंदुए, भालू, बायसन, नील गाय, सांभर, चीतल, जंगली भैंसा सहित अन्य वन्यप्राणी बहुतायत में पाए जाते हैं। ये वन्यप्राणी कई बार विचरण करते हुए सड़क तक आने से आवाजाही के दौरान लोगों को दर्शन हो रहे है। गर्मी होने से जंगल में कई बार पानी की कमी के चलते वन्यप्राणी इधर उधर भटकते रहते है। यही वजह है कि इन दिनों नियमित रूप से चांगोटोला से लामता के बीच सड़क किनारे जंगल में जंगली भैंसा का झुंड देखा जा रहा है। सड़क किनारे जंगल में ऐसा एक साथ वन्यप्राणी का झुंड वाला दृश्य देख लोग इनकी तस्वीर कैद करने से नहीं चुक रहे हैं।

अखिल भारतीय महासभा का 1 जून को होंगा युवक-युवती परिचय महासम्मेलन

महासभा के पदाधिकारीयों ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक ब्रम्हालीन रमेशचन्द्र अग्रवाल की प्रेरणा से अखिल भारतीय वैश्य तलाकशुदा, विधवा-विधुर, विकलांग एवं अधिक उम्र युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 1 जून को रविन्द्र नाट्य ग्रह इन्दौर में किया जाना है। सम्मेलन में सभी वैश्य समाज के घटक शामिल होंगे। इस संबंध में शनिवार को स्थानीय सर्किट हाऊस में वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश जिला बालाघाट के पदाधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैश्य महा सम्मेलन की संभागीय क्षेत्रीय बैठक सिवनी में 7 मई को संपन्न हुई। इसमें बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, के पदाधिकारी शामिल थे। जिसमें संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल के मार्ग दर्शन में भारत में जातिगत जनगणना के बारे में भी चर्चा करते हुए वैश्य महासम्मेलन म.प्र द्वारा इस निर्णय का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही जून माह में बालाघाट में भी वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया जाएंगा। इसमें वैश्य समाज के प्राविण्य सूची में अंक प्राप्त मेधावी बच्चों व 80 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठजनों एवं अपने कार्य क्षेत्र में विशेष योग्यता अर्जित करने वालों को सम्मानित किया जाएंगा। इस दौरान मुख्य रूप से वैश्य महासम्मेलन म.प्र के प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण अग्रवाल, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य तपेश असाटी, जिलाध्यक्ष संदीप नेमा, जिला प्रभारी सुभाष गुप्ता, संभाग युवा अध्यक्ष श्रेयांश वैद्य, जिला प्रवक्ता मोनिल जैन उपस्थित रहे। इस दौरान वैश्य महासम्मेलन म.प्र के प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन म.प्र एक ऐसा संगठन है जो वैश्यों की हितों के लिये गठन किया गया है। वैश्य महासम्मेलन अतिश्योक्ति नहीं होगी दो सरकारों के दो पार्टी भाजपा व कांग्रेस हो इसके बाद तहसील स्तर किसी संगठन का गठन है तो वह म.प्र के वैश्य महासम्मेलन का है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व हमारे संगठन का प्रदेश कार्यसमिति की बैठक, क्षेत्रीय बैठक व जिल के कार्यसमिति की बैठक हुई व अब तहसील कार्यसमिति की बैठक होगी। बात कहे संगठन के नवाचार की तो

इतिहास में म.प्र में पहली बार सामाजिक संगठन का सबसे बड़ा भवन 20 करोड़ की लागत से भोपाल में बन गया है जिसका दिसम्बर माह में लोकार्पण होने जा रहा है। इसी तरह छिंदवाड़ा में सामाजिक संगठन का भवन बनाने एक करोड़ रूपये की लागत से जमीन ले ली गई है। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को सभी वैश्य समाज के घटकों के प्रदेश अध्यक्ष की बैठक भोपाल में हुई जो पहली बार इतिहास में हुआ है। ये निरंतर हमारा संगठन वैश्य के हितों में कार्य कर रहा है इसके लिये ये बैठक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि 1 जून को इंदौर में परिचय सम्मेलन हो रहा है। जून माह में ही बालाघाट जिले में भी वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया जाएंगा। जिसमें प्रावीण्य सूची में अंक प्राप्त करने वाले समाज संगठन के बच्चों को सम्मानित किया जाएंगा। इसके अलावा वैश्य समाज के 80 वर्ष से अधिक के वरिष्ठजनों व अपने कार्य क्षेत्र में विशेष योग्यता अर्जित करने वाले सामाजिक प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएंगा। वैश्य समाज के युवाओं उद्यमियों को बेहतर रोजगार की सुधिवा उपलब्ध कराने भी संगठन दृढ संकल्पित है। इस हेतु विशेष लोगों के साथ में जानकारी हेतु शीघ्र संगोष्ठी की जावेगी। उन्होंने कहा कि भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में भी वैश्य महासम्मेलन बालाघाट द्वारा राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएंगा।

The Court Of Pranesh Kumar Pran, Principal District and Session Judge.Balaghat

Presiding Officer :- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संस्क्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890

संरक्षण एवं प्रतिपाल्य प्रकरण क्रमांक (MJC GW/000007/2025)

श्रीमति पारबती शिवाले..............आवेदक

Vs

आम जनता.............................अनावेदक

Process Id-278/2025
पेशी दिनांक- 17/06/2025

प्रेषिती-

(1) आम जनता पता आम जनता

(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नाबालिग पुत्री वंशिका उम्र 14 वर्ष पित्ता स्व. श्री जितेन्द्र शिवाले निवासी ग्राम कोस्ते तहसील किरनापुर जिला बालाघाट का नैसर्गिक संरक्षक घोषित करते हए ग्राम कोस्ते प.ह.नं. 44 रा.नि.म. तहसील किरनापुर जिला बालाघाट स्थित भूमि ख.न. 194/5/2 रकबा 0.111 हे. एवं ख.नं. 549/4/3 रकबा लगभग 0.0510 हे./0.12 डिसमिल स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि शासकीय अभिलेखों में दर्ज है और अवयस्क की स्वयं की उक्त भूमि है। आवेदिका की पुत्री वंशिका आवेदिका के संरक्षण मे ही निवास कर रही है और नसर्गिक संरक्षण होने के कारण पुत्री वंशिका के समस्त हितों के बारे में चिंतित व सजग है एक अवयस्क का आवेदिका के अलावा अन्य कोई संरक्षक नही है एवं आवेदिका के पास उसकी पढाई उचित देखभाल, संरक्षण, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं भरण-पोषण, विवाह आदि के लिए कोई स्त्रोत नहीं है। अतः अवयस्क के भविष्य को देखते हुए उसकी भूमि का विक्रय किया जाना व विक्रय से प्राप्त राशि को सुरक्षित रखकर उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करना संरक्षिका का विधिक एवं नैतिक दायित्त्व है इस कारण से संरक्षिका उक्त संपत्ति को विक्रय करना चाहती है जिसके लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 17.06.2025 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनाक 17.06.2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यदि आज तारीख 02.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया है।

न्यायधीश
प्रधान जिला न्यायाधीश
बालाघाट (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:-

1.यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

FOR SALE
Maruti Brezza
Model-2016ZDI+, Fuel-Diesel
ACE Hydra
Model-2022-16Ton
With Stabilizer, Fuel-Diesel
Putzmeister
Pump BSA-1405-D
Model-2023, Fuel-Diesel
:Contact:
M/s Ramnik Power & Alloys Pvt.Ltd.
Main Road, Balaghat
9131203244, 8989853030

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है,
25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है
सिविल वर्क/इन्टीरयर वर्क देखरेख हेतु ITI/Polytechnic युवती की आवश्यकता है
वेतन - 10000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है
कार चलाने हेतु ड्रायवर की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास
वेतन- 10000+
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ये कैसा जल गंगा संवर्धन अभियान?

मोती तालाब बना धोबीघाट, नए घाट में व्यवस्थाओं की दरकार

इधर लाखो रू की लागत से बनाया गया धोबीघाट बदहाल, उधर मोती तालाब में कपड़े धो कर फैलाई जा रही गंदगी

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। जल संरक्षण के उद्देश्य से वर्तमान समय में पूरे जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाबों व कुओं की साफ-सफाइ की जा रही है। इसी कड़ी में नगरीय प्रशासन भी नगरीय क्षेत्र के तालाबों व कुओं की साफ-सफाई करने का अभियान चला रहा है और इसी अभियान के तहत क्षेत्र के प्रमुख मोती तालाब जो कि न सिर्फ जल संग्रहण का केंद्र है बल्कि मनोरंजन का भी स्थान है उसकि भी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत साफ-सफाई तो की गई लेकिन यहां से धोबी घाट को अभी तक बंद नहीं कराया गया है। जिसके कारण रोजाना की बड़ी संख्या में तालाब में कपड़े धोने के कारण कपड़ों की गदंगी इस तालाब के पानी में ही मिल रही है जिससे ये तालाब तो गंदा ही हो रहा है। ऐसे में नगरीय प्रशासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत की जा रही साफ-सफाई भी विफल हो रही हैं।

करीब 8 वर्ष पूर्व श्री रंगलानी के कार्यकाल में बनाया गया था नया धोबीघाट

आपको बताएं कि मोती तालाब से धोबी घाट हटाने और वहां जल प्रदूषण को रोकने के लिए करीब 8 वर्ष पूर्व तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी के कार्यकाल में मोती तालाब के नीचे सुरभि नगर में लाखों रुपए खर्च कर नए धोबी घाट का निर्माण कराया गया था।जहां भरपूर पानी की व्यवस्था के लिए करीब 12 टाकियों का निर्माण कर, पानी निकासी की व्यवस्था सहित अन्य इंतजाम किए गए थे। वहीं पानी की सप्लाई के लिए घाट के समीप ही बोरिंग भी खुदवाया गया था। इन सब कार्य के लिए नपा को लाखों रुपए का खर्च आया था। जहां घाट बनने के बाद कुछ दिनों तक तो कपड़ों की धुलाई का काम ठीक से चलता रहा, लेकिन व्यवस्थाओं के अभाव में धीरे-धीरे यह कार्य भी बंद कर दिया गया और लाखों रुपए खर्च कर बनाई गई यह व्यवस्था फिर से पुराने ढर्रे पर आ गई जिसके चलते पूर्व की तरह मोती तालाब में कपड़ों की धुलाई का कार्य फिर से शुरू हो गया।जो अब भी जारी है।

सुरभि नगर धोबीघाट में दिख रही व्यवस्थाओ की कमी

मोती तालाब के जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए नगरीय प्रशासन ने लाखो रू खर्च कर पक्का व मजबूत धोबीघाट बनाया है।सुरभि नगर में बनाए गए इस घाट में कपड़ो की धुलाई के लिए नगरीय प्रशासन ने करीब 12टंकियों को निर्माण किया गया है,और उन 12 टंकियों के निर्माण के बाद भी वहां पर उपयुक्त व्यवस्था नहीं की गई है। वहां पर न तो बाउंड्रीवाल की व्यवस्था है और ना ही मोती तालाब धोबीघाट जैसे पानी की, और ना हीं घाट में कपड़े सुखाने के इंतेजाम किए गए है।इसके अलावा बनाई गई टाकियो में पानी भरने के भी कोई इंतेजाम नही किए गए है। यदि इन टाकियो में पानी भरने या इस घाट मे कपड़े धोने के लिए लोग मशीन का उपयोग करते है तो ऐसी स्थिति में मशीन के चोरी होने का खतरा बना हुआ है।इसके अलावा धोबी घाट तक पहुच मार्ग और घाट परिसर में धूप और पानी से बचने के लिए शेड तक का निर्माण नही कराया गया है।शायद यही वजह है कि कपड़े धोने के व्यवसाय से जुड़े लोग सुरभि नगर के इस घाट में कपड़े धोने से परहेज कर रहे है।और पिछले कई सालों की तरह मोती तालाब घाट का उपयोग कपड़े धुलाई के लिए किया जा रहा है।वही सुरभि नगर स्थित घाट का उपयोग नहीं होने से इस घाट में विरानी छाई हुई है।

केवल धोबी घाट ही नहीं,नालियों से भी हो रहा मोती तालाब का जल प्रदूषित

बात अगर मोती तालाब के जल प्रदूषण की करे तो केवल धोबी घाट से ही नहीं, बल्कि मोती तालाब में आकर मिलने वाली नालियों से भी भारी मात्रा में जल प्रदूषित हो रहा है।जहा मोती तालाब को गंदे पानी से बचाने के लिए नपा द्वारा कोई सार्थक कदम नहीं उठाए गए हैं। बताया जा रहा है की मोती तालाब में चार स्थानों से वार्ड का गंधा पानी आता है।जबकि इस तालाब के संरक्षण और संवर्धन के लिए नगरी प्रशासन द्वारा लाखों रुपए खर्च किए गए हैं।उसके बाद भी तालाब के जल को प्रदूषित होने से बचाने में नगरीय प्रशासन नाकाम नजर आ रहा है। यदि वार्ड का गंदा पानी नाली के माध्यम से तालाब में न आकर बाहर चला जाता तो तालाब गंदा नहीं होता, लेकिन ये नगरीय प्रशासन की लापरवाह कार्यप्रणाली का नतीजा है कि कई वर्ष बीत जाने के बावजूद भी वर्तमान समय तक न तो सुरभि नगर धोबीघाट का संचालन शुरु हो पाया है,ना ही मोती तालाब में कपड़ो की धुलाई रुक पाई है। और न ही वार्ड के गंधे पानी को तालाब के भीतर आने से रोका जा रहा है।

धोबी घाट में व्यवस्था बन जाएगी तो हम मोती तालाब में कपड़े धोना बंद कर देंगे

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान,भुवन लाल जांगड़े, और जिला रजक धोबी समाज उपाध्यक्ष भरत कनोजिया, ने बताया कि वर्तमान समय में हम लोग मोती तालाब में ही कपड़े धो रहे हैं। हमारे लिए कुछ वर्ष पूर्व धोबी घाट स्वीकृत किया गया था,वहां पर रंगलानी जी के समय में बोरिंग खुदाई गई थी। वही तत्कालीन नपा अध्यक्ष अनिल धुवारे द्वारा घाट में टाकियो का निर्माण कराया गया था। लेकिन उसके बाद से वहां कुछ भी व्यवस्था नहीं बनाई गई। आज तक मोटर नहीं लगी है, कपड़े सुखाने के लिए शेड की व्यवस्था नहीं की गई है। धूप ,बारिश से बचने व छांव के लिए व्यवस्था नहीं बनाई गई है। बाउंड्री वॉल का भी निर्माण नहीं किया गया है और ना ही वहां पर हॉल का निर्माण कराया गया है। जिसके चलते वहां पर कपड़े धोने में परेशानी होती है। धोबी घाट का काम कई वर्षों से बंद पड़ा हुआ है। वहां पर सुविधा नहीं है इसीलिए मजबूरन हमें मोती तालाब में जाकर कपड़े धोना पड़ रहा है। यदि धोबी घाट में व्यवस्था हो जाएगी तो हम मोती तालाब में कपड़े धोना बंद कर देंगे।

जल्द बनाई जाएगी व्यवस्था- दीपक

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान स्वास्थ्य शाखा नपा, नोडल अधिकारी, दीपक बिसेन, ने बताया कि धोबीघाट के बजाय वर्तमान समय में मोती तालाब में कपड़े धोने का काम किया जा रहा है, जिन्हें तालाब में कपड़े नहीं धोने के लिए लगातार मना किया जा रहा है। साथ ही धोबीघाट में फेसिंग, सीमेंट चेयर, मिनी हाइमास्क सहित अन्य व्यवस्थाएं भी जल्द की जाएगी। जिससे मोती तालाब में कपड़े धोना पूर्ण रुप से बंद हो जाएगा।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर भालू ने किया हमला

हमले में दो महिला सहित एक बुजुर्ग हुआ घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कान्हा के खापा क्षेत्र में तेंदूपत्ता तोड़ने गए दो महिला सहित एक बुजुर्ग पर भालू ने हमला कर घायल कर दिया। घायल हुए तीनों लोगों को परिजनों द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो महिलाओं को बालाघाट तो बुजुर्ग को गोंदिया रेफर कर दिया है। आपको बता दे कि एक ही दिन में शनिवार को तीन ग्रामीणों पर भालु ने हमला कर कर घायल कर दिया। जिसमें दो महिलाएं और एक पुरूष शामिल है। कान्हा के खापा क्षेत्र और पश्चिम बैहर के वन परिक्षेत्र अंतर्गत तिरगांव में तेंदुपत्ता तोड़ने गए दो महिलाएं और एक बुजुर्ग को, भालु के हमले से घायल होने पर, बैहर अस्पताल लाया गया। जहां, प्राथमिकी उपचार के बाद, हालत खराब होने पर घायल महिला बैहर क्षेत्र अंतर्गत कश्मीरी निवासी 33 वर्षीय महिमा धुर्वे, कुमादेही निवासी 58 वर्षीय लीला बिसेन और तिरगांव निवासी 62 वर्षीय जैसवाल इनवाती को बेहतर ईलाज के लिए हायर सेंटर रिफर किया गया है। हालांकि एक महिला महिमा धुर्वे के बैहर में ईलाज कराने की बात कहे जाने पर, उसका ईलाज बैहर अस्पताल में ही चल रहा है। बताया जाता है कि कान्हा के खापा वनक्षेत्र में तेंदुपत्ता तोड़ने गई एक महिला के पैर की पिंडली और दूसरे महिला के हिब्स तथा पश्चिम बैहर के वनक्षेत्र में बुजुर्ग के सीने और सिर पर, भालु ने हमला किया। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई है। कान्हा के खापा वन परिक्षेत्र अधिकारी संध्या देशकर ने बताया कि महिलाओं का प्राथमिकी उपचार बैहर में कराया गया। जिसमें एक महिला लीला बिसेन को जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया है। जबकि दूसरी महिला ने बैहर में ईलाज कराने की बात कही है। हालांकि हमने दोनो ही महिलाओं को हायर सेंटर भिजवाने, एम्बुलेंस मंगाई थी। घायलों के ईलाज में विभागीय सहयोग किया जा रहा है। वहीं पश्चिम बैहर वन परिक्षेत्र अधिकारी कंदर्प भट्ट ने बताया कि घायल जैसवाल इनवाती को, बेहतर उपचार के लिए गोंदिया अस्पताल भिजवाया गया है। घायल के ईलाज के लिए बीटगार्ड को निर्देशित किया गया है। यदि कोई अप्रिय स्थिति होती है तो विभाग के नियमानुसार, आर्थिक मदद की जाएगी। बता दे कि इन दिनो, जिले में तेंदुपत्ता सीजन चल रहा है, जिसमें सुबह से ही लोग तेंदुपत्ता तोड़ने, जंगल की ओर चले जाते है। जिससे अक्सर, तेंदुपत्ता सीजन में, वन्यप्राणियों के हमले से ग्रामीणों के घायल होने की खबरें आती है, यह पहली मर्तबा है कि एक ही दिन में दो अलग-अलग स्थानों पर भालु ने तीन लोगों पर हमला किया है। खापा परिक्षेत्र अधिकारी संध्या देशराज का कहना है कि तेंदुपत्ता तोड़ने, ग्रामीण सावधानी के साथ जाए। वह ग्रुप में और दिन निकलने के बाद ही जंगल में जाए और पूरी सावधानी बरते।

प्राथमिकी उपचार के बाद उन्हें रिफर कर दिया गया है - हरीश मसराम

बैहर बीएमओ डॉ. हरीश मसराम ने बताया कि सभी घायलों का बैहर अस्पताल में प्राथमिकी उपचार किया गया। हालांकि महिलाओं की स्थिति सामान्य है लेकिन बुजुर्ग को चोटें ज्यादा है। जिनके प्राथमिकी उपचार के बाद उन्हें रिफर कर दिया गया है।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने गंगा संवर्धन अभियान के तहत देवनदी के उद्गम स्थल का किया पूजन

डाबरी से लांजी मार्ग को एक साल में बनाने का किया वादा, कहा बड़ी नदी तभी सुरक्षित होगी जब छोटी नदी वर्ष भर रहेंगी बहते

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंत्री प्रहलाद पटेल 10 मई को बालाघाट में एकदिवसीय प्रवास पर रहे ।यहाँ श्री पटेल द्वारा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र दक्षिण बैहर के बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरिया में गंगा संवर्धन अभियान के तहत देवनदी के उद्गम की पूजा अर्चना की। बताया जाता है कि यह गांव नक्सल प्रभावित होने के कारण यहां पर पहली बार सरकार के मंत्री इतने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। जिसकी सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी इस क्षेत्र में मौजूद रहा । श्री पटेल ने मार्च 2026 तक डाबरी से लांजी मार्ग के निर्माणकार्यों को पूर्ण होना बताया हैं ।आपको बता दे कि जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र दक्षिण बैहर के बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरिया में पहली बार मंत्री के रूप में प्रहलाद पटेल, शनिवार 10 मई को यहां पहुंचे और गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत देवनदी के उद्गम स्थल का पूजन किया यह बैहर क्षेत्र का अंतिम गांव है, जिसके बाद लांजी विधानसभा क्षेत्र प्रारंभ हो जाता है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहली बार किसी मंत्री के पहुंचने पर मंत्री प्रहलाद बोले की यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का भारत, मोहनजी के नेतृत्व का मध्यप्रदेश है, जनप्रतिनिधि कोई भी हो, उसे अंतिम स्थान तक जाना चाहिए। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मानने वाले है, दरिद्र नारायण की सेवा ही सच्ची सेवा है, जो सबसे पंक्ति में पीछे खड़ा है, उसको बराबर में खड़े करना, जब जाओंगे नहीं तो वह बराबर में कैसे खड़ा होगा। मैं सौभाग्यशाली हुं कि मंत्री के रूप में यहां मैं पहली बार आया हुँ, देवनदी की कृपा और जनजातियों का भाव होगा, तभी मैं यहां आया। गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत मंचीय कार्यक्रम में खास बात यह रही कि मंत्री प्रहलाद पटेल और सांसद भारती ने स्वयं का स्वागत ना कराकर, ग्राम के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नागरिकों का स्वयं पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। इस दौरान पूर्व विधायक भगत नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे, भाजपा उपाध्यक्ष आनंद कोछड़, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में मंत्री प्रहलाद पटेल के आयोजित कार्यक्रम को देखते हुए जगह-जगह पर हॉकफोर्स के जवान तैनात रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उद्गम स्थल से जलप्रवाह के लिए ग्रामीणों की सराहना करते हुए कहा कि इस वर्ष 19 नदियों के उद्गम स्थल वह गए है, जिसमें 16 स्थानों पर जल मिला है, जो अच्छी बात है। उन्होंने चौरिया में देवनदी के उद्गम से जल की धारा के मौजूद होने पर ग्रामीणों को सराहना की। कार्यक्रम में पंचायत सरपंच सुगवती उईके की ओर से पति ने 2 प्राथमिक शाला भवन, 2 सोसायटी भवन और दो आंगनबाड़ी भवन और डाबरी से लांजी मार्ग के निर्माण की मांग रखी।

मार्च 2026 तक यह दोनो कार्य पूर्ण हो जाएंगे - प्रहलाद पटेल

मंत्री प्रहलाद पटेल ने डाबरी से लांजी मार्ग के निर्माण और पंचायत में 25 लाख से अनाज भंडार सह सामुदायिक भवन के निर्माण की घोषणा के साथ ही वादा किया कि आगामी मार्च 2026 तक यह दोनो कार्य पूर्ण हो जाएंगे, लेकिन जिस तरह से डाबरी से लांजी का मार्ग दुर्गम, घुमावदार है, उससे नहीं लगता कि वह मार्च 2026 तक पूर्ण हो पाएगा। हालांकि इस 30.60 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण 2018 से विवाद में फंसा रहा। जिस पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पुराने कांट्रेक्ट को टर्मिनेट कर नया टेंडर बुलाया गया है, जिसमें पांच लोगों ने टेंडर भरा है, जिसमें डिसपुट है, उसे कल वह क्लियर कर देंगे। उद्गम स्थल से पानी के सुख जाने के पीछे उन्होंने यहां पौधो की कटाई और बोरिंग को इसका कारण बताते हुए कहा कि नदियों के जल को संरक्षित करने की जिम्मेदारी अकेली केवल सरकार की नहीं बल्कि आम जनता की भी है। उन्होंने बताया कि नर्मदा के 247 जगहो पर सघन वृक्षारोपण किया जाएगा और अब वृक्षारोपण वही होगा, जहां फेसिंग लगी होगी। कार्यक्रम को सांसद ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में डाबरी सरपंच और चौरिया सरपंच ने नेटवर्क, सड़क, बिजली की समस्या रखी।

आधार सेंटर की शिकायत करना एक युवक को पड़ा भारी

आधार सेंटर के संचालक ने शिकायतकर्ता से मारपीट कर अनामिका उंगली को दातों से काट कर किया अलग, पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। परसवाड़ा के एक युवक ने अपने परिजनों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके द्वारा स्कूलों में लगाए जाने वाले आधार सेंटरों को लेकर सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर कार्यालय में शिकायत की गयी थी। जिसके बाद आधार केंद्र संचालित करने वाले एक युवक ने उनके साथ मारपीट कर उनके हाथ की एक अनामिका उंगली को दातों से काटकर कुछ हिस्से को अलग कर अंग भंग कर दिया है। जिसकी उन्होंने परसवाड़ा थाने में शिकायत भी दर्ज की है किंतु पुलिस द्वारा इस मामले में अंग भंग करने की धाराएं नहीं लगाई गई है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि वह इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच करते हुए अंग भंग किए जाने की भी धारा लगाते हुए कार्रवाई की जाए। बता दे कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय शिकायत करने पहुंचे पीड़ित मोहम्मद तौसीफ पिता अब्दुल सत्तार कुरैशी निवासी परसवाडा द्वारा बताया गया की उनके द्वारा अवैध रूप से संचालित तहसील परसवाडा के अंतर्गत सीएससी आधार केंद्रो के खिलाफ कलेक्टर एवं सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गयी थी। जिससे नाराज होकर मोहित डहरवाल निवासी परसवाडा द्वारा 9 मई की रात्रि 8 बजे मारपीट की गयी । जिसमें मोहित द्वारा हाथ की अनामिका उंगली को मारपीट के दौरान दांतो से काटते हुये उंगली के कुछ हिस्से को अलग कर दिया। यह घटना जिलानी मेडिकल परसवाडा के सामने की है, जिसका बीच-बचाव शहरोज आलम के द्वारा किया गया था। इसके बाद उन्होंने इस पूरी घटना की जानकारी परसवाड़ा थाने में दी जिस पर परसवाड़ा पुलिस ने मामला तो कायम किया, किंतु जिन धाराओं के तहत पुलिस को मामला कायम किया जाना था, वह धाराएं नहीं लगी। उनका मानना है कि पुलिस को अंगभंग किए जाने की धारा भी लगानी थी, क्योंकि वह कंप्यूटर ऑपरेटर है और उनके द्वारा उंगलियों से कार्य किया जाता है। अब उनकी उंगली का कुछ हिस्सा अलग हो जाने के कारण वह टाइपिंग नहीं कर पाएंगे। जिससे उनके व्यवसाय पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा और उन्हें पुन: टाइपिंग सीखना पड़ेगा। उनकी मांग है कि इस प्रकार से जो घटना घटी है उस पर पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई करते हुए अंग भंग किए जाने की धारा बढ़ाई जाए। साथ ही पुलिस इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच करें।

पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच की जा रही है - मदन इवने

इस पूरे मामले को लेकर जब हमारे द्वारा परसवाड़ा थाना प्रभारी मदन इवने से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मोहम्मद तौसीफ कुरैशी की शिकायत पर पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं के तहत मामला कायम कर लिया गया है । जो अंग भंग किए जाने की बात तौसीफ द्वारा की जा रही है उसकी भी धारा पुलिस द्वारा लगाई गई है। पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच की जा रही है । उन्होंने यह भी बताया कि दूसरे पक्ष ने मारपीट किए जाने को लेकर थाने में शिकायत की है। मामला अभी विवेचना में है। पुलिस इस पूरे मामले पर गंभीरता से जांच करते हुए कार्रवाई कर रही है ।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का 13 मई को आयोजित धरना स्थगित

एसोसिएशन बोला सरकार कर रही पेंशनर्स का नुकसान, 8 माह के एरियर की घोषणा करने की लगाई गुहार

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला शाखा प्रवक्ता अमर सिंह ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष ओमप्रकाश बुधौलिया, प्रदेश महामंत्री डॉ सुभाष शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से पेंशनर्स को 3 प्रतिशत मंहगाई राहत देने के लिए धन्यवाद दिया है लेकिन साथ ही खेद व्यक्त किया है कि एक जुलाई 2024 से दी जाने वाली मंहगाई राहत 1 मार्च 25 से देकर पेंशनर्स का 8 माह का आर्थिक नुकसान किया है अत: 8 माह के एरियर की सरकार घोषणा करे। सरकार ने नियम बना लिया है कि हर बार पेंशनर्स को मंहगाई राहत की राशि पूरी न देकर उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा और हजारों रुपये बिना डकार लिये हजम कर लिए। अभी तक सरकार पेंशनर्स का लाखों रुपये हजम कर चुकें है जो चिंतनीय है सरकार प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के प्रति असंवेदनशील है यदि सरकार शेष 2 प्रतिशत मंहगाई राहत भी दे देती है तो ये मुद्दा समाप्त हो जाएगा। देश के वर्तमान हालात को देखते हुए संगठन का 13 मई को पचास जिलों और 4 सौ तहसीलों में होने वाला धरना आंदोलन रैली एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है।भारत पाक युद्ध की इस परिस्थिति में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश का हर सदस्य तीनों सेनाओं एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तनमन धन से है।

गणेशपुर के वार्ड नं. 5 एवं 6 में पानी के लिए मची त्राही-त्राही

भीषण गर्मी में पानी की बनी विकट समस्या, नल-जल योजना का नही मिल रहा पानी, ग्रामीणजनों ने ग्राम में पानी टंकी का निर्माण एवं नल-जल योजना का नियमित पानी प्रदाय करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भीषण गर्मी के साथ ही जल संकट भी बढ़ता जा रहा है एवं हेंडपंप, कुएं व टयूबवेल भी जवाब देने लगे है। जल का स्तर नीचे चले जाने के कारण नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है। इसी तरह नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत गणेशपुर के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से नही मिल पा रहा है सप्ताह में 3 से 4 दिन ही मिल रहा है। साथ ही वार्ड नं. 5 एवं 6 के निवासरत लोगों को तो लंबे समय से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है, सिर्फ नल की टोटी घर की शोभा बढ़ रही है। इस तरह से भीषण गर्मी में गणेशपुर के वार्ड नं. 5 एवं 6 में पानी की विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है। ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप से वार्डवासी पानी ला रहे है। जिसके कारण हेंडपंप में भी प्रात: 4 बजे से पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है। जिसके कारण हेंडपंप में दबाव अधिक होने पर दूषित पानी निकल रहा है, जिसे पीने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वहीं नियमित रूप से पानी नही मिलने का कारण गणेशपुर में पानी टंकी का नही होना बताया जा रहा है। वर्तमान में बोरी पंचायत की पानी टंकी से पानी सप्लाई की जाती है जिसके कारण नियमित रूप से पानी नही मिल पा रहा है। वहीं वार्ड नं. 5 एवं 5 में पीएचई विभाग के द्वारा पाइपलाईन सही तरीके से नही बिछाई गई है जिसके कारण उक्त वार्ड में विगत 5 माह से नल-जल योजना का पानी नही पहुंच पा रहा है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है। वहीं ग्रामीणजनों के द्वारा कई बार जिम्मेदारों को नल-जल योजना का पानी नही मिलने की समस्या से अवगत एवं ग्राम में पानी टंकी कर निर्माण करवाने की मांग कर चुके है। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

वार्डवासियों ने राशि जमा कर कुएं का किया है निर्माण, फिर भी बनी है पानी की समस्या

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत गणेशपुर में पीएचई विभाग के द्वारा नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से प्रदाय करने की मंशा से घर-घर नल कनेक्शन किया है। लेकिन पाइपलाईन बिछाने का कार्य सही तरीके से नही होने के कारण वार्ड नं. 5 एवं 6 के निवासरत लोगों को विगत 4 से 5 महीने से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है एवं शेष वार्ड में सप्ताह में 3-4 दिन ही पानी मिलता है वह भी पर्याप्त मात्रा में नही मिल रहा है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में ग्राम में पानी की विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है। वहीं ग्राम गणेशपुर में पानी टंकी नही है, ग्राम बोरी में बनी पानी टंकी का पानी पाइपलाईन के माध्यम से गणेशपुर के ग्रामीणजनों के घरों तक पहुंचता है। लेकिन कई वार्डों में तो नल-जल योजना का पानी नही पहुंच पा रहा है। जिसका मुख्य कारण बताया जा रहा है कि जो पाइपलाईन पूर्व में बिछाई गई है उसे नीचले स्तर से टेल क्षेत्र में लगाया गया है जिसके कारण पानी का फोर्स कम होने के कारण पानी नही पहुंच पाता है। जिसके कारण पानी की विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है। वहीं वार्ड नं. 5 एवं 6 के निवासरत लोगों ने वार्ड में पानी की समस्या को देखते हुए स्वयं राशि जमा कर कुएं का निर्माण करवा रहे है। लेकिन जल स्तर नीचे चले जाने के कारण कुएं में भी पानी नही है। वहीं लंबे समय से ग्रामीणजनों के द्वारा ग्राम में पानी टंकी का निर्माण करवाने एवं पाइपलाईन में जो तकनीकी खराबी है उसमें सुधार करने की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे सभी में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

दूरभाष पर चर्चा में गणेशपुर सरपंच हेमंत कटरे ने बताया कि ग्राम में पानी टंकी नही है, बोरी पंचायत में बनी टंकी से पानी आता है जिसे पाइपलाईन के माध्यम से सप्लाई की जाती है। साथ ही यह भी बताया कि ग्राम में पानी टंकी का निर्माण करवाने की मांग पीएचई विभाग से लंबे समय से कर रहे है लेकिन अब तक निर्माण नही किया गया है। जिसके कारण नियमित रूप से पानी प्रदाय करने में परेशानी हो रही है, पानी टंकी का निर्माण हो जाता है तो पानी की समस्या दुर हो जायेगी।

नहीं मिलता नलजल योजना का पानी - यशवंता

ग्रामीण यशवंता दांदरे ने बताया कि विगत कई वर्षो से हमारे वार्ड में पानी की समस्या बनी हुई है नलजल योजना का पानी भी विगत कई दिनों तक हमें नहीं मिल पाता है जिसकी वजह से हमें अन्य वार्ड के हेडपंप, खेतों में लगी बोरवेल एवं दूर स्थित कुओं से दैनिक उपयोग के लिये पानी लाना पड़ता है जिससे हमें बेहद परेशानी होती है और हमारे वार्ड में एक ही हेडपंप होने की वजह से सुबह से ही उस पर पानी के लिये लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो जाती है कई घंटों तक पानी के लिये हेडपंप के पास खड़ा रहकर अपने नंबर लगने का इंजतार करना पड़ता है एवं सबसे अधिक समस्या इस भीषण गर्मी में देखने को मिलती है जबकि हमारे द्वारा इस संबंध में अनेक बार ग्राम पंचायत व संबंधित विभाग के कर्मचारियों को भी सुचना दी गई है परंतु उनके द्वारा भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है जिससे पानी की समस्या वार्ड में बनी हुई है।

वार्डवासियों ने स्वयं के खर्च से खुदवाया है कुआं - खुशयाल

ग्रामीण खुशयाल कावरे ने बताया कि शासन की नलजल योजना के तहत हमारे गांव में पाइपलाइन बिछाई गई है परंतु पाइपलाइन बिछने के बाद भी कुछ वार्डों में ही पानी अच्छे से आ पाता है तो वहीं कुछ वार्डों में पानी पहुंच ही नही पाता है और हमारे वार्ड में भी पाइपलाइन बिछाई गई है परंतु इस नलजल योजना का पानी हमें नहीं मिल पाता है जिससे हमें अन्य वार्ड में स्थित हेडपंप से अपने उपयोग के लिये पानी लाना पड़ता है। श्री कावरे ने बताया कि हमारे द्वारा अनेक बार प्रशासन से शिकायत के बाद भी जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम सब वार्ड वासियों के द्वारा मिलकर संयुक्त रूप से स्वयं के खर्च से एक सार्वजनिक कुआं खोदा गया है जिसका हम सभी वार्डवासी उपयोग करते है परंतु इस भीषण गर्मी में उसका जलस्तर भी नीचे जा चुका है जिससे पानी की विगत समस्या उत्पन्न हो गई है। प्रशासन से मांग है कि वे जल्द से जल्द हमारे वार्ड तक पानी पहुंचाये जिससे वार्ड में पानी की समस्या का समाधान हो सके।

हेडपंप का जिंकयुक्त पानी पीने है मजबूर - प्रवीण

ग्रामीण प्रवीण बिसेन ने बताया कि शासन के द्वारा हर घर नल हर घर जल पहुंचाने के लिये नलजल योजना के माध्यम से हमारे गांव में भी पाइपलाइन बिछाई गई है परंतु यह पाइपलाइन भी औचित्यहीन नजर आ रही है क्योंकि विगत कई कई महीनों तक हमारे गांव के अनेक वार्डों में पानी नहीं पहुंच पाता है बारिश के दिनों में ही थोड़ा बहुत पानी हमारे घरों तक इस पाइपलाइन के माध्यम से पहुंच पाता है उसके बाद कई महीनों तक पानी नहीं आता है जिससे हमारे वार्ड में पानी की समस्या बनी हुई है और इस भीषण गर्मी में हमारे उपयोग के लिये एवं मवेशियों के लिये पानी की अत्यंत आवश्यकता पड़ती है जिसके लिये हमें भटकना पड़ता है। श्री बिसेन ने बताया कि हमारे वार्ड में दो हेडपंप बने हुये है जहां पर सुबह 4 बजे से पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है और इन हेडपंपों पर भी दबाव अधिक होने के कारण एक समय के बाद जिंकयुक्त पानी निकलने लगाता है जो स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है लेकिन पानी की समस्या के कारण हमें मजबूरी में यह जिंकयुक्त पानी का उपयोग करना पड़ता है। प्रशासन के द्वारा जो पाइपलाइन बिछाई गई है वह सही ढंग से नहीं बिछाई गई है जिसकी वजह से हमारे वार्ड में पानी नहीं पहुंच पा रहा है प्रशासन से मांग है कि वे इस पाइपलाइन का सुधार कार्य करवाकर हमारे वार्ड में पानी पहुंचाये।

कक्षा 10 वीं में हिमांशु भंडारकर का सुयश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर निवासी सुरेंद्र भंडारकर के सुपुत्र हिमांशु भंडारकर ने कक्षा 10 वीं में सत्र 2025 में 500 में से 480 अंक प्राप्त कर 96 प्रतिशत बनाकर अपने स्कूल एजुकेयर पब्लिक स्कूल लालबर्रा एवं अपने माता पिता का नाम रौशन किया है। मानपुर निवासी सुरेंद्र भंडारकर का सुपुत्र बचपन से ही एक होनहार छात्र रहा है और सत्र 2025 में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा में अपनी कड़ी मेहनत से 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण किया है उनकी इस सफलता से शिक्षकों, परिजनों व चित परिचित्तों में हर्ष की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिमांशु के पिता सुरेंद्र भंडारकर ग्राम पंचायत पनबिहरी में पंचायत सचिव व माता श्रीमती ज्योति भंडारकर प्राथमिक शाला पनबिहरी में प्राथमिक शिक्षक के पद पर पदस्थ है, जिनके द्वारा हमेशा ही अपने ब'चे का मार्गदर्शन कर उसे पढ़ाई के लिये प्रेरित किया गया जिसका परिणाम है कि हिमांशु ने कक्षा 10 वीं 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। उनके उज्वल भविष्य की कामना दादा पंढारीराव भंडारकर, दादी मनोरमा भंडारकर, पिता सुरेंद्र भंडारकर, माता श्रीमती ज्योति भंडारकर, चाचा आशीष भंडारकर, मुन्ना भंडारकर सहित अन्य चित परिचितों एवं स्नेहीजनों ने की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 मई 1857 की क्रांति के वीर सपूतों को किया नमन

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 मई 1857 की ऐतिहासिक क्रांति दिवस पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों और देशभक्तों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, जब मां भारती की स्वतंत्रता का बिगुल पहली बार फूंका गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आज उन सभी विभूतियों, सेनानियों और पराक्रमी शूरवीरों को कोटि-कोटि नमन, जिन्होंने मातृभूमि को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 मई 1857 के दिन को भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता की चेतना का जागरण दिवस बताते हुए कहा कि अंग्रेजी शासन की षड्यंत्रकारी नीतियों और राज्य हड़पने की साजिशों के खिलाफ 10 मई 1857 को सशस्त्र क्रांति की ज्वाला धधक उठी थी।

वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव को विस्थापन के लिए होगा सर्वे कार्य

तहसील में विभागीय अधिकारियों की हुई बैठक, वनग्रामों को विस्थापन किये जाने की प्रक्रिया सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय के सभाकक्ष में शुक्रवार को ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आने वाले वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव को विस्थापन किये जाने की प्रक्रिया को लेकर वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक एसडीएम राजीवरंजन पांडे, वन विभाग के प्रभारी एसडीओं बीआर सिरसाम, तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम, रेंजर हर्षित सक्सेना, बीएमओं डॉ. ऋत्विक पटेल सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित बैठक में लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आने वाले वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव जंगल क्षेत्र में स्थित है जहां वन्यप्राणियों की संख्या बढ़ते जा रही है और निवासरत लोगों को उक्त स्थान पर रहने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव को विस्थापन के लिए शासन के द्वारा गाइडलाईन जारी की गई है। जिसकी जानकारी बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों को एसडीएम व वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा दी गई। जिसमें बताया गया कि तीन वन ग्राम को विस्थापन किया जाना है। जिसके लिए सर्वे किया जाना है इसलिए अब वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव ग्राम का सर्वे कर उन्हे राय लेने, विस्थापन होने पर शासन से मिलने वाली राशि की जानकारी देने कहा गया। साथ ही शासन के निर्देशों के परिपालन पर चर्चा भी की गई। वहीं उपस्थित वन विभाग के कर्मचारियों से कहा गया कि जिन ग्राम को विस्थापन किया जाना है उक्त ग्राम में रहने वाले आदिवासियों की आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर जरूरी दस्तावेज तैयार करने सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई और जो परिवार वनग्राम से विस्थापित होगें उन्हे एक परिवार पर शासन से 15 लाख रूपये का मुआवजा दिया जायेगा। इसलिए अब वन विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारियों के द्वारा वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव ग्राम में निवासरत परिवारों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार कर शासन को सौंपी जायेगी। जिसके बाद शासन अपने स्तर पर आगे विस्थापन की कार्यवाही करेगा। इस तरह से टेकाड़ी ला. पंचायत के अंतर्गत आने वाले वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव के विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

विस्थापन होने पर एक परिवार को मिलेगा 15 लाख रूपये का मुआवजा

आपकों बता दें कि दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले वनग्राम सोनेवानी क्षेत्र में वन्य प्राणियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रही है और जंगल का घनत्व बढ़ाने के लिए वन विभाग के द्वारा वृक्षारोपण कर वनों को संरक्षित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में कुछ ग्राम इस क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, जो समाज की मुख्य धारा से दूर वन्य क्षेत्र में निवास करते हैं। जिन्हें वन्य क्षेत्र से बाहर निकालकर शासन उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम करना चाह रही है। जिसके लिए सरकार के द्वारा एक प्रपोजल तैयार किया गया है, जिसमें सर्वप्रथम इस वन्य क्षेत्र में जाकर सर्वे किया जायेगा और इस सर्वे में समस्त ग्रामीणों से विस्थापन के संबंध में राय ली जायेगी यानि की उनकी सहमति ली जायेगी और परिवार की संख्या, सदस्यों की संख्या एकत्रित करने के बाद उनके आवश्यक दस्तावेज उनके पास है या नही उसकी जांच कर समस्त दस्तावेज बनाकर शासन को अग्रिम कार्यवाही के लिए भेजा जायेगा और एक परिवार यूनिट के आधार पर उन्हे शासन से 15 लाख रूपये का मुआवजा दिया जायेगा। उक्त राशि से वनग्राम से विस्थापित होने वाले आदिवासी परिवार के लोग अन्य स्थानों पर विस्थापित होगें और समाज की मुख्य धारा से जुड़कर अपने जीवन को बेहतर बना सकते है। शुक्रवार को तहसील कार्यालय में वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव ग्राम को विस्थापन किये जाने की प्रक्रिया के तहत कौन-कौन से कार्य करना है। उसके संबंध में विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर विचार-विमर्श किया गया है। जिसमें शासन के निर्देशों के परिपालन पर एसडीएम व वन विभाग के प्रभारी एसडीओं श्री सिरसाम ने वन विभाग एवं अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों से वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव ग्राम के विस्थापन के लिए सर्वे कर निवासरत लोगों के समस्त दस्तावेजों की जांच एवं सहमति लिये जाने के निर्देश दिये है और जल्द सर्वे कर रिपोर्ट तैयार कर शासन प्रेषित किया जायेगा।

इनका कहना है-

ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आने वाले वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव ग्राम के ग्रामीणजन पूर्व में उक्त स्थान से विस्थापन किये जाने प्रशासन से मांग किये थे। जिसके बाद शासन से उन्हे उक्त स्थान से विस्थापन किये जाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आदेश प्राप्त हुए है। साथ ही यह भी बताया कि शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक तहसील कार्यालय में एसडीएम की उपस्थिति में संपन्न हुई और विस्थापन के प्रक्रिया शुरू कर वनग्रामों में निवासरत लोगों का सर्वे एवं उनसे राय ली जायेगी कि वे विस्थापित होना चाहते है या नही सहित अन्य जानकारी लेकर शासन को रिपोर्ट भेजा जायेगा। जिसके बाद विस्थापन की अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

हर्षित सक्सेना
रेंजर
दक्षिण सामान्य,वन मंडल
लालबर्रा।

आलोक संघ ने कक्षा 10 वी, 12 वी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय लोधी-लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ ब्लाक यूनिट लालबर्रा के पदाधिकारियों के द्वारा लोकेश लिल्हारे जीएसटी कमिश्नर जबलपुर के मार्गदर्शन में कक्षा 10 वीं, 12 वीं में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए समाज के होनहार छात्र-छात्राओं का शुक्रवार को उनके निवास पहुंचकर उनका सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। चर्चा में आलोक संघ जिला संयोजक डीके लिल्हारे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा गत दिवस कक्षा 10 वीं, 12 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है। जिसमें समाज के छात्र-छात्राओं ने अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर समाज, विद्यालय एवं माता-पिता का नाम रौशन किये है। अखिल भारतीय लोधी-लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ ब्लाक यूनिट लालबर्रा के द्वारा लोकेश लिल्हारे जीएसटी कमिश्नर के मार्गदर्शन में कक्षा 10 वीं, 12 वीं में उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को पुष्पगुछ, मिठाई खिलाकर उन्हे शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री लिल्हारे ने बताया कि कक्षा 10 वीं में आयुषी/हेमराज लिल्हारे जाम

ने 84.20 प्रतिशत अंक प्राप्त की है। इसी तरह मोनिका/धर्मेन्द्र ढांडे

जामटोला ने 89.80 प्रतिशत, कक्षा 12 वीं में शिल्पी/सुनील मुंजारे जाम ने 80 प्रतिशत, नैन्सी/उमाशंकर लिल्हारे जाम ने 93 प्रतिशत, सुरभी/धरम नगपुरे बहेगांव ने 81.80 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण होकर अपने माता-पिता, स्कूल एवं समाज का नाम गौरवांवित किया है। उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करने वालों में आलोक संघ लालबर्रा अध्यक्ष हितेन्द्र दमाहे, जिलाध्यक्ष प्रभु पिछोड़े, जिला संयोजक डीके लिल्हारे, आलोक प्रमोटर रंगलाल लिल्हारे, दीपचंद बिरनवार, पुष्पलता बघेले, नंदकिशोर दशरिये, कीर्ति नगपुरे, वेदप्रकाश नगपुरे, डॉ. भारती दशरिये, धरमलाल नगपुरा, सुरेश लिल्हारे, सुरेश दशरिये, राजेश्वर लिल्हारे, नारायण दमाहे, छोटेलाल बघेले, शंकरलाल बनोटे, जयसिंह नगपुरे, जितेन्द्र कुतराहे, सेवकराम दमाहे, विष्णु अटरे, लक्ष्मी बिरनवार, मधु शिवहरे, सविता दमाहे, द्रोपति नगपुरे, प्रकाश नगपुरे, मीता नगपुरे, जयश्री नगपुरे, बिवन बघेले, श्रवण नगपुरे, रामचंद सिहोरे, महिला फाउण्डेशन आलोक उषा बनोटे, माया लिल्हारे, राधा लिल्हारे, उषा बलोने सहित अन्य पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु शामिल है।

सावंगी के ग्रामीणों में बोर खनन को लेकर आक्रोश व्याप्त

ग्राम पंचायत और पटवारी की आपत्ति के बाद भी एसडीएम कार्यालय ने दी बोर खनन की अनुमति

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सावगी में जल संकट की स्थिति विगत कई दिनो से बनी हुई है। जहां पर ग्रामीणों में पानी के लिये त्राहि त्राहि हो रहे है। 300 फीट से अधिक नीचे जल स्तर जा चुका है जहां पर खेत में आवश्यकता को दर्शाते हुए बोर खनन के लिए आवेदन लगाया गया था। जिसमें मौका निरीक्षण में खाली मैदान और बोर की आवश्यकता नहीं होने पर ग्राम पंचायत सावंगी एवं पटवारी के द्वारा मौका निरीक्षण कर प्रतिवेदन के माध्यम से आपत्ति दर्ज की गई थी। इसके बाद आपत्ति को दरकिनार करते हुए एसडीएम कार्यालय वारासिवनी के द्वारा श्री राम रामचंदानी को बोर खनन की अनुमति दे दी गई। उसमें भी उक्त व्यक्ति के द्वारा एक की जगह तीन बोर खनन किए गए जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा प्रशासन की अनुमति पर प्रश्न चिन्ह लगाया जा रहा है तो वहीं उक्त व्यक्ति पर गलत जानकारी देने के लिए कार्यवाही की मांग की जा रही है।

प्रशासन को भ्रमित कर किया बोर खनन

सावंगी में खेत मालिक श्रीराम रामचंदानी के द्वारा बोर खनन के लिए एसडीएम कार्यालय वारासिवनी में आवेदन दिया गया था कि उनके खेत में रबी की फसल लगी हुई है। जिसमें पानी की नहर ना होने से बहुत जरूरत है तो एसडीएम कार्यालय के द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव ,पटवारी और पीएचई विभाग को मौका स्थल निरीक्षण कर प्रतिवेदन देने के लिए पत्र जारी किया गया था। जिसमें ग्राम पंचायत के सचिव एवं पटवारी के द्वारा मौका निरीक्षण में कोई रबी की फसल उक्त स्थान या उसके आसपास में नहीं पाई गई। जिस पर उनके द्वारा बोर खनन की आवश्यकता नहीं है आपत्ती प्रतिवेदन एसडीएम कार्यालय को दिया गया था। वहीं पीएचई विभाग के द्वारा खेत में सिंचाई के आवेदन पर पेयजल की अनापत्ति एसडीएम कार्यालय को दे दी गई। किंतु आपत्ति को दरकिनार कर एसडीएम कार्यालय के द्वारा बोर खनन की अनुमति दे दी गई। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है कि ग्राम पंचायत सांवगी में वर्ष २००८ की नल जल योजना है जो आज तक प्रारंभ नहीं हो पाई है। जल स्तर बहुत नीचे जा चुका है हर व्यक्ति पानी के लिए परेशान है और ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा आपत्ति को अनदेखा किया जा रहा है। जबकि ग्राम में कई किसान है वह ग्राम की जल समस्या को देखते हुए बोर खनन नहीं कर रहे हैं क्योंकि आगे भीषण जल समस्या पैदा होने वाली है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा प्रशासन से उक्त मामले में गंभीरता से जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है।

एक बोर की अनुमति पर तीन बोर किये गये खनन -लीलाधर पटले

ग्रामीण लीलाधर पटले ने बताया कि यह जमीन श्रीराम रामचंदानी की है यहां पर बोर हुए हैं जिसमें एक पॉइंट उसे छोड़ पर किया गया है। तो दो पॉइंट यहां किए गए हैं जिसमें एक पॉइंट खराब हुआ है इस प्रकार कुल तीन बोर खनन किए गए हैं जिसमें एक बोर खराब हो गया है।

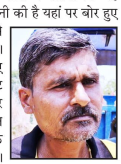

दो से तीन दिन पहले यहां पर बोर खनन करने के लिए मशीन आई हुई थी। मशीन किसकी थी पता नहीं परंतु ७ मई को यह बोर खनन हुआ है दिन के समय हमें इसकी जानकारी इसलिए है कि यहां पर मशीन खड़ी हुई थी हम अपना काम कर रहे थे।

जल संकट के दौरान बोर खनन करना गलत है- राजेंद्र ठाकरे

ग्रामीण राजेंद्र ठाकरे ने बताया कि गांव में पानी की बहुत ज्यादा समस्या है जल संकट गहराता जा रहा है। पीने का पानी बड़ी मुश्किल से लोगों को मिल रहा है ऐसी स्थिति में जो बोर खनन करवाते हैं वह गलत है। पंचायत में क्या अनुमति दी इसकी जानकारी नहीं है पर हमारे यहाँ पानी की बहुत बड़ी समस्या है ३०० फीट से भी ज्यादा नीचे जलस्तर जा चुका है। ग्राम में जो नल जल योजना है वह बंद पड़ी हुई है पर्याप्त पानी नहीं है इस प्रकार का नहीं किया जाना चाहिए।

ग्राम पंचायत और पटवारी की आपत्ति के बाद भी प्रशासन ने दी बोर खोदने की अनुमति-धनेंद्र चौहान

सावंगी के उपसरपंच धनेंद्र चौहान ने बताया कि बोर खनन हुआ है इसकी हमें जानकारी तो नहीं है। किंतु पंचायत में कुछ दिन पहले एसडीएम का पत्र आया था उसकी हमें जानकारी मिली थी कि किसी के द्वारा बोर खनन करने की अनुमति मांगी गई है। क्योंकि उनकी धान की फसल खेत में लगी हुई है जांच करने के लिए सचिव और पंचायत के पंचगण गए हुए थे तो उन्हें मौके पर कोई फसल लगी हुई नहीं मिली। पटवारी भी गया था तो उसे भी कोई फसल वहां नहीं मिली। परंतु एसडीएम कार्यालय यह बताया कि कैसे उन्होंने परमिशन दे दी यह तो पूरा गलत है की शासकीय कर्मचारियों के प्रतिवेदन नहीं माने जा रहे हैं। यह जो बोर खनन किया गया है वह पूरी तरह अवैध है वर्तमान में पानी की समस्या हमारे ग्राम से अच्छा कोई नहीं समझ पाएगा। उसके बावजूद इस प्रकार बोर खनन करना या उसकी अनुमति देना बिल्कुल गलत है।

ग्राम पंचायत ने अपनी आपत्ति बोर खनन पर दर्ज करवाई थी- अंकित जायसवाल

पंचायत सचिव अंकित जायसवाल ने बताया कि एसडीएम कार्यालय से हमें पत्र मिला था जिसमें स्थल निरीक्षण के लिए आदेश दिया गया था। आवेदन में उल्लेख था कि रबी की फसल लगी है पानी की जरूरत है जिसमें हमारे द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया तो वहां कोई फसल नहीं पाई गई। इसलिए ग्राम पंचायत ने अपनी आपत्ति बोर खनन पर दर्ज करवाई थी एवं आवेदक के द्वारा गलत जानकारी दी गई कि रबि की फसल लगाए हैं। हमारे द्वारा स्पष्ट लिखा गया था कि बोर खनन की आवश्यकता नहीं है उक्त स्थान पर एक पौधा भी नहीं लगा हुआ है वह केवल खाली मैदान है।

इनका कहना है

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि हमारे द्वारा पेयजल के लिए बोर खनन की अनुमति दी जाती है। सिंचाई के लिए बोर खनन की अनुमति हम नहीं देते हैं और ना ही अनापत्ति देते हैं।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओ पीएचई वारासिवनी

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि आपत्ति के बाद यदि कोई अनुमति दी गई है आवेदक ने गलत जानकारी दी है तो मामले में जानकारी लेकर तत्काल जांच की जाएगी। उसी के आधार पर आगे वैधानिक कार्यवाही करेंगे।

राजीव रंजन पांडे
एसडीएम वारासिवनी

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि एसडीएम कार्यालय के द्वारा आपत्ति के बाद बोर खनन की अनुमति दी गई है। यह जानकारी हमारे संज्ञान में नहीं है मामले में जानकारी लेकर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

मृणाल मीणा
कलेक्टर बालाघाट

मवेशी ले जा रही पिकअप पर पुलिस ने की कार्यवाही

घटना में पिकअप सहित 3 मवेशी जप्त चालक गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम मदनपुर मार्ग पर १० मई को पुलिस के द्वारा मवेशी ले जा रही पिकअप पर कार्यवाही कर पिकअप एवं तीन मवेशियों को जप्त कर वाहन चालक को गिरफ्तार किया गया है। वहीं मामले में विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस सहायक उप निरीक्षक राजेश सनोड़िया के द्वारा पुलिस बल के साथ कस्बा पेट्रोलिंग डियुटी में भ्रमण कर रहा था। जो भ्रमण के दौरान मुखबीर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मदनपुर रोड़ की ओर से एक पीकप वाहन में मवेशी को क्रूरतापूर्वक भरकर महाराष्ट्र कत्लखाने की ओर ले जा रहे है। इसके बाद घटना की जानकारी थाना प्रभारी को देकर पुलिस मौके पर पहुंची जहां मदनपुर से जाते हुये एक पिकअप वाहन क्रमांक एमपी ५० जेड सी ९३४१ जाता हुआ दिखाई दिया। जिसे रोककर देखे जिसके पीछे डाले के अंदर ३ नग मवेशी कृषक बैलो को क्रूरता पूर्वक भरे हुये थे। उक्त मवेशियों को हिलने डुलने व सांस लेने में परेशानी हो रही थी। इसमें वाहन चालक से पूछताछ की गई चालक ने अपना नाम कृष्णा पिता स्व. रामलाल ठाकुर उम्र २१ वर्ष निवासी मेंढ़की थाना रामपायली जिला बालाघाट का रहना बतलाया। तथा पीकअप में भरे ३ नग मवेशी २ काले बैल एवं १ लाल बैल जो लालबर्रा से लेकर कत्लखाने महाराष्ट्र की ओर ले जाना बताया। जिससे उक्त मवेशी की खरीदी के सबंध में रसीद पूछा गया जिनके पास कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। तत्पश्चात पशु तस्कर वाहन चालक कृष्णा ठाकुर पिता स्व. रामलाल ठाकुर उम्र २१ वर्ष निवासी मेंढ़की आरोपी के कब्जे से एक सफेद रंग की पिकप वाहन क्रमांक एमपी ५० जेड सी ९३४१ को विधिवत जप्त कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर जप्त मवेशी व जप्त वाहन व गिरफ्तार आरोपी को थाने में लाकर मवेशियो को रख रखाव के संसाधनो का अभाव होने से सभी ३ नग जप्त बैलो को गौ शाला चंदोरी वारासिवनी में सुपुर्द कर दिया गया गया। वहीं मामले में गौ वंश प्रतिषेध अधिनियम २००४ की धारा ४,६,९ म.प्र.कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा ४,६ एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा ११ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया है।

नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

१३७ प्रकरणों में २०५७७५५ रूपये वसूल किये गए

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन मेंशनिवार को तहसील न्यायालय वारासिवनी में श्रीमती कविता इवनाती विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति के नेतृत्व में वर्ष २०२५ की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ व्यवहार न्यायालय वारासिवनी के समस्त न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं अन्य कर्मचारीगण साथ ही पक्षकारों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान श्रीमती कविता इवनाती के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में, व्यवहार न्यायालय में कुल ५ खण्डपीठों का गठन किया गया। गठित खण्डपीठ जिसमें खण्डपीठ क्रमांक १४ के पीठासीन अधिकारी प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमलेश मीणा की खण्डपीठ से विद्युत अधिनियम से संबंधित विशेष प्रकरणों में २ मामलों का निराकरण किया जाकर ८९३३९ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई । एवं हिन्दू विवाह से संबंधित २ मामलों का निराकरण किया गया, एवं आपराधिक अपील से संबंधित १ मामलों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल ५ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल ८९३३९ रूपये के अवार्ड पारित किये गए। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता निलेश मिश्रा उपस्थित रहे। खण्डपीठ क्रमांक १५ के पीठासीन अधिकारी श्री कृष्णा डागलिया की खण्डपीठ से चेक बाउंस के प्रकरणों में ४ प्रकरण का निराकरण किया जाकर ६१४३३९ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। आपराधिक शमनीय प्रकरणों के ६ मामलों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल १० मामलों का निराकरण किया जाकर ६ १४३३९ रूपये समझौता राशि के रूप में प्राप्त किये गए। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता उमेश मेश्राम उपस्थित रहे। खण्डपीठ क्रमांक १६ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषभ सिंह डॉनल की खण्डपीठ में आपराधिक शमनीय प्रकृति के प्रकरणों में ७ प्रकरण निराकृत हुये एवं चेक बाउंस के प्रकरणों में ३ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल १० प्रकरणों का निराकरण किया गया। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता सचिन बंसोड़ उपस्थित रहे। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक १७ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री नेहा बाथरी के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति का १ प्रकरण निराकृत किये गए एवं अन्य सिविल सूट बी का १ प्रकरण निराकृत हुआ एवं धारा १२५ के ८ मामले निराकृत हुए। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल १० प्रकरणों का निराकरण किया गया। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता पारूल शर्मा उपस्थित रही। खण्डपीठ क्रमांक १८ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांश यादव के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के ५ प्रकरणों का निराकरण किया गया, एवं अन्य सिविल प्रकृति के १ प्रकरण का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल ६ प्रकरणों का निराकरण किया गया। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता सुरेन्द्र वाघाड़े उपस्थित रहे। कुल खण्डपीठों में कुल ४१ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ७०३६७८ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार प्री लिटिगेशन के प्रकरणों में बैंक के ऋण संबंधी ९ मामलों का निराकरण किया जाकर ५२०००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। प्रिलिटिगेशन प्रकरण में विद्युत अधिनियम के रखे गए ११० प्रकरणों में प्रकरण निराकृत हुये एवं, कुल १३३९९२६ रूपये की समझौता राशि की वसूली की गई। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में नगर पालिका के द्वारा जलकर के ७ प्रकरणों में ११४९९ रूपये एवं सम्पत्तिकर एवं नजूल के ११ प्रकरणों में १८६३३० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार नगर पालिका से कुल १८ प्रकरणों में १९७८२९ रूपये लोक अदालत के माध्यम से वसूल किये गए। इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल १३७ प्रकरणों में २०५७७५५ रूपये वसूल किये गए।

खैरलांजी सांदीपनि शासकीय विद्यालय बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम रहा सराहनीय

बारहवीं में सानिया दशहरे ने पाया जिले की टॉप टेन में द्वितीय स्थान

खैरलांजी/ वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी का बोर्ड परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी सराहनीय रहा। इस संबंध में शाला के प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार सहारे ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षार १०वीं का परीक्षा परिणाम ९३ प्रतिशत रहा। तो विषयवार कक्षा बारहवीं गणित का ९७ प्रतिशत,बायोलॉजी का ७१ प्रतिशत और आर्ट का ६३ प्रतिशत रहा है। जिले की कक्षा बारहवी की टॉप टेन की सूची में शाला की छात्रा सानिया पिता प्रशांत दशहरे ने कुल ५०० अंक में ४७४ अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कक्षा बारहवीं कला संकाय से ९४.८ प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्था एवं माता पिता का नाम रौशन किया है। सभी के प्रयास रहेंगे कि भविष्य में संस्था के बच्चें राज्य स्तरीय सूची में अपना स्थान बनाए। इसी प्रकार कक्षा बारहवीं में जयश्री लिल्हारे गणित संकाय ने ९२.६ प्रतिशत,प्रेरणा सुलाखे गणित संकाय ने ९१.४ प्रतिशत एवं सुजल बिसेन गणित संकाय ने ९०.२ प्रतिशत , वहीं कक्षा दसवीं में ज्योति मस्करे ने ९४.६ प्रतिशत,अदीप्ति नगपुरे ने ९३.४ प्रतिशत, त्रिवेणी बिसेन ने ९३.२ प्रतिशत, सायली साखरे ने ९२.६ प्रतिशत, प्राची बिसेन ९२ प्रतिशत, कनक भगत ने ९१ प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्था को गौरवान्वित किया है। इस दौरान संस्था के प्राचार्य शैलेन्द्र सहारे, परीक्षा प्रभारी श्रीमती डी मर्सकोले, के के डोंगरे एवं समस्त स्टाफ ने छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की है।

मां धरती पर विधाता की प्रतिनिधि यानी देवतुल्य है

'मदर्स डे' या मातृ दिवस एक ऐसा महत्वपूर्ण एवं संवेदनात्मक दिन है जो हमें अपनी माताओं के प्यार और बलिदान के लिए धन्यवाद देने और उन्हें सम्मान देने का अवसर देता है। जननी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का तथा मातृशक्ति की अभिवंदना का यह एक स्वर्णिम अवसर है। माँ की महिमा को उजागर करने का ऐतिहासिक दिन है। सेवा और समर्पण की साक्षात् प्रतिमूर्ति मातृ-शक्ति ने केवल अपनी संतान को ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशाएँ दी हैं। अपने त्याग और बलिदान से परिवार, समाज और राष्ट्र की अस्मिता को बचाने का हर संभव प्रयत्न किया है। यहाँ तक कि परिवार संस्था की आधारभित्ति भी मातृ-शक्ति के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है। माँ एक चलता-फिरता चमत्कार है। माँ के प्रभाव से अधिक शक्तिशाली कोई प्रभाव नहीं है।

मातृ दिवस मनाने की अनेक विचारधाराएं एवं मान्यताएं हैं। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। 16वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। इस दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने 8 मई, 1914 को लिया। कुछ लोगों का मानना है कि मदर्स डे कि शुरूआत एक अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस से होती है। एना जार्विस को अपनी माँ से खास लगाव था। माँ के गुजर जाने के बाद एना ने माँ से प्यार जताने के लिए मदर्स डे की शुरूआत की। तब से हर साल मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड लेती है। एक मां का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक मां के बिना ये दुनियां अधूरी है। मदर्स डे सामान्य रूप से माताओं, मातृत्व और मातृ संबंधों को मान्यता देता है, साथ ही उनके परिवारों और समाज में उनके सकारात्मक योगदान को भी दर्शाता है। मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है। एक माँ शक्ति और गरिमा से सुसज्जित होती है, भविष्य के बारे में बिना किसी डर के हँसती है। प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो मेरे जीवन का एकमात्र ऐसा दिन था जब मैं रो रहा था और मेरी मां के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी।' एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।'भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि माना गया है। मां को देवतुल्य माना गया है। इसीलिये 'मातृ देवो भव:' यह सूक्त भारतीय संस्कृति का परिचय-पत्र है। ऋषि-महर्षियों की तप: पूत साधना से अभिसिंचित इस धरती के जर्रे-जर्रे में गुरु, अतिथि आदि की तरह माँ भी देवरूप में प्रतिष्ठित रही है।

पाकिस्तान को अपने नागरिकों के हित में अपनी भारत विरोधी नीति को छोड़ना ही होगा

पाकिस्तान के जन्म के साथ ही वहां के राष्ट्रीय दलों एवं नेताओं ने भारत विरोध को अपनी अधिकारिक नीति बना लिया था। पाकिस्तान के आर्थिक विकास पर ध्यान नहीं देते हुए, किसी भी प्रकार भारत के हितों को क्षति पहुंचाई जाए, इस बात पर अधिक ध्यान दिया गया। भारत को हानि पहुंचाने के उद्देश्य से पाकिस्तान द्वारा कई आतंकवादी संगठन खड़े किए जाते रहे एवं इन संगठनों के आतंकवादी सदस्यों को भारत भेजा जाता रहा। भारत, हालांकि पाकिस्तान द्वारा भारत में भेजे गए इन आतंकवादीयों को मौत के घाट उतारने में लगातार सफल होता रहा, परंतु, कुछ अवसरों पर इन आतंकवादीयों को भी भारत में अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने में सफलता हासिल होती रही। वैश्विक मंचों पर भी पाकिस्तान भारत पर निराधार आरोप लगाकर भारत को बदनाम करने के लगातार प्रयास करता रहा है। भारत के इस अंधे विरोध के चलते पाकिस्तान की आर्थिक प्रगति पूर्णतः बाधित हुई है। भारत और पाकिस्तान वर्ष 1947 में एक साथ राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करते हुए आगे बढ़े थे। परंतु, आज पूरे विश्व में भारत एक महाशक्ति बन गया है जबकि पाकिस्तान लगातार केवल आतंकवादी संगठनों की स्थापना करते हुए आज विश्व में आतंकवादी पैदा करने की सबसे बड़ी फैक्टरी बन गया है तथा आर्थिक प्रगति के मामले में तो एकदम पिछड़ गया है।

आज भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.19 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है जबकि पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पाद केवल 37,900 करोड़ रुपए का ही है। भारत में प्रति व्यक्ति आय 11,110 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति आय 6,720 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है, अर्थात भारत की तुलना में लगभग आधी, जबकि भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है तो वहीं पाकिस्तान की जनसंख्या केवल लगभग 25 करोड़ ही है। इसी प्रकार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जो कि संभवतः इस वर्ष एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर को भी पार कर सकता है। वहीं, पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 1,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही है। पाकिस्तान पूरे विश्व में विभिन्न वित्तीय संस्थानों एवं देशों से सबसे अधिक बार ऋण लाने वाले एवं आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले देशों की सूची में प्रथम स्थान पर काबिज है। अभी भी, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मोनेटरी फंड से 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लेने का प्रयास कर रहा है। जबकि भारत अन्य देशों को ऋण प्रदान करने की स्थिति में पहुंच गया है।

वित्तीय वर्ष 2022 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2023 में 7.6 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2024 में 9.2 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025 में 6.5 प्रतिशत की रही है। इसके विपरीत पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2022 में 6.2 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2023 में ऋणात्मक 0.2 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2024 में 2.5 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025 में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। जबकि, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद के आकार का 11 गुणा से भी अधिक है। भारत के बड़े आकार के सकल घरेलू उत्पाद पर वृद्धि दर भी अधिक है और पाकिस्तान के छोटे आकार के सकल घरेलू उत्पाद पर वृद्धि दर भी कम है। इससे तो भविष्य में पाकिस्तान, भारत की तुलना में और अधिक पिछड़ता जाएगा।

भारत में केंद्र सरकार का वित्तीय बजट प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहता है जबकि पाकिस्तान का वित्तीय बजट केवल 5.65 लाख करोड़ भारतीय रुपए (पाकिस्तानी रुपए में 18.9 लाख करोड़

रुपए) का ही रहता है। भारत का वार्षिक वित्तीय बजट पाकिस्तान के वार्षिक वित्तीय बजट से लगभग 10 गुणा है। पाकिस्तान के वार्षिक बजट के आकार से अधिक आकार का बजट तो भारत में अकेले उत्तर प्रदेश राज्य का ही है। भारत में केंद्र सरकार के उपक्रम एवं अन्य उपक्रम केंद्र सरकार को लाखों करोड़ रुपए की राशि डिवीडेंड के रूप में उपलब्ध करा रहे हैं। इस वर्ष, अकेले भारतीय रिजर्व बैंक ही 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराने जा रहा है। अकेले वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण ही लगभग 2.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारत में अप्रेल 2025 माह में 2.37 लाख करोड़ रुपए का वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण हुआ है।

रक्षा के क्षेत्र में भी भारत आज पूरे विश्व में एक सक्षम एवं अनुशासित महाशक्ति बन चुका है। अत: पाकिस्तान को भारत से लड़ाई करने का विचार ही अपने मन से निकाल देना चाहिए, इसी में पाकिस्तान के आम नागरिकों की भी भलाई है। कुछ समाचारों के अनुसार, दिनांक 8 मई 2025 की रात्रि में पाकिस्तान ने लगभग 200 मिसाईल एवं ड्रोन भारत के विभिन्न शहरों पर दागे थे, परंतु इनमें से शायद एक भी ड्रोन पाकिस्तान द्वारा तय किए गए अपने ठिकाने पर नहीं पहुंच सका और भारतीय सेना ने इन मिसाईल एवं ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। जबकि, भारत ने जितने भी मिसाईल एवं ड्रोन पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के अड्डों पर दागे, इन लगभग सभी ने ही अपने निशाने पर सटीक रूप से पहुंच कर उन ठिकानों को तबाह किया है। अत: पाकिस्तान के नागरिकों को भी अब इस बात पर विचार करना चाहिए कि पड़ौसियों के साथ मित्रवत होकर रहने में ही दोनों देशों की भलाई है। पाकिस्तान यदि भारत से युद्ध करेगा तो उसे निश्चित ही मुंह की खानी पड़ेगी, जैसा कि अभी की परिस्थितियों की बीच होता हुआ दिखाई भी दे रहा है।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों ने पाकिस्तान को भारत के साथ युद्ध से बचने की सलाह दी है क्योंकि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहिले से ही जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है एवं पाकिस्तान पर आज कर्ज का भारी भरकम बोझ इतना अधिक है कि भारत के साथ युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान एक हफ्ता भर भी भारत के सामने युद्ध में नहीं टिक पाएगा। वैश्विक आर्थिक आंकड़ों के अनुसार, दिसम्बर 2024 माह तक पाकिस्तान पर 13,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बाहरी संस्थानों एवं अन्य देशों का ऋण है। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान सरकार को अपने बजट में रक्षा खर्च को 18 प्रतिशत बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए के स्तर पर लाना पड़ा है। यह निश्चित ही पाकिस्तानी नागरिकों के साथ अन्याय है क्योंकि अन्यथा यह भारी भरकम राशि उनके जीवन स्तर को सुधारने पर खर्च की जा सकती थी। हाल ही में पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध छेड़े गए युद्ध के बाद भारत ने 23 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ कई निर्णय लिए हैं, जिनमें सिंधु जल संधि को निलम्बित करना, अटारी बॉर्डर को बंद करना, राजनयिक संबंधों को कम करना, पाकिस्तानी विमानों को भारतीय सीमा के ऊपर उड़ने की अनुमति रद्द करना एवं तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले व्यापार समेत पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार का व्यापार निलंबित करना आदि कदम शामिल है। इन सभी निर्णयों का प्रभाव निश्चित ही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को और अधिक विपरीत रूप से प्रभावित करेगा एवं पाकिस्तान के नागरिकों के लिए और अधिक समस्याएं खड़ी करेगा।

भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों के अनुयाई नागरिक सामान्यत: अत्यधिक शांतिपूर्ण तरीके से रहते आए हैं। भारत के अति प्राचीन काल के इतिहास से लेकर आज तक इस तरह की घटनाओं का वर्णन बिलकुल नहीं मिलता है कि भारत ने कभी भी विस्तरवादी नीति के तहत किसी अन्य राष्ट्र पर आक्रमण किया हो। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान ने अपने जन्म से ही आक्रामक नीति अपनाते हुए भारत विरोध को अपनी राष्ट्रीय नीति के रूप में चुना इससे पाकिस्तान के राजनैतिक दलों एवं नेताओं ने पाकिस्तान के आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करने के बजाय भारत को परेशान करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक आतंकवादी पैदा करने की नीति का अनुसरण किया। परंतु, आज समय आ गया है कि पाकिस्तानी नागरिकों को जागरूक होकर वहां के राजनैतिक दलों एवं नेताओं पर दबाव बनाना चाहिए ताकि वे उनके हितों को ध्यान में रखते हुए देश की आर्थिक प्रगति की ओर विशेष ध्यान दें। जिससे, पाकिस्तान के आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार कर उसे ऊपर लाया जा सके।

- प्रहलाद सबनानी

भारतीय परमाणु परीक्षण पोखरण 2 की सफलता डॉ भाभा की देन

भारत में महान परमाणु वैज्ञानिक डा भाभा की योजना को साकार करने की दिशा में पहला कदम था अप्सरा अनुसंधान रिएक्टर का निर्माण जिसे भारत व यूनाइटेड किंगडम की सहायता से सन 1956 में अप्सरा रिएक्टर क्रांतिक यानी चालु हो गया व यूनाइटेड किंगडम द्वारा आवश्यक ईंधन यूरेनियम की आपूर्ति की गई यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह स्वमिंग पुल रिएक्टर है जिसके उपर से सभी नाभिकीय अभिक्रिया दिखाई देता है ।अप्सरा रिएक्टर के पूरा होने से पहले, साइरस रिएक्टर के निर्माण की योजनाएँ तैयार की गईं। कनाडा के सहयोग से भारत के मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सन 1955 में साइरस (CIRUS) रिएक्टर के निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ इसमें ईंधन व भारी पानी की आपूर्ति में यू.एस. की भागीदारी आई। बाद में भारत में ही रिएक्टर के लिए भारी पानी ड्यूटोरियम, फरवरी 1982 में भारी पानी बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा बनाए जाने लगा। रेडियो आइसोटोप विकसित करने के अनुसंधान रिएक्टरों की जरूरत होती है जिसमें विखंडित कृत्रिम तत्व से रेडियो आइसोटोप बनाया जाता हे जिससे गामा या अल्फा किरणें निकलती है , गामा किरणों के प्रभाव से कैंसर के सेल को खत्म किया जाता है व इन किरणों के प्रभाव से फसल की पैदावार को बढ़ना व खाद्य पदार्थों को बहुत दिनों तक सुरक्षित रखना इसके अलावा वेल्डिंग त्रुटि को पहचान हेतु औधौगिक रेडियोग्राफी में बहुतायत में उपयोग किया जाता है जैसे गामा-किरणों के विकिरण में आइसोटोप से उत्सर्जित ऊर्जा कृत्रिम रूप से उत्पादित आइसोटोप का गामा रेडियोग्राफी के क्षेत्र में उपयोग होता हैं। .अल्फा एमिटर आइसोटोप का उपयोग पेसमेकर, सैटेलाइट बैटरी, व स्मोक डिटेक्टर में किया जाता है।पोखरण परमाणु परीक्षण 2 को 11,मई 1998 में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बहुत मेहनत से आयोजित किया गया था। पोखरण 2 का कोड वर्ड (नाम) ऑपरेशन शक्ति था। यह भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण का दूसरा उदाहरण था। पहला परीक्षण, के कोड -का नाम स्माइलिंग बुद्धा मई 1974 में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के द्वारा किया गया एटम बम का परिक्षण किया गया था लेकिन 11मई,1998 को किए गए परमाणु परीक्षण उससे कहीं और ज्यादा शक्तिशाली था व जिसे हाईड्रोजन बम के नाम से भी जाना जाता है।जब एनपीटी की घोषणा 1970 में हुई थी अब तक 187 देशों ने इस पर साइन किए । इस पर साइन करने वाले देश भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं कर सकते हैं। हालांकि, वे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन इसकी निगरानी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (ह्ब्श्न) करती हैं अत: भारत में उस समय स्व इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी उन्होंने देश की रक्षा के लिए परमाणु अस्त्र बनाने की इजाजत दी थी लेकिन अमेरिका के प्रतिबंध लगाने से परीक्षण करने में असमर्थ हो गयीं तब परमाणु वैज्ञानिकों ने अमेरिका को एक ऑफर दिया कि बहुत ही कम लागत में तारापुर में परमाणु बिजली घर लगाकर बिजली पैदा कर अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है क्योंकि परमाणु संयंत्र के बनाने में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को ज्यादा समय नहीं लगेगा इस पर अमेरिका सहमत हो गया और परमाणु बिजली घर के परियोजना को मंजूरी दे दी लेकिन कुछ साल बाद जब उसमें बहुत से यंत्र लगाकर कमिशन करना था तो उसे वैज्ञानिकों के अनुसार रणनीति बनाई गई और जब अमेरिका ने संयंत्र को न चलाने की वजह पुछी तो उन्होंने बताया कि उसे चलाने के लिए नाभिकीय ईंधन की जरूरत है और आपने नाभिकीय ईंधन देने पर बैन लगा दिया है अत: अमेरिका ने संयंत्र को चलाने के लिए भारत के लिए उस प्रतिबंध को हटा दिया व तारापुर परमाणु बिजली घर के लिए युरेनियम 238, जो नाभिकीय ईंधन के काम आता है को प्रदान कराया गया और परमाणु बिजली घर चालू हुआ इसके बाद भुक्तशेष परमाणु ईंधन को जमा किया गया जो पुन: परमाणु ईंधन के लिए उपयुक्त होता है लेकिन उसका (-235) का संवर्धन 20प्रतिशत के आस पास रहता है और इसी ईंधन को परमाणु शस्त्र का पदार्थ मानकर 1974 में पोखरन में परमाणु परीक्षण किया गया लेकिन वो उतना कारगर साबित नहीं हुआ इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने संयंत्र पर कड़ी निगरानी रखी व इसके लिए सैटेलाइट लगा दिया गया लेकिन इस कार्यक्रम को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने इसे आगे बढ़ाने को भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों से कहा, बाद में युरेनियम को और संवर्धित कर परमाणु परीक्षण की योजना बनाई गई।पोखरण परमाणु परीक्षण के लिए हमारे वैज्ञानिकों को तैयारी करने और पूर्वाभ्यास करने के लिए दिन रात जुटे रहें सिर्फ डेढ़ साल का समय मिला था। इस मिशन की गोपनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता थी।सन 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुन: परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी व अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण रोक दिया गया था जब 1998 में स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार आई तो इसका नेतृत्व करते महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि पार्टी रहे या नहीं रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है अत: आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र जरुरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हूं अत: वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अत: भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए व यह काम सैटेलाइट जाने के ठीक ढ़ेड (1.5) घंटे के पहले ही करना होगा बाद में इसकी खबर पाकिस्तान के गुप्तचरों ने अमेरिका को बता दिया और अमेरिका ने सैटेलाइट घुमाने की अवधि करीब आधा घंटा कर दिया इससे पहले पता चलता वैज्ञानिकों ने सेना की वर्दी पहने व आधे घंटे के अंदर ही घास फूस का मचान/छत जैसा तैयार कर निचे घुस कर बहुत ही कठिन परिस्थितियों में गठ्ठा खोदने का काम किया जिसमें परमाणु परीक्षण किया जाता है।भारत जब पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत सफल परमाणु परीक्षण करने की तैयारी कर रहा था, तो इसकी भनक किसी भी दूसरे देश को नहीं थी। यहां तक की परमाणु परीक्षण होने के बाद भी इसकी जानकारी किसी को नहीं लगी थी। भारत की सरकार के लिए उस वक्त से बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए (CIA) भारत की हरकतों पर पल-पल नजर बनाए रखता था। सीआईए ने भारत पर नजर रखने के लिए अरबों खर्च कर 4 सैटेलाइट लगाए थे। 24 सितंबर 1996 को अमेरिका ने परमाणु विकसित देशों से मिलकर एक संधि सीटीबीटी यानी कांप्रेहेन्सिव टेस्ट बैन ट्रीटी नामक एक समझौता लागू किया गया जिसके जरिए परमाणु परीक्षणों करने के लिए प्रतिबंधित लागू किया गया है यह संधि अस्तित्व उस समय अस्तित्व में आई जब भारत परमाणु परीक्षण के लिए पुरी तरह से तैयार हो गया था। 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुन: परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम के अगुआई में इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी मसौदा, अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण इस मिशन को रोक दिया गया था जब 1998 में एनडीए की सरकार आई तो स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने इस मिशन को पुरा करने के लिए वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को प्रोत्साहित किया जो इसका नेतृत्व कर रहे थे डा कलाम साहब को इस मिशन को पुरा करने की पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब परीक्षण करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि मेरी सरकार रहे या ना रहे , पार्टी रहे या नहीं रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है अत: आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र जरुरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हूं अत: वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अत: भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए वैज्ञानिकों ने इसके लिए 11मई,1998 का तारीख तक किया। अत: तय समय के अनुसार भारत ने राजस्थान के पोखरण में 11 मई 1998 को तीन परमाणु परीक्षण किया था जो नाभिकीय विखंडन पर आधारित था उसके बाद 13 मई,1998 को दो और परमाणु परीक्षण कर डाले इसमें एक नाभिकीय संलयन पर आधारित डिवाईस थे एक अनुमान के अनुसार जो उस समय डेटा के आधार पर बी ए आर सी(पऊवि).व डीआरडीओ ने हासिल किए थे वैज्ञानिकों ने उस समय जो डाटा लिए थ।

- योगेश कुमार गोयल

वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है।

मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं।

मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत् पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

थम गई जंग.. ट्रंप ने शुरू करवा दी जुबानी

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जंग थम गई। दोनों देश 12 मई को फिर बात करेंगे। जंग थम जाने से आम नागरिकों ने राहत की सांस ली है। इसके साथ ही जिस तरह से भारत की सेना ने पाकिस्तान को सबक सिखाया उससे हिन्दुस्तानियों का सीना गर्व से चोड़ा हो गया है। लेकिन अचानक से जंग थम जाने की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया। खासकर इसलिए भी कि जंग थमने का ऐलान करते हुए इसका क्रेडिट अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप ने लेने की कोशिश की। किसी को कुछ अंदाजा न था बल्कि सभी ये लग रहा था कि जंग और कुछ दिन चलेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हो गई। शनिवार शाम नाटकीय अंदाज में इसका ऐलान हुआ। भारत और पाक के बीच चल रही मिसाइस वार थम गई। दोनों देश शनिवार शाम पांच बजे से एक दूसरे पर वार-पलटवार न करने पर राजी हो गए। विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दोनों देश आपस में बातचीत के बाद इस पर सहमत हुए। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने शाम तीन बजकर 35 मिनट पर भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात की और फिर संघर्ष विराम पर बात बनी। हालांकि, दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की खबर ट्रंप ने यह कहते हुए ब्रेक की कि अमेरिका ने मध्यस्थता कर इसे करवाया है। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी जंग में भारत उसे मुंह तोड़ जवाब दे रहा था। अचानक शनिवार की शाम 5 बजकर 33 मिनट पर एक एक्स पोस्ट आता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस ट्वीट में भारत और पाकिस्तान के युद्ध विराम पर सहमत हो जाने की ऐलान किया। ट्वीट में उन्होंने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ने पूरी तरह से और तत्काल युद्धविराम पर राजी हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमन सेंस और समझदारी के लिए बधाई देता हूं। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। इसके 4 मिनट बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो का बयान आता है। वह लिखते हैं कि पिछले 48 घंटे से वह और उप राष्ट्रपति जेडी वेन्स पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ समेत भारत और पाकिस्तान टॉप नेताओं के संपर्क में थे। मुझे खुशी है कि भारत और पाकिस्तान सीजफायर पर राजी हो गए हैं। इसके ठीक एक मिनट बाद इशाक डार का पोस्ट आता है। वह भारत और पाकिस्तान के बीच तुरंत प्रभाव से युद्ध विराम की पुष्टि करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है। शाम को पांच बजकर 54 मिनट पर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच शाम पांच बजे से सीजफायर का ऐलान किया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक ने 3 बजकर 35 मिनट पर भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात की और दोनों पक्षों में शाम 5 बजे से पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमति बनी। शाम 6 बजकर 7 मिनट पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक ट्वीट किया जिसमें कहा गया कि सीजफायर पर सहमति पूरी तरह से द्विपक्षीय है। यानी अमेरिका बीच में नहीं था। विदेश सचिव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई उस बात को दोहराया गया कि भारत और पाकिस्तान मिलकर सीजफायर पर सहमत हुए। भारत ने एक तरह से अमेरिका के उस दावे को खारिज किया कि उसने मध्यस्थता कर दोनों देशों के बीच सीजफायर रुकवाया है। बहरहाल, दूसरी तरफ जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जंग रूकवाने का श्रेय लेने की कोशिश की उससे राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कौन होते हैं ये खबर देने वाले।

पाकिस्तानी नेता और सेना के अधिकारियों के अरबों रूपया विदेशों में ट्रान्सफर

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों ने अपना पैसा दुबई भेजना शुरू कर दिया है। पिछले तीन-चार दिनों के अंदर बड़े-बड़े फौजी अफसरों ने करोड़ों रुपए की रकम दुबई के बैंकों में ट्रांसफर की है। स्टेट बैंक ऑफ़ पाकिस्तान ने फॉरेन ट्रांजैक्शन को चेक किया, तो बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों द्वारा अरबों रूपया कई देशों में ट्रांसफर किया गया है। स्टेट बैंक पाकिस्तान ने सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों को विदेश पैसा भेजने के मामले में जानकारी मांगी है। पिछले चार दिनों मे पाकिस्तान से अरबों रुपया दुबई, अमरीका, कनाडा और ब्रिटेन में ट्रांसफर किया गया है। इस रकम को रियल स्टेट में बड़ी मात्रा में निवेश किया गया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तेजी से कमजोर हो रही है। पाकिस्तान इस समय जिस गहरे आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। वह अकेले वित्तीय कुप्रबंधन का परिणाम नहीं है। पाकिस्तान में दशकों से कट्टरवाद, भ्रष्टाचार और सैन्य वर्चस्व के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बद से बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान का कर्ज 80 हजार अरब रुपये के पार पहुंच गया है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है। विदेशी मुद्रा भंडार न्यूनतम स्तर पर है। पाकिस्तान की आम जनता को रोटी-दूध जैसे जरूरी सामान के लिए संघर्ष कर रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, कि पाकिस्तान अभी भी अपनी नीतियों में बदलाव करते हुये नहीं दिख रहा। उलटे भारत से लड़ने के लिए तैयार है। पाकिस्तान की वर्तमान अर्थव्यवस्था इस बात का संकेत है। युद्ध होने से पाकिस्तान को आंतरिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा।

सनत जैन

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। मॉंग की मजबूती से शनिवार को दलहनों में चना व मसूर बाजार तेजी के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4300 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में बादाम गिरी में सुधार रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में चने में लेवाली से बाजार उछाल पर रहे। मसूर में बाजार सुर्खी के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4300 रू. प्रति क्विटल पर सुस्त रहा। उधर, किराना जिंसों में बादाम गिरी में पूछपरख से बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4200, खोपरा गोला 210-245, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारी?क 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1050-1200, क्लीन 1220-1330, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 820-835, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2850-2900, (200) 3250-3300, (250) 3250-3300

तेल- सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तेलिया 2130, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1220-1225, धूलिया 1225, कड़ी 1225,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1325, मुम्बई पाम 1220, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6500, रायडा 5600-5800, सोयाबीन 4250-4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6150-6200, एवरेज 5100-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6600-6650, एवरेज 6400-6450, मूंग देशी 7800-7900, पाला 8000-8100, चमकी 8100-8200, नायलोन 8200-8300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। चॉंदी बाजार मामूली सुधार पर रहे। सोने में सुस्ती आयी। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 97500, चाँदी (99) 97400, टंच 96800, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 98100,

वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी बैंकों का रिकॉर्ड मुनाफा

नई दिल्ली। सभी 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2024-25 में एक नया इतिहास रचा है, जहां उन्होंने गणन रिकॉर्ड 1.79 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। इस उच्च लाभ कारण से बैंकों का शुद्ध मुनाफा बढ़ता जा रहा है, जिससे मुनाफे में वृद्धि और बेहतर मार्जिन दर्शनीय है। यह मुद्दा मुख्य रूप से सरकारी बैंकों के एनपीए (अति कर्ज) को कम करने में मदद कर रहा है। सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली बैंक में से एक एसबीआई है, जिन्होंने अकेले 70,901 करोड़ रुपये का हिस्सेदारी लिया है। बैंक ऑफ बड़ौदा 19,581 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

मेष- आज का दिन आपके लिए जल्दबाजी में कोई काम करने से बचने के लिए रहेगा। आपको संतान पक्ष की ओर से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। व्यापार कर रहे लोग अपने व्यापार को विदेशों तक फैलाने की कोशिश करेंगे। नौकरीपेशा जातकों के ऊपर उच्च अधिकारियों की कृपा बनी रहेगी। वाणी की सौम्यता आपको बनाए रखनी होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी मन की इच्छा की पूर्ति के लिए रहेगा। आप अपने कामों को लेकर भागदौड़ अधिक करेंगे। आप किसी काम को लेकर योजना बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा और आप बेवजह के कामों को लेकर क्रोध न करें। आपके कामों में यदि रुकावट आ रही थी, तो वह आपकी मेहनत से दूर होती दिख रही है। आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही रही थी, तो वह भी दूर होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो प्रयास करेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेंगे। काम को लेकर यदि आपको कुछ समस्याएं आ रही थी, तब वह भी दूर होंगी। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी की और आपको अपने काम के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को कुछ बड़े नेताओं से मिलने का मौका मिलेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। भाई-बहनों को आपका पूरा सहयोग मिलेगा। आप यदि कोई निवेश करेंगे, तो उसमें आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको अपने आप पड़ोस में हो रहे हैं वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। किसी कानूनी मामले में आपको सफलता मिलेगी, लेकिन आपका धन खर्च अधिक करना होगा। आपके कुछ नए विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको प्रतिस्पर्धा मिलेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखनी होगी। आपको किसी के कहने में आकर कोई निवेश करने से बचना होगा। लॉटरी आदि में निवेश कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी कोई बात को लेकर जीवनसाथी से बहसबाजी होने की संभावना है। आप अपने कामों को पूरा करने में एड़ी चोटी का जोर लगाएंगे।

कन्या- नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप अपने विरोधियों से सावधान रहें और कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है, वह उनके लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट भी लेकर आ सकते हैं। आप अपने व्यवसाय के कामों में कोई बदलाव करेंगे, तो वह आपसे नाराज हो सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए एक के बाद एक खुशखबरी लेकर आने वाला है। कारोबार में यदि कोई डील लंबे समय से लटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। आपकी कोई बात माताजी को बुरी लग सकती है। आपको अपने किसी दूर रहे परिजन से लंबे समय बाद मुलाकात कर सकती हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आपको काम को लेकर कोई लोन आदि लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। आपकी अपने पिताजी से किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती है और आपकी संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए कला और कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपको उम्मीद से ज्यादा धन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको जीवनसाथी का स्वास्थ्य का प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है। संतान को किसी नए कोर्स में आप दाखिला दिला सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए शुभ-सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। नौकरीपेशा जातक अपनी क्रिएटिविटी से लोगों को हैरान करेंगे। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा, नहीं तो वह नाराज हो सकती है। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। विद्यार्थियों का मन इधर-उधर के कामों में ज्यादा लगेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी की बातों पर भरोसा ना करें। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आप यदि किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें अपने कीमती स्थान की सुरक्षा अवश्य करें। आपको किसी से धन उधार लेने से बचना होगा, नहीं तो आपको उसे उतारने में समस्या हो सकती है। निजी कामों में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है और आपको कार्यक्षेत्र में किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक है। कारोबार में आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है, क्योंकि आपकी योजनाएं आपको बेहतर लाभ देगी। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं और रोमनी दिन व्यतीत करेंगे। आपको यदि काम को लेकर कोई समस्या थी, तो वह आपके किसी मित्र की मदद से दूर हो सकती हैं।

शब्दजाल - 7895

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान.

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्दजाल - 7894 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दो	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	व	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6839

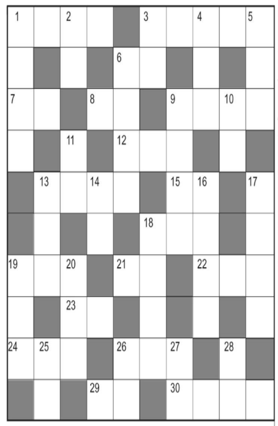

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 6838

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	रा	■
र	■	ड़ो	■	क्ष	त्रि	य	■	जा	ल
वाँ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	म्हे
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	रा	स	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8363

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब (अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8362 का हल

झ	न्डा	■	ते	■	प	■	श	क
र	■	दा	ल	■	री	ता	■	ल
ना	खु	दा	■	पा	■	रा	इ	मा
■	श	■	अ	ला	वा	■	न्द्र	■
ब	ग	दा	द	■	स	म	ध	न
■	बा	■	द	ल	ना	■	तु	■
ग	र	म	■	क्ष	■	ऋ	ष	भ
र	■	स्त	र	■	कृ	षि	■	ला
ल	ब	■	क्षा	■	मि	■	ता	ई

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.38 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	07.36 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.49 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.05 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.17 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.28 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.43 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.59 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.04 बजे से
		कुंभ	00.50 बजे से
		मीन	02.23 बजे से
		मेष	03.54 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 131 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 20.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती अहोरात्र। **योग** व्यतीपात 05.01 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** गर 06.47 बजे तदनन्तर वणिज 20.02 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 53' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872341 **जूलियन दिन** 2460806.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 12 **विशेष** नरसिम्हा जयंती, छिन्नमस्ता जयंती, मातृ दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दो होशियार

क्ले और पिआ मंदिर के अहाते में रहने वाले दो मित्र थे। एक दिन क्ले की मां उससे मिलने आई। उसने जेब खर्च के लिए अपने बेटे को पांच भाट (थाइलैंड की मुद्रा) दिए। क्ले ने बहुत सोचा कि उसे कहां रखा जाए। आखिर उसने उसे जमीन में गाड़ दिए और उस जगह पर निशानी के लिए एक तख्ती लिख कर लगा दी। तख्ती पर लिखा था- यह वह जगह नहीं है जहां पांच भाट गड़े हुए हैं। शाम को काम से निवट कर पिआ उधर सैर करने निकला। उसे तख्ती देखकर आश्चर्य हुआ। उसने जमीन खोदकर पैसे निकाले और उन्हें लेकर चलता बना। लेकिन पिआ भी यह दिखना चाहता था कि उसको भी लिखना आता है, उसने क्ले की तख्ती पर जो लिखा था उसे मिटा कर लिख दिया, पैसे पिआ ने नहीं लिए। कुछ देर सैर करने के बाद क्ले को अपने पैसे की चिंता हुई। वह उस जगह वापस गया जहां पैसे गड़े थे। जमीन खोदी, पर पैसा नदारद था। परेशान क्ले रोता हुआ मंदिर के पुजारी के पास गया उसने सारी बात सुनी और वह तख्ती भी देखी। पुजारी ने पिआ को पकड़ बुलाया और सारा पैसा वसूल कर लिया। इस तरह क्ले और पिआ अपने को होशियार दिखाने के चक्कर में खुद ही मूर्ख बन गए।

सूडोकु नवताल- 7148

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7147 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट रही

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। हालांकि सप्ताह के आखिरी दिन घरेलू शेयर बाजार ने बीच में निचले स्तरों से रिकवरी भी दिखाने की कोशिश की फिर भी बाजार में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार को मजबूती के साथ खुले। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक च?कर खुला और 294.85 रुपये की तेजी के साथ 80,796.84 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 मजबूत शुरुआत के साथ 24,400 के पार खुला और 114.45 अंक की उछाल के साथ 24,461.15 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 13 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,783 पर खुला और 156 अंक गिरकर 80,641 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 3 अंक की बढ़त के साथ 24,467 पर खुला और 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,380 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 110.40 अंक की बढ़त के साथ 80,907.24 पर खुला और 155.77 अंक की गिरावट लेकर 80,641.07 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 39.60 अंक ऊपर 24,500.75 पर खुला और 81.55 अंक गिरकर 24,379.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को ग्लोबल मार्केट से मिले मिले-जुले संकेतों और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला। बीएसई सेंसेक्स 165.56 अंकों की बढ़त के साथ 80,912.34 पर खुला और 411.97 अंक की गिरावट लेकर 80,334.81 पर बंद हुआ। निफ्टी 24,431.50 के स्तर पर खुला और 140.60 अंक गिरकर 24,273.80 पर बंद हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संकट बढ़ने की वजह से भारतीय शेयर बाजार हफ्ते में आखिरी ट्रेडिंग सेशन शुक्रवार को बड़ी गिरावट में खुले। सेंसेक्स शुक्रवार को बड़ी 1300 अंक से अधिक की गिरावट लेकर 78,968.34 पर खुला और 880.34 अंक (1.10 फीसदी) गिरकर 79,454.47 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी ब?ी गिरावट के साथ 23,935.75 अंक पर खुला और 265.80 अंक (1.10 फीसदी) गिरकर 24,008 अंक पर बंद हुआ।

भारत-पाक साइबर तनावः वित्त मंत्री ने दी सुरक्षा को प्राथमिकता

नई दिल्ली । भारत-पाक के बीच तनाव बढ़ाने के बदलते माहौल में भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। हाल ही में उन्होंने बैंकों, बीमा कंपनियों और रेगुलेटर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। इस बैठक में वित्त मंत्री ने साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर सख्त निर्देश दिए और बैंकों से अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा मजबूत करने का आदेश दिया। उन्होंने डेटा सेंटरों का नियमित ऑडिट कराने की भी पुष्टि की। इसके अलावा वित्त मंत्री ने बैंकों को दो अधिकारियों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया, एक अधिकारी साइबर सुरक्षा के मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग करेगा, जबकि दूसरा बैंक के सुचारू संचालन और एटीएम ऑपरेशन की सुनिश्चिति करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध रखना महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में। उन्होंने सभी संबंधित संस्थानों को सतर्क रहने की आवश्यकता बताई और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए निर्देश दिए।इसके साथ ही, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने भी दिशा निर्देश जारी किए हैं जिसमें साइबर हमलों के खतरे को हावी होने से रोकने के लिए उचित सावधानियों की बताई गई है।

बैंकिंग सेवाओं में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिएः वित्त मंत्री

नई दिल्ली। सीमा क्षेत्रों में उभरती सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों तथा बीमा कंपनियों के प्रबंध निदेशकों और सीईओ के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में बैंकिंग क्षेत्र की ऑपरेशनल और साइबर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। बैठक में वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण, सर्ट-इन और राष्ट्रीय भुगतान निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में वित्त मंत्री ने निर्देश ?दिए कि बैंकों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर में, खासकर सीमा क्षेत्रों में, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि बैंक कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए, विशेषकर उन शाखाओं में जो सीमावर्ती इलाकों में स्थित हैं। इसके लिए सुरक्षा एजेंसियों से समन्वय बनाए रखने को कहा गया है। बैठक में बैंक अधिकारियों ने बताया कि पूरे बैंकिंग नेटवर्क में साइबर सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ किया गया है। कई बैंकों ने एंटी-डीडीओएस प्रणाली लागू की है ताकि बड़े साइबर हमलों से निपटा जा सके। इसके अलावा मॉक ड्रिल, डिजास्टर रिकवरी अभ्यास, और फिशिंग प्रयासों की निगरानी जैसे उपाय भी किए जा रहे हैं।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहझरी का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहझरी का वार्षिक परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय की ओर से जानकारी में बताया गया कि कक्षा 10 वी में कुल 210 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें से 198 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए व परीक्षा परिणाम 94.3 प्रतिशत रहा। इसी तरह कक्षा 12 वी के सभी संकाय में 125 विद्यार्थियों में से 122 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए परीक्षा परिणाम 97.6 प्रतिशत रहा। कक्षा 10 वी में नयम युवराज मेश्राम ने 96 प्रतिशत से प्रथम, प्रणाली निलचंद रहागडाले 95 प्रतिशत से द्वितीय एवं ईशा दिलीप आठोडे ने 94 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में कुल 32 विद्यर्थियों ने कक्षा 10वी में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किया । कक्षा 12 वी में योगेन्द्र पुरुषोत्तम भोयर ने 89.02 प्रतिशत से प्रथम, मासूम मनीराम मिसारे ने 88.02 प्रतिशत से द्वितीय व पलक पवन अवसरे ने 86.02 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में कक्षा 12वी के कुल 27 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर म.प्र. शासन की योजना अंतर्गत लैपटॉप की राशि 25000 प्राप्त करने के लिये सफल रहे। सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा में अच्छे अंक अर्जित कर अपना तथा अपने माता पिता का नाम रोशन कर विद्यालय को भी गौरवांवित किया है। इस सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्र कुमार अवसरे, शाला परिवार से पुरनलाल बेदरे, श्रीमति शीतला उरकुडे, श्रीमति रीतू सेन, आर एल हिरे, सुरेश कावरे, रवीन्द्र गिरिया, कु नेहा बोरिया, श्रीमति नम्रता गांधी, कु गंगा परते, श्रीमति संयोगिता कामडे, संदीप खरे, श्रीमति अंजली डोंगरे, शुभम बिल्लारे, वी क्षीरसागर, सतीश शिवालें, श्री भेलावे, श्री प्रफुल्ल बेदरे, डी बिसेन, बी बेदरे, कु. आयसा ठाकरे, एस रतोने, सी एन बिसेन, श्रीमती भारद्वाज, श्रीमती वर्षा पटले, श्रीमती कलपुरे, जितेन्द्र खरे, राजीव अवस्थी, नवनीत पालेवार, सुनीता मेहिंदे विद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों के द्वारा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

शासकीय हाई स्कूल देवलगांव का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल बोर्ड द्वारा सत्र 2024-25 का परीक्षा परिणाम 6 मई को घोषित किया गया, जिसमे शासकीय हाई स्कूल देवलगांव के कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय में उमा वाहने कृष्ण कुमार वाहने 89 प्रतिशत से प्रथम स्थान, सुकन्या बागडे मुन्ना कुमार बागडे 87 प्रतिशत दूसरा स्थान एवं सुवानी बागडे सतानंद बागडे प्रतिशत 86 प्रतिशत से तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाला के प्राचार्य आर.के. बेंजामिन द्वारा इन सभी छात्र छात्राओं को उत्तीर्ण होने पर बधाईयां दी एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना की व साथ ही समस्त अभिभावकों द्वारा भी बधाई दी। शाला के समस्त स्टाफ एस.एल. घोरमारे, ईश्वरी प्रसाद कुशले, शैलेश नागदेवे, दुधराम चौधरी, श्रीमती सविता टेंभरे, भोलाराम घोरमारे, श्रीमती कांति जीवतोडे, अनीता चौरागढे ने भी

सभी उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को बधाई दी एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

भारत की सांस्कृतिक एकता के पुरोधा आचार्य शंकर

उकवा (पदमेश न्यूज)। शंकराचार्य जी की जयंती के उपलक्ष में आज व्याख्यान माला का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद बैहर द्वारा शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय बैहर सभगार में किया गया कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा विकासखंड समन्वयक द्वारा रखी गई जिसमें बताया गया कि शंकराचार्य जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम संपूर्ण मध्यप्रदेश में हो रहे हैं आचार्य शंकर ने भारत भ्रमण करके भारत की एकता अखंडता और संस्कृति को नई पहचान देकर भारत में धर्म की स्थापना की थी इन्ही विचारों के3 प्रचार प्रसार हेतु व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम में अतिथि तीरथ प्रसाद दिवेदी ने कहा कि हमारी मध्यप्रदेश शासन समाज शासन और संतों के साथ मिलकर ओम्कारेश्वर में 108 फीट ऊंची प्रतिमा ओमकारेश्वर में लगाई गई है उसमें हम सबका महत्वपूर्ण योगदान है हम जन अभियान परिषद के माध्यम से जन जागरूकता के कार्यक्रम चलाकर के अद्वैत वेदांत के सिद्धांतों पर चलने वाले कार्य को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रमों के माध्यम से जन जन तक ऐसे विचार पहुँचाता है। इस अवसर पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजन शर्मा द्वारा शंकराचार्य जी के भारत भ्रमण के

दौरान देशभर में दिए गए धर्म ज्ञान एवं समाज मे सामाजिक विचारों को जन जन तक पहुँचाने का कार्य किया है।एवं परिवर्तन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारी पी ?ी मोबाइल के प्रति अधिक आकर्षित हो रही है धर्म ओर इतिहास को भूलते जा रहे है हमारी पहचान हमारा धर्म है इसे भूलेंगे तो हम अपने आप को भी भूल जाएंगे इसको हमें आगे ले जाना है ज्ञान की गंगा को जिस प्रकार शंकराचार्य जी ने पूरे विश्व भर में फैलाया है उसी प्रकार हम हमारी संस्कृति और धर्म को लगातार जन जन तक पहुंचाने के लिए जन अभियान परिषद के माध्यम से आगे बढ़ते हुए शंकर के विचारों को नीचे तक ले जाने का प्रयास करते रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनों द्वारा भी आदि गुरु पर विचार व्यक्त किये गए कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे जिसमे प्रमुख रूप से जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री राजीव परते नवांकुर संस्था के राजेन्द्र बिसेन लीला गोस्वामी परामर्शदाता शिवनाथ यादव कुन्दन मेरावी ओमेश्वरी राहंगडाले ज्योति बिसेन एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्यकर्ता उपस्थित रहे इसके अलावा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की गरिमामय उपस्थिति रही ।कार्यक्रम का संचालन सुरेश यादव एवं आभार विकासखंड समन्वयक महेश पटले द्वारा किया गया जिसमें छात्र संदीप गजभिये, अभय यादव,ज्योति कुर्वेती, विमल भावे, आकांशा, अंजली बिसेन, जागृति येड़े, ज्योति यादव, दामयंती आदि का योगदान रहा।

सुलभ प्रशासनिक व्यवस्था, नागरिकों की सुविधाओं और जनअपेक्षाओं को केन्द्र में रखकर बनाए जाए प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन के प्रस्ताव - श्री एसएन मिश्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की बैठक शनिवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस एसएन मिश्रा, सदस्य मुकेश शुक्ला एवं अक्षय सिंह की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील, उपखंड प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांतों से अवगत कराया गया। साथ ही आयोग के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की गई। बैठक में आयोग के सदस्य एसएन मिश्रा ने उपस्थित जिला अधिकारियों से आमजनों की सुविधा तथा प्रशासनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुनर्गठन के सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि सुलभ प्रशासनिक व्यवस्था, नागरिकों की सुविधाओं तथा जनअपेक्षाओं को केन्द्र में रखकर प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन के प्रस्ताव बनाए जाए। प्रशासन जनता की सेवा के लिए जन आकांक्षाओं के अनुरूप हो, इसके लिए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और कम से कम समय में अधिकतम सेवाएं उपलब्ध कराने तथा नागरिकों की प्रशासन तक पहुंच को सहज, सरल बनाने के लिए प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन की आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए नई तकनीकों एआई और चैट जीपीटी को दृष्टिगत रखते हुए कर्मचारियों का युक्तियुक्तकरण करें जिससे कार्य दक्षता उन्नत हो। इस दौरान पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष श्री मिश्रा ने बताया कि भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक सुविधा, बुनियादी सुविधाएं, आर्थिक कारक, जनसांख्यिकी कारक, सुरक्षा एवं सांस्कृतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जनता को आसानी से प्रशासनिक सेवाएं देने के लिए वर्तमान जिला, तहसील और जनपद, विकासखंडों पर सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नागरिकों की सहुलियत और सुविधाओं का विशेष ध्यान रख कर समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव तैयार किए जाये। बैठक में श्री सिंह ने निर्देश दिये कि प्रश्नावली तैयार करने में विशेष सतर्कता बरती जाए। ग्राम स्तर, पंचायत स्तर, राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी सुझाव लेकर कलेक्टर को भेजें। इसमें किसी भी प्रशासनिक इकाई का कोई युक्तियुक्तकरण, विलोपन, नवीन सृजन किया जाना है, तो उसका उचित प्रस्ताव तैयार कर प्रश्नावली को अद्यतन कर पृथक से शामिल कर जिला कलेक्टर को भिजवायें। जिले की समस्त तहसीलों एवं अनुविभागों की बैठक के उपरांत कलेक्टर अपने स्तर पर अधीनस्थों से प्राप्त प्रस्ताव पर युक्तियुक्तकरण पर वृहद चर्चा कर उस प्रस्ताव को अंतिम रूप से तैयार कर एवं प्रश्नावली को अद्यतन कर आयोग को भेजेंगे। जिला स्तर पर सभी विभागों के जिलाधिकारी से भी चर्चा की जाए ताकि उनके विभागों की कार्य प्रणाली का भी मत आ सके। कलेक्टर समीक्षा उपरांत जिले का एक अंतिम प्रस्ताव बनाकर प्रश्नावली को अद्यतन करेंगे। आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला तथा अक्षय सिंह ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनोन्मुखी प्रशासन हो, सुलभ हो, शासन द्वारा जिलों में क्रियान्वित योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सुगमता से पहुंचे। नागरिकों को समय पर सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिले यह हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि तहसील या उपखण्ड बनाने से पहले उनकी भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या घनत्व, बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक जरूरत इत्यादि प्रश्नावली में उल्लेखीय बिंदुओं को प्राथमिकता दी जाए। इस कार्य में समन्वय लिए जिला स्तर पर एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जाये। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन प्रक्रिया में जो भी प्रस्ताव भेजे जाएं वह आम नागरिकों की आकांक्षाओं, आवश्यकता के अनुरूप ही तैयार हों। बैठक में एडीएम जीएस धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, केसी ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर एमआर कौल, एसडीएम गोपाल सोनी, डीएफओ अधर गुप्ता एवं सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही अन्य अनुविभागीय अधिकारी जनपद सीईओ व सीएमओ गूगल मीट से जुड़े रहे।

हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में कु.पूर्णिमा कस्बे ने 97.6 प्रतिशत अंक हासिल करने पर दी बधाईयां

लांजी (पद्मेश न्यूज)। ग्राम आवा की निवासी एवं संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल बोलेगांव में कक्षा दसवीं की छात्रा कु.पूर्णिमा कस्बे पिता

अशोक कस्बे ने 97.6 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान हासिल किया एवं माता पिता, परिवार, गुरुजनों, विद्यालय एवं गांव का नाम रोशन किया। छात्रा कु.पूर्णिमा कस्बे की इस सफलता पर ग्राम पंचायत आवा के सरपंच एवं सरपंच संघ लांजी अध्यक्ष ललित कबीरे, सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य बेणीराम गुर्दे, लक्ष्मीचंद घोरमारे, सरोज पटले , युवराज कुसले, रवि प्रकाश सहारे, सत्य प्रकाश डहरवाल, संजय मेश्राम, रमेश पीछोड़े, मुकेश पांचे, आलोक दमाहे, नारायण वाकड़े समस्त स्टाफ एवं ग्राम के भरत कबीरे, छत्रपाल कस्बे, हसन कस्बे सभी ने कु. पूर्णिमा के निवास पहुंचकर उन्हें बधाईयां दी एवं उनके उज्जल भविष्य की कामना की।

शास.हाईस्कूल सुनारककोड़ी का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2024-25 का वार्षिक परीक्षा परिणाम 6 मई को घोषित किया गया। जिसमें विकासखंड लाँजी अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल सुनारककोड़ी के छात्र- छात्राओं का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा । बता दें कि सत्र

2024-25 में विद्यालय में कुल 99 विद्यार्थी दर्ज थे, इनमें से कुल 97 विद्यार्थी वार्षिकपरीक्षा में सम्मिलित हुए । जिनमें से प्रथम श्रेणी में 54 विद्यार्थी तथा द्वितीय श्रेणी में 36 विद्यार्थी एवं तृतीय श्रेणी में 03 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए । उक्त विद्यार्थियों में सांई पिता आशाराम कुशले ने 93.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, बिंदु पिता जगन्नाथ बरगैया ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान तथा मयूरी पिता शैलेन्द्र चोखान्द्रे व यमुना पिता राजकुमार कलपुरे ने 89.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त करके विद्यालय को गौरवान्वित किया । विद्यार्थियों की इस सराहनीय सफलता पर संस्था प्रभारी एम.एल.येड़े एवं विद्यालय परिवार के शिक्षकों में एन. गजभिये, पी.के.भिमटे, एस.के. सोनवाने, एच.के.कटरे, कपिल पटले तथा संगीता घोरमारे द्वारा विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए शुभाशिष प्रदान किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

लोक अदालत में कॉपरेटिव बैंक के 29 प्रकरणों में हुआ समझौता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में शनिवार को नेशनल लोक अदालत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट में किया गया। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी पुरूषोत्तम जोशी ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में समझौता हेतु बैंक शाखा अंतर्गत समितियों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रकरण तैयार किये गये थे। जिसके चलते बैंक शाखा से संबंद्ध प्राथमिक कृषि

साख सहकारी समितियों के द्वारा 29 ऋण प्रकरण तैयार करवाये गये थे। श्री जोशी ने बताया कि 29 प्रकरणों में कुल राशि रू. 70.26 लाख में से राशि रू. 56.12 लाख का समझौता हुआ जबकि राशि रू. 14.13 लाख का लाभ किसानों को प्रदाय किया गया।

दहेगांव की वैष्णवी पटले का सुयष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने 6 म ?ई को 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों की घोषणा की है। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल साडरा का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा है। स्कूल की छात्रा वैष्णवी पिता चमरुलाल पटले ने कक्षा 12वीं में 89.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप-10 की सूची में अपना स्थान प्राप्त किया है। बता दें की वैष्णवी के पिता अर्जिनवेश (सेवा प्रदाता तहसील कार्यालय लांजी)में पदस्थ है तो वहीं माता झूलन पटले आंगनबाड़ी दहेगांव में सहायिका है। छात्र ने इस सफलता का श्रेय माता-पिता

और अपने गुरुजनों को दी है। इस सफलता पर माता-पिता, रिश्तेदार समाज और गांव के अलावा शिक्षकों ने छात्रा को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विगत दिनों हट्टा थाना में हुई दुष्कर्म की पीड़िताओं को 8 लाख 25 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के हटटा थाना में गत दिनों दुष्कर्म की घटना के बाद थाने में धारा 70 (1) 70(2), 115(2) 351(3), 3(5), 190, 191(2), 61(2) क्ह्रस्न 5/6 पॉक्सो एक्ट 3(1)(2), 3(2)(ड्ड), 3(2)(ड्डड्ड) दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा इस प्रकरण में 8 मई को चालान प्रस्तुत कर दिया गया है। चालान प्रस्तुत होने के बाद जनजाति कार्य विभाग द्वारा इस प्रकरण में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम-1995 की अनुसूची के उपाबंध में वर्णित राहत राशि के मापदण्ड के पालन में जिला स्तरीय समिति द्वारा राशि जारी करने के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसके बाद जनजातीय कार्य विभाग ने अत्याचार से पीडित कुल 04 (चार) पीडिताओं में से प्रत्येक को राशि रू. 2,06,250 (रू.दो लाख छः हजार दो सौ पचास मात्र) कुल राशि रु. 8,25.000 रुपये जारी करने के आदेश कर दिए गए है। ज्ञात हो कि इस मामले में पीडिताओं को पूर्व में कुल 16 लाख 50 हजार रुपये की राशि भी प्रदान की जा चुकी है।

मप्र और महाराष्ट्र सरकारों के बीच साइन हुआ ऐतिहासिक एमओयू, सीएम डॉ. मोहन यादव बोले

जीवन रेखा साबित होगी ताप्ती बेसिन ग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजना

भोपाल। विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजनाओं में शामिल ताप्ती बेसिन परियोजना को लेकर शनिवार को मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के बीच ऐतिहासिक एमओयू साइन हुआ। यह समझौता राजधानी भोपाल स्थित मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में संपन्न हुआ। यह एमओयू मप्र-महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की 28वीं बैठक के दौरान मिंटो हाल में हुआ। बैठक के बाद दोनों राज्यों ने ताप्ती बेसिन परियोजना को लेकर करार किया, जो भूजल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के क्षेत्र में एक मील का पत्थर मानी जा रही है। यह परियोजना जल प्रबंधन की दिशा में दो राज्यों की साझी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केंद्र सरकार से चर्चा की जाएगी। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में 31.13 टीएमसी जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टीएमसी मध्यप्रदेश को और 19.36 टीएमसी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्यप्रदेश कुल 3 हजार 362 हेक्टेयर भूमि उपयोग में लाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत कोई गांव प्रभावित नहीं होगा। इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी।

ताप्ती प्रोजेक्ट बनेगा निमाड़ की जीवन रेखा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन परियोजना के साथ ही दोनों राज्यों के बीच एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां 247 नदियां बहती हैं, और अब गोदावरी और ताप्ती से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर मिलकर काम किया जाएगा। सीएम यादव ने भरोसा जताया कि जैसे केंद्र सरकार ने केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजनाओं में मदद की, उसी तरह इस परियोजना को भी केंद्र से सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से खंडवा और बुरहानपुर जैसे क्षेत्रों में पेयजल संकट से राहत मिलेगी और यह प्रोजेक्ट निमाड़ के लिए जीवन रेखा साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों राज्यों के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों- ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर (एमपी) और त्र्यंबकेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर (महाराष्ट्र) को जोडक़र एक धार्मिक सर्किट बनाया जाएगा। इसके अलावा कॉरिडोर विकसित करने पर भी सहमति बनी है।

25 साल बाद फिर साथ आए दो राज्य

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने ताप्ती बेसिन परियोजना पर एमपी-महाराष्ट्र समझौते के दौरान कहा कि 25 साल बाद दोनों राज्यों की बोर्ड बैठक हुई है, पिछली बैठक साल 2000 में हुई थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद ही राज्यों के बीच जल समझौते दोबारा शुरू हुए हैं, जिससे न सिर्फ परियोजनाएं आगे बढ़ीं, बल्कि जल संकट से निपटने के प्रयास भी तेज हुए। फडणवीस ने कहा कि ताप्ती बेसिन परियोजना से मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र दोनों राज्यों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के अकोला, अमरावती सहित तीन जिलों में जहां खारा पानी है, वहां अब स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि अब दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री केंद्र सरकार से इस परियोजना के लिए केंद्रित योजना की तर्ज पर विशेष सहयोग का आग्रह करेंगे। फडणवीस ने बताया कि ताप्ती बेसिन परियोजना पर एमओयू साइन करने के साथ ही बैठक में कुछ अन्य अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जामघाट परियोजना पर वर्ष 1998 में बातचीत शुरू हुई थी, और अब वर्षों बाद फिर से इस परियोजना पर चर्चा की गई है। फडणवीस ने बताया कि अक्टूबर में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के जल बोर्ड की अगली बैठक प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय के साथ काम कर विकास को गति दी जाएगी।

आईएएस अफसरों को इसी माह भरना होगी परफार्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट

- एक जून को रिपोर्टिंग अथॉरिटी के पास ऑटो फारवर्ड हो जाएगी पीएआर

भोपाल। प्रदेश के सभी आईएएस अधिकारियों को अपनी परफार्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) भरने के लिए केंद्र सरकार ने निर्देश जारी कर दिए हैं। यह पीएआर सभी आईएएस को इसी माह 31 मई तक भरना होगी। इसके बाद यह रिपोर्टिंग अथारिटी को ऑटो फारवर्ड हो जाएगी। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय के निर्देश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी अफसरों को सेल्फ एसेसमेंट से पीएआर भरने के निर्देश जारी किए हैं। पीएआर ऑटो फारवर्डिंग सिस्टम से हर माह सीनियर अफसर तक पहुंचेगी। डीओपीटी के अनुसार एक अप्रैल के बाद साल 2024-25 के लिए आईएएस अफसरों को अपनी पीएआर भरना है। इसके लिए सेल्फ असेसमेंट की टाइमलाइन 31 मई तय की गई है। पीएआर साफ्टवेयर पर यह असेसमेंट अपलोड होने के बाद एक जून को रिपोर्टिंग अथारिटी के पास ऑटो फारवर्ड हो जाएगी।

जिस आईएएस अधिकारी के सीनियर अफसर के पास रिपोर्टिंग अथारिटी का प्रभार होगा, वह 31 जुलाई तक अपनी टीम संबंधित अफसर के बारे में पीएआर एसेसमेंट में दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद यह 1 अगस्त को ऑटो फारवर्ड होकर पीएआर एसेसमेंट रिव्यू अथारिटी के पास जाएगी। इस अधिकारी के पास भी अपने अधीनस्थ अफसरों की पीएआर रिव्यू करने का दो माह का समय होगा जो 30 सितम्बर तक होगा। इसके बाद एक अक्टूबर को अप्रेजल रिपोर्ट एप्रेजल रिपोर्ट एक्सेप्टिंग अथारिटी को एक अक्टूबर को ऑटो फारवर्ड हो जाएगी। इस अधिकारी द्वारा 31 दिसम्बर तक पीएआर को मंजूरी देकर संबंधित आईएएस अधिकारी का परफार्मेंस तय किया जा सकेगा। 31 दिसम्बर को पीएआर रिपोर्ट ऑटो क्लोजर की स्थिति में आ जाएगी। गौरतलब है कि अखिल भारतीय सेवा के अफसरों कर्मचारियों की परफार्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट हर साल भरी जाती है जिसके आधार पर अधिकारियों की वर्किंग परफार्मेंस तय होने पर उन्हें शासकीय पदों और योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

अब पॉलिटेक्निक कोर्स दो साल का

12वीं के समकक्ष रहेगा, तकनीकी शिक्षा विभाग ने बोर्ड को भेजा प्रस्ताव

भोपाल । तकनीकी शिक्षा को मुख्यधारा से जोडऩे और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में दाखिले को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके तहत पॉलिटेक्निक का दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा गया है और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है।

फिलहाल पॉलिटेक्निक डिप्लोमा तीन साल का होता है और इसे करने के बाद विद्यार्थी सीधे बीई के सेकंड ईयर में प्रवेश के पात्र होते हैं, लेकिन अब तक पॉलिटेक्निक करने वालों को कॉमर्स, आर्ट्स या अन्य मेन स्ट्रीम्स में प्रवेश नहीं मिल पाता है, जिससे वे मुख्यधारा की उच्च शिक्षा से कट जाते थे। इस वजह से कई विद्यार्थी पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने से हिचकिचाते हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले घटे हैं।

तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के अनुसार, यदि कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा। जानकारों का मानना है कि इस पहल से पॉलिटेक्निक की विश्वसनीयता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को करियर के अधिक विकल्प मिलेंगे। इससे न सिर्फ तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवाओं को शैक्षणिक लचीलापन भी मिलेगा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी ने कहा कि प्रस्ताव को बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड में चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा।

लोक अदालत में बड़ी संख्या में हुआ लोगों की समस्याओं का निराकरण

- 60 खंडपीठ में निराकरण के लिए रखे गए थे 1,63,428 मामले

भोपाल । राजधानी की जिला अदालत में शनिवार को नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार नेशनल लोक अदालत में 60 खंडपीठ गठित की गई हैं। इसमें 1,63,428 मामले निराकरण के लिए रखे गए हैं।

विद्युत से संबंधित प्रकरणों में ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार आंकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रुपए तक की छूट है। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट है। साथ ही आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज में 100 प्रतिशत छूट दी गई। वहीं सुनीत अग्रवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने से संपूर्ण कोर्ट फीस वापसी होती है। साथ ही पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति से सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रकरण का निराकरण होने से समय व धन की बचत भी होती है। नगर निगम से जुड़े प्रकरणों में भी लोक अदालत छूट दे रही है।

कर्मचारियों के नियमितिकरण में अफसर बने रोड़ा

हाईकोर्ट ने नियमित करने की कार्य योजना मांगी, सरकार के पास दैवेभो के आंकड़े ही नहीं

भोपाल। प्रदेश में दैनिक वेतन भोगी और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित किए जाने के लिए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कार्ययोजना मांगी है। इस कार्ययोजना की जानकारी देने और अमल करने की बात तो दूर रही, सरकार को यही नहीं पता है कि किस विभाग में कितने कर्मचारी दैनिक वेतन भोगी (दैवेभो) और अस्थायी कर्मचारी के रूप से काम कर रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग तीन माह में भी विभागों से इसकी जानकारी नहीं ले पाया है।

दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एसएलपी प्रकरण जग्गू वर्सेस भारत सरकार और विनोद कुमार वर्सेस भारत सरकार में पारित निर्णय के आधार पर जबलपुर हाईकोर्ट में साल 2024 में रिट पिटीशन लगाई है। जिस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। कहा कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों और अस्थायी कर्मचारियों के नियमितिकरण को लेकर राज्य सरकार अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके बाद सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को निर्देश जारी कर कहा है कि 16 मई 2007 की स्थिति में काम करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति अनियमित है लेकिन अवैधानिक नहीं है। यह कर्मचारी 1 जनवरी 2025 तक काम कर चुके हैं या अभी कर रहे हैं। इस आधार पर ऐसे कर्मचारियों की जानकारी शासन को भेजी जाए।

15 दिन में मांगी थी जानकारी, दो माह में नहीं मिली

सामान्य प्रशासन विभाग ने इसको लेकर फरवरी 2025 में निर्देश जारी कर सभी विभागों से जानकारी मांगी थी। इसके बाद रिमांइडर भी भेज दिए लेकिन विभाग यह नहीं बता पाए हैं कि कितने स्थायी, अस्थायी और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम कर रहे हैं। यह जानकारी 16 मई 2007 से एक जनवरी 2025 की स्थिति में अलग-अलग विभागों में पदस्थ कर्मचारियों के मामले में दी जाना है। चूंकि विभागों ने इसकी जानकारी ही शासन को नहीं दी है, इसलिए सामान्य प्रशासन विभाग अब एक बार फिर इसको लेकर जानकारी मंगा रहा है।

4000 कोरोना योद्धा सेना की मदद के लिए तैयार

भोपाल। मध्य प्रदेश के 4000 कोरोना योद्धा भारतीय सेना की मदद के लिए तैयार हैं। जिसे लेकर कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। जिसमें कहा गया है कि देश के किसी भी कोने में बिना किसी पारिश्रमिक के सेवाएं देने को तैयार हैं। कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ ने पत्र में लिखा कि आज से लगभग 5 साल पूर्व विश्व में कोविड- 19 वैश्विक महामारी आई थी, जिसका सामना पूरे विश्व को करना पडा था। उस समय मध्य प्रदेश सरकार ने अस्थाई रूप से लगभग 4000 से अधिक अस्थाई कोरोना योद्धा की भर्ती की थी और सभी अस्थाई कोरोना योद्धाओं ने अपनी जान की परवाह न करते हुए लगातार 2 साल तक कोरोना में अपनी सेवाएं देकर लोगों की जान बचाई और देश सेवा की। उसके बाद मध्य प्रदेश की सरकार ने बजट की कमी का हवाला देकर सभी कोरोना योद्धाओं को नौकरी से निकाल दिया था। आज भी लगभग 2000 से अधिक कोरोना योद्धा बेरोजगार घूम रहे हैं। पत्र में आगे लिखा गया है कि 8 मई से लगातार भारत-पाकिस्तान युद्ध प्रारंभ हो गया है। जिसके कारण भारत सरकार ने महत्त्वपूर्ण विभागों को सर्तक रहने और आपातकालीन व्यवस्थाओं के लिए तैयार रहने के लिए निर्देशित किया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के 4000 अस्थाई कोरोना योद्धाओं ने निर्णय लिया है कि देश की इस महत्त्वपूर्ण आवश्यक परिस्थिति में देश के साथ है और देशहित सेना के जवानों की सुरक्षा के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा और उनसे लगे क्षेत्रो में जहां भी स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता होगी।

भारत-पाक तनाव का यात्रा पर असर

- कैंसिल हो रही फ्लाइट्स और रेलवे टिकट

भोपाल। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव का असर रेल और हवाई यात्राओं पर दिखाई दे रहा है। दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए लोगों ने हवाई यात्रा को टालना शुरू कर दिया है। इसी तरह लोग ऐसे माहौल में एक शहर से दूसरे शहर जाने से भी बच रहे हैं। यही वजह है कि पिछले दो दिनों में आईआरसीटीसी के पश्चिम क्षेत्र से करीबन 12 हजार ऑनलाइन टिकट कैंसिल हुई है। उधर लोग एयर टिकट भी कैंसिल करा रहे हैं। टूर एंड ट्रेवल्स एसोसिएशन के मुताबिक भारत-पाक में तनाव बढऩे के बाद से करीबन 20 फीसदी हवाई टिकट कैंसल कराए गए हैं।

भोपाल में रहने वाले राजपाल सिंह 2 अन्य परिजनों के साथ 10 मई को दुबई जाने वाले थे। वे बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढऩे के बाद उन्होंने तत्काल अपने एयर टिकट कैंसिल करा दी। फिलहाल उन्होंने देश के बाहर जाने का मन बदल लिया है। शांति होने के बाद ही अब वे जाने का प्लान करेंगे। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मैनेजिंग कमेटी के मेंबर सुनील नोटानी बताते हैं कि शेख सलीम अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं है, जिन्होंने तनाव बढऩे के बाद अपनी टिकट कैंसल कराई हो। पिछले तीन दिनों में कई यात्री अपनी टिकट कैंसल करा रहे हैं। खासतौर से विदेश यात्रा पर जाने वाले फिलहाल इसे टाल रहे हैं। उधर तनाव के चलते दिल्ली और आसपास के राज्यों की उड़ानें बाधित होने से फिलहाल लोग यात्रा करने से बच रहे हैं।

एयरपोर्ट पर घटी यात्रियों की संख्या

उधर तनाव के चलते भोपाल एयरपोर्ट पर भी यात्रियों की संख्या में कमी आई है। 8 मई को भोपाल के राजा भोपाल एयरपोर्ट पर 16 फ्लाइट आईं, जबकि इतनी ही फ्लाइट्स ने उड़ानें भरी। इनसे 1874 यात्री आए और 1856 यात्री रवाना हुए। जबकि आमतौर पर भोपाल आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या करीबन 2 हजार से ज्यादा होती है।

रेल यात्रियों ने भी टिकट कराए कैंसिल

उधर तनाव का असर हवाई यात्राओं के अलावा रेल यात्राओं पर भी दिखाई दे रहा है। तनाव के बाद रेल यात्राओं की कंफर्म टिकट कैंसिल कराने का आंकड़ा बढ़ गया है। आईआरसीटीसी के पश्चिम क्षेत्र में करीबन 12 हजार ऑनलाइन टिकट पिछले दो दिनों में लोगों ने कैंसल कराई हैं। भोपाल रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर्स से ही पिछले तीन दिनों में करीबन 250 टिकट कैंसिल कराए गए हैं।

मप्र भाजपा की ऑफिशियल वेबसाइट हैक

भोपाल। भारत-पाकिस्तान के बिगड़े हालात के बीच हैकर्स ने शनिवार को मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट को हैक कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हैकर्स ने भाजपा की राष्ट्रीय वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की है। भाजपा से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पार्टी की एमपी की वेबसाइट पर सुबह कुछ यूजर्स ने जाकर देखा तो उस पर पाकिस्तान ऑपरेशन का नाम लिखा हुआ आ रहा था। हालांकि अभी वेबसाइट पर भारतीय जनता पार्टी और 404 लिखा हुआ आ रहा है। भाजपा आईटी सेल को वेबसाइट हैक होने की जानकारी जैसे ही मिली, टीम ने इसे ठीक करने का काम शुरू कर दिया। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि सुबह वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली थी। टीम ने जानकारी मिलते ही इसे रिस्टोर कर लिया है। हालांकि अग्रवाल ने पार्टी की राष्ट्रीय वेबसाइट हैक होने की बात से इनकार किया।

वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान-अल-मरसूस लिखा

वेबसाइट के होमपेज पर यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा हुआ नजर आ रहा था। हालांकि यह अभी तक साफ नहीं हुआ है कि वेबसाइट किसने हैक की है। हैक की गई वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान-अल-मरसूस का जिक्र प्रॉमिनेंटली दिखा। इस ऑपरेशन का नाम अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है शीशे से बनी मजबूत दीवार।

भारत-पाक में जंग के बीच बड़ी सौगात

एयर इंडिया भोपाल से शुरू करेगा नई फ्लाइट

भोपाल। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जंग से देश भर में अलर्ट है। कई राज्यों के एयरपोर्ट को कुछ समय तक बंद करने के निर्देश देने के बाद सेना ने इन्हें अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि इस युद्ध का घरेलू फ्लाइट पर असर नहीं हुआ है। जल्द ही भोपाल से मुंबई के लिए जाने वाली फ्लाइट जल्द शुरू की जाएगी। वहीं ग्वालियर में आज से ही उड़ानें शुरू हो गई हैं।

भोपाल-मुंबई के लिए हवाई यात्रियों को बड़ी सौगात मिलने वाली है। एयर इंडिया 1 जून से भोपाल-मुंबई के लिए एक और फ्लाइट शुरू कर रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसके लिए स्लॉट भी अलॉट कर दिया है।

विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू

भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते पिछले तीन दिन से ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल से उड़ाने रद्द कर दी गयी थी। लेकिन आज से उड़ानो का आवागमन एक बार फिर शुरू हो गया है। दूसरी ओर विमानन तल पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। लोगों का कहना है कि जो अभी हालात हैं वह सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच इस वक्त जो संघर्ष चल रहा है, युद्ध जैसे हालात हैं और इन हालात में जो इंतजाम सुरक्षा बलों को और प्रशासन को सरकार को करना चाहिए वह किये जा रहे हैं। इस वक्त हम सब नागरिकों की जिम्मेदारी है कि सरकार की मदद करें सेना और सरकार जो कुछ कर रही है, जो निर्देश दे रही है, जो गाइडलाइन जारी कर रही है उसका पालन करना चाहिए। कुछ यात्रियों का यह भी कहना है कि भारत-पाकिस्तान के हमले का मजबूती से जवाब दे रहा है। ऐसे में सभी स्थिति को देखने के बाद एयरपोर्ट से उड़ाने शुरू हुई है।

अनजान वीडियो, लिंक और वेबसाइट खोलने से बचें

साइबर हमलों से बचने के लिए सतर्क रहने की जरूरत: तनाव के माहौल में लापरवाही पड़ सकती है भारी

भोपाल। भारत और पाकिस्तान के बीच हालात तनावपूर्ण हैं। इस बीच देश में साइबर वार का खतरा भी बढ़ गया है। साइबर एक्सपर्ट इसे लेकर आशंकित हैं। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम द्वारा भी एडवाइजरी जारी किए जाने की खबरें हैं। ऐसे में न सिर्फ सरकारी, निजी संस्थानों बल्कि आम लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर लोग हमले से जुड़ी जानकारी, वीडियो, लिंक भी खूब साझा कर रहे हैं। ऐसे में यह खतरा और अधिक बढ़ सकता है। यही वजह है कि न सिर्फ ऐसी सूचनाओं के प्रति सचेत रहने की जरूरत है, बल्कि अनजान वीडियो, लिंक, एपीके फाइल पर भी क्लिक करने से बचना होगा। भले ही ऐसी पोस्ट, वीडियो, लिंक किसी परिचित द्वारा ही क्यों न भेजी जा रही हो। सोशल मीडिया पर अतिउत्साह और लापरवाही भारी पड़ सकती है।

किस तरह हो सकता है साइबर अटैक

साइबर एक्सपर्ट का कहना है इस समय बड़ी संस्थाओं को साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस की जरूरत है। यह आने वाले साइबर खतरे के लिए चेताता है और पहले से तैयार करता है। यह संस्था के सर्वर, उपयोग के हिसाब से एआई के जरिये थ्रेट ऑडिट करता है। किसी लिंक, एपीके (एंड्रायड पैकेज किट) फाइल, वीडियो के जरिए मोबाइल या किसी अन्य डिवाइस को हैक किया जा सकता है। लिंक के जरिये थर्ड पार्टी एप डाउनलोड कराकर मोबाइल हैक किया जा सकता है। आम लोगों पर साइबर अटैक के जरिये डेटा ब्रीच किया जा सकता है। साइबर अटैक कर डिवाइस हैक करने के बाद इसका उपयोग किसी भी तरह की गलत, भडक़ाऊ सूचना, डीपफेक वीडियो, फोटो पोस्ट की जा सकती है। डिवाइस हैक कर लोगों के बैंक खातों को खाली किया जा सकता है। साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि साइबर अटैक की आशंका को देखते हुए इस समय सतर्क रहने की जरूरत है। लोग अतिउत्साह में इस समय किसी भी पोस्ट, फोटो, वीडियो को गंभीरता से लेकर उसे साझा कर रहे हैं। इसके पीछे साइबर अटैक भी उद्देश्य हो सकता है। इसलिए इस समय सिर्फ जो पुलिस, सेना या प्रशासन द्वारा सूचना जारी की जा रही है, उस पर ही भरोसा करें।

साइबर अटैक से बचने के लिए यह तरीके हैं

सभी अपने ई-मेल, इंटरनेट मीडिया अकाउंट को टू स्टेप वेरीफिकेशन मोड पर रखें। एंटी वायरस जरूर डिवाइस में रखें, याद रहे यह सिर्फ लाइसेंस वाला होना चाहिए। इस समय आनलाइन पर भरोसा न करें। पासवर्ड बदलें और मजबूत पासवर्ड बनाएं। अनजान लिंक खासकर फाइल, वीडियो पर क्लिक न करें। ऐसा कोई नंबर जो अटपटा लगे, विदेशी हो उसे न

सामने आया टीम इंडिया का साल भर व्यस्त शेड्यूल

2 टीमों की मेजबानी और 3 विदेशी टूर

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव के चलते बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 को फिलहाल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। हालांकि, यदि हालात में सुधार नहीं होता है तो टूर्नामेंट को अनिश्चितकाल के लिए टाला जा सकता है। हालांकि खबर है कि बीसीसीआई आईपीएल के बचे मैचों के लिए कुछ विकल्प तलाश रही हैं। यदि बीसीसीआई को आईपीएल के इस सीजन को पूरा कराना है, तो उसे टीम इंडिया के इंटरनेशनल शेड्यूल के बीच में जगह निकालनी होगी, जो पहले से ही काफी व्यस्त है।

टीम इंडिया के इंटरनेशनल शेड्यूल की बात करें तो जून से टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा शुरू होने वाला है, जहां उसे पांच टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलनी है। यह दौरा 20 जून से शुरु होगा और 4 अगस्त को खत्म होगा। यह दौरा खासतौर पर इसलिए भी अहम है क्योंकि रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई को नए कप्तान की तलाश है और इस दौरे के लिए टीम का चयन अब तक नहीं हुआ है। इंग्लैंड के बाद भारत को बांग्लादेश जाना है, जहां उसे तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेलने हैं, लेकिन भारत-पाक तनाव के चलते यह दौरा भी खतरे में नजर आ रहा है।

बांग्लादेश का यह दौरा 17 अगस्त से शुरु होगा और 31 अगस्त तक चलेगा। इसके बाद भारत अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। यह दौरा 2 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक रहेगा। फिर टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलने के लिए वहां दौरा करना है। यह दौरा 19 अक्टूबर से 8 नवंबर तक चलेगा। साल के अंत में 14 नवंबर से 19 दिसंबर तक भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है।

ऐसे में बीसीसीआई के पास आईपीएल के बचे हुए मुकाबलों के लिए बहुत सीमित समय है। अगर मौजूदा हालात में सुधार नहीं होता, तो आईपीएल के बचे हुए मैचों को किसी और विंडो में खोजना बीसीसीआई के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। अब सबकी निगाहें सीमा पर हालात सामान्य होने और बोर्ड के अगले कदम पर टिकी हैं।

भारत का इंग्लैंड दौरा

20 से 24 जून,	पहला टेस्ट हेडिंग्ले, लीड्स	3:30 बजे
02 सं 06 जुलाई	दूसरा टेस्ट एजबस्टन, बर्मिंघम	3:30 बजे
10 से 14 जुलाई	तीसरा टेस्टलॉर्ड्स, लंदन	3:30 बजे
23 से 27 जुलाई	चौथा टेस्ट एमिरेट्स, मैनचेस्टर	3:30 बजे
31 से 04 अगस्त	पांचवां टेस्ट केनिंगटन ओवल,	3:30 बजे

भारत का बांग्लादेश दौरा

17 अगस्त, पहला वनडे	शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम, ढाका	9.30 बजे
20 अगस्त, दूसरा वनडे	शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम, ढाका	9.30 बजे
23 अगस्त, तीसरा वनडे	मतीउर रहमान स्टेडियम, चट्टो ग्राम	9.30 बजे
26 अगस्त, पहला टी20	मतीउर रहमान स्टेडियम, चट्टो ग्राम	5.30 बजे
29 अगस्त, दूसरा टी20	शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम, ढाका	5.30 बजे
31 अगस्त, तीसरा टी20	शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम, ढाका	5.30 बजे

वेस्टइंडीज का भारत दौरा

02 से 06 अक्टूबर	पहला टेस्ट नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद	9.30 बजे
10 से 14 अक्टूबर	दूसरा टेस्ट ईडन गार्डन, कोलकाता	9.30 बजे

साउथ अफ्रीका का भारत दौरा

14 से 18 नवंबर	पहला टेस्ट	अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली	9:30 बजे
22 से 28 नवंबर	दूसरा टेस्ट	बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम, गुवाहाटी	9:30 बजे
30 नवंबर,	पहला वनडे	जेएससीए कॉम्प्लेक्स, रांची	1:30 बजे
03 दिसम्बर,	दूसरा वनडे	शहीद वीर नारायण सिंह रायपुर	1:30 बजे
06 दिसम्बर,	तीसरा वनडे	विशाखापत्तनम	1:30 बजे
09 दिसम्बर,	पहला टी20	बाराबती स्टेडियम, कटक	7:00 बजे
11 दिसंबर,	दूसरा टी20	मुल्लांपुर, चंडीगढ़	7:00 बजे
14 दिसंबर,	तीसरा टी20	धर्मशाला	7:00 बजे
17 दिसंबर,	चौथा टी20	इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ	7:00 बजे
19 दिसंबर,	पांचवां टी20	नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद	7:00 बजे

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

19 अक्टूबर, पहला वनडे	पर्थ स्टेडियम, पर्थ	9.00 बजे
23 अक्टूबर, दूसरा वनडे	एडिलेड ओवल, एडिलेड	9.00 बजे
25 अक्टूबर, तीसरा वनडे	सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, सिडनी	9.00 बजे
29 अक्टूबर, पहला टी20	मनुका ओवल, कैनबरा	1.45 बजे
31 अक्टूबर, दूसरा टी20	मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, मेलबर्न	1.45 बजे
02 नवंबर, तीसरा टी20	बेलेरिव ओवल, होबार्ट	1.45 बजे
06 नवंबर, चौथा टी20	बिल पिप्पेन ओवल, गोल्ड कोस्ट	1.45 बजे
08 नवंबर, पांचवां टी20	द गब्बा, ब्रिस्बेन	1.45 बजे

...तो रोहित के बाद क्या अब विराट भी लेंगे टेस्ट क्रिकेट से संन्यास?

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद अब उनके साथी विराट कोहली ने भी इस फॉर्मेट को अलविदा कहने का मन बना लिया है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को बताया है कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि अभी टॉप अधिकारियों ने विराट से इस फैसले पर विचार करने का अनुरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली इंग्लैंड दौरे से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। विराट अब आगे क्रिकेट के लंबे फॉर्मेट में खेलते नजर नहीं आएंगे। जानकारी के मुताबिक उन्होंने अपना मन बना लिया है और बोर्ड को सूचित कर दिया है बीसीसीआई ने उनसे इस पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है क्योंकि टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरा होना है। उन्होंने अभी तक इस अनुरोध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कोहली का यह फैसला रोहित शर्मा के कुछ दिन पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है। भारत के चयनकर्ता कुछ दिनों में इंग्लैंड में अगले महीने होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम का चुनाव करने मिलने वाले हैं।

यह जानकारी भी मिली है कि विराट कोहली इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से अपने टेस्ट भविष्य पर विचार कर रहे थे, जब उन्होंने पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद खराब प्रदर्शन किया था। अगर विराट कोहली अपना मन नहीं बदलते हैं और रोहित भी टीम में शामिल नहीं होते हैं, तो भारत के पास केएल राहुल, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के साथ एक अनुभवहीन मिडिल आर्डर होगा और बाद में ऋषभ पंत होंगे। इसके अलावा टीम के पास दो अनुभवी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन नहीं होगा।

यूएई ने नहीं दिया पीएसएल के शेष मैच कराने की मंजूरी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सीमा तनाव के कारण अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आयोजन को लेकर आशंकित हो गया है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को पीएसएल के 10वें सीजन के शेष मैचों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित करने की उम्मीदों को तगड़ा झटका लग सकता है।

ऐसी कोई ताकत नहीं जो पाकिस्तान को खत्म कर दे- बाबर

नईदिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान की सैन्य विफलता के बाद अब इसकी बौखलाहट खेल के मैदान तक पहुंच गई है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने सोशल मीडिया पर धमकी भरे अंदाज़ में पोस्ट डाली।

बाबर ने इंस्टाग्राम स्टोरी में पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना का कथन शेयर करते हुए लिखा दुनिया में ऐसी कोई ताकत नहीं जो पाकिस्तान को खत्म कर दे। बाबर का यह बयान ऐसे समय आया है जब खुद उनकी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने बार-बार फ्लॉप साबित होती रही है। भारत के खिलाफ मैदान पर कमजोर प्रदर्शन करने वाले बाबर की यह सोशल मीडिया बयानबाज़ी यह दिखाती है कि पाकिस्तान अब खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरता देख रहा है। आतंकियों को शरण देने वाले देश के तौर पर उसकी पहचान और मजबूत हो गई है।

इस बीच सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2025 के शेष आठ मुकाबलों को यूएई स्थानांतरित कर दिया गया है। पहले ये मुकाबले मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर में होने थे, लेकिन बढ़ते तनाव और सुरक्षा जोखिम को देखते हुए उन्हें अब विदेश में कराया जाएगा। बाबर आजम की सोशल मीडिया पर दी गई धमकी भले ही जोश में दी गई हो, लेकिन यह पाकिस्तान की अंदरूनी घबराहट और अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर कमजोर होती स्थिति को उजागर करती है। मालूम हो कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत नियंत्रण रेखा पार करते हुए आतंकियों के नौ बड़े ठिकानों को तबाह कर दिया। इस जवाबी कार्रवाई में 70 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया गया।

बीसीसीआई 2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को औपचारिक प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। अगर बीसीसीआई को यह मेजबानी मिलती है, तो भारत इंग्लैंड के बाहर यह प्रतिष्ठित टेस्ट इवेंट आयोजित करने वाला पहला देश बन जाएगा। 'एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई को उम्मीद है कि उसे इस मार्की टेस्ट टूर्नामेंट के चौथे संस्करण की मेजबानी मिल सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल साउथेम्प्टन और ओवल में हुए थे, जिनमें भारत को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। तीसरा फाइनल इस साल जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे में हुई आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान 2027 फाइनल की मेजबानी को लेकर अपनी गंभीर इच्छा व्यक्त कर दी थी। इस संबंध में औपचारिक बोली प्रक्रिया इसी गर्मी में शुरू होने की संभावना है। हालांकि इंग्लैंड अब तक इस इवेंट के लिए प्राथमिक मेजबान रहा है और इसके पीछे कई व्यावहारिक कारण रहे हैं, जिनमें तटस्थ टीमों के मैचों के दौरान भी बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर के साथ बेहतर तालमेल शामिल हैं। इसके उलट भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह हो सकती है कि यदि टीम इंडिया 2027 के फाइनल में नहीं पहुंचती है, तो तटस्थ मुकाबले के लिए घरेलू दर्शकों की दिलचस्पी कम हो सकती है, जिससे टिकट बिक्री प्रभावित हो सकती है। इस समय टिकट बिक्री आईसीसी के लिए एक बड़ा आकर्षण है और यही वजह है कि इस साल लॉर्ड्स में खेले जाने वाले फाइनल के पहले चार दिन के टिकट पहले ही बिक चुके हैं। अब देखना यह होगा कि क्या बीसीसीआई इंग्लैंड के एकाधिकार को तोड़कर इस प्रतिष्ठित इवेंट की मेजबानी भारत लाने में सफल होता है या नहीं।

दिल्ली-पंजाब के खिलाड़ी धर्मशाला से ट्रेन द्वारा सुरक्षित दिल्ली आए

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी धर्मशाला से सुरक्षित दिल्ली आ गए हैं। बीसीसीआई ने भारतीय रेलवे के साथ मिलकर खिलाड़ियों को धर्मशाला से निकालने के लिए विशेष इंतजाम किए थे। धर्मशाला से सभी को पहले जालंधर तक सड़क मार्ग से लाए। इसके बाद सभी को ट्रेन से दिल्ली लाया गया। आईपीएल की ओर से एक्स पोस्ट वीडियो में खिलाड़ी खुश नजर आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने एक वीडियो में कहा कि टीम मेंबर्स बहुत हैं, स्टाफ बहुत हैं, बीसीसीआई के काफी लोग, कैमरामैन से लेकर टेक्निकल लोग हैं इसमें, लेकिन जिस तरह से मैनेज किया गया वह काबिले तारीफ है। मैं बीसीसीआई और इंडियन रेलवे को थैंक्यू बोलना चाहता हूं। इससे पहले, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमों को कड़ी सुरक्षा के बीच धर्मशाला से होशियारपुर के रास्ते जालंधर रेलवे स्टेशन तक लाया गया। कांगड़ा की एसपी ने बताया कि दोनों टीमों के खिलाड़ी एक विशेष ट्रेन से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में हो सकते है आईपीएल के बचे मैच

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मौजूदा सैन्य तनाव के मद्देनज़र आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। हालांकि बीसीसीआई का कहना है कि यह एक अस्थायी रोक है और यदि हालात सामान्य होते हैं तो टूर्नामेंट फिर से शुरू किया जा सकता है। बीसीसीआई फिलहाल एक आकस्मिक योजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत लीग को फिर से शुरू करने के लिए स्थानों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स और समय जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बोर्ड अब देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में बाकी बचे मुकाबले आयोजित करने पर विचार कर रहा है। संभावित शहरों में कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु और विशाखापट्टनम प्रमुख रूप से शामिल हो सकते हैं।

एक अंग्रेजी अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि अगर हालात अगले सप्ताह तक सुधरते हैं, तो आईपीएल के शेष मैचों को सीमित वेन्यू पर आयोजित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में एक सप्ताह काफी लंबा समय होता है। बोर्ड विकल्पों पर सक्रियता से विचार कर रहा है। कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में मैच कराए जा सकते हैं, लेकिन अगर सीमा पर हालात सामान्य हुए तो बीसीसीआई मूल स्थानों पर भी लौट सकता है।

गौरतलब है कि इस सीज़न में अब 12 लीग मुकाबले और 4 प्लेऑफ मैच बाकी हैं। इनमें से कई मैच देश के अलग-अलग शहरों में होने थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से इन्हें अब सीमित स्थानों पर सिमटाया जा सकता है। हाल ही में धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एक मैच ब्लैकआउट के चलते रद्द कर दिया गया था। इसके अलावा एयरपोर्ट बंद होने के चलते धर्मशाला से एक अन्य मैच की मेजबानी छिन गई थी और पंजाब-मुंबई मुकाबला अहमदाबाद स्थानांतरित करना पड़ा था। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अगले सप्ताह हालात किस दिशा में बढ़ते हैं और क्या बीसीसीआई आईपीएल को फिर से पटरी पर ला पाता है।

रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना हैरानी की बात नहीं

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने कहा कि रोहित शर्मा का टेस्ट से संन्यास लेना हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि हिटमैन की फॉर्म और कप्तानी अंत में काम नहीं आई। रोहित ने इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया चयन से ठीक पहले इंस्टाग्राम पर टेस्ट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि बीसीसीआई रोहित से आगे निकलने की सोच रहा था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एथर्टन ने कहा कि आखिरकार यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि रोहित का फॉर्म गिर रहा था और उनकी कप्तानी में भारत हार रहा था।

एथर्टन ने कहा कि क्या यह संन्यास पूरी तरह से उनका अपना फैसला था या उन्हें लग रहा था कि उन्हें बाहर किया जा रहा है क्योंकि रोहित की घोषणा से एक दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा था कि चयनकर्ताओं ने आगे बढ़ने का फैसला किया है। तो यह अटकलें हैं, हमें नहीं पता, लेकिन अंततः यह फैसला आश्चर्यजनक नहीं था क्योंकि यह किसी भी कप्तान के लिए एक खराब संयोजन है और जैसा कि मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि अगर आप मैच हार रहे हैं, और आपको कोई रन नहीं मिल रहा है, और भारत ने रोहित की कप्तानी में पिछले 6 मैचों में से 5 मैचों में हार का सामना किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दो, और उनका फॉर्म वास्तव में खराब रहा था और निश्चित रूप से, यह किसी भी कप्तान के लिए एक खराब संयोजन है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 08/ व0ले0लि0/2025-26 बालाघाट, दिनांक 08.05.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्र.	टेण्डर क्रं0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB_421612	बालाघाट	जोनल टेण्डर लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों का रखरखाव के तहत मरम्मत एवं सुधार कार्य	प्रथम आमंत्रण	75.00	75000.00	10000.00	31.03.2026
			कुल योग		75.00			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 19/05/2025 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी-12648/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

खंड -I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय वनमंडल अधिकारी दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/ /ई-टेंडरिंग/2025-26 बालाघाट, दिनांक ....

1. वनमंडल अधिकारी दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित – 2022) के अंतर्गत निम्न लिखित निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) (8 MM)	10000	1000/- Tax extra
2	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) 10 MM)	10000	
3	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) 12 MM)	20000	
4	GI Wire (Per KG)	5000	
5	U Nills (Per KG)	5000	
6	सीमेंट (Ambuja, Ultratech, ACC 50kg per Bag, 53 Grade.)	50000	
7	रेत प्रति घ.मी. रेत-साफ सुथरी मानक अनुसार	25000	
8	गिट्टी 20 एम.एम प्रति घ.मी.	20000	
9	गिट्टी 40 एम.एम. प्रति घ.मी.	15000	
10	स्टोन डस्ट (Stone Dust) प्रति घमी.	1000	
11	मुरम (हार्ड) प्रति घमी.	2000	
12	ईट (पका भट्टे का) कुम्हारी साईज (9"X4") इंच प्रति हजार	40000	
13	ईट (Fly Ash Brick) साईज (9"X4") इंच प्रति हजार	10000	
14	पल्ला दरवाजा D1- 3'6"X7'0" फीट 30 एम एम (प्रति नग) (बोर्ड) वाटरप्रूफ लैमिनेटेड	3000	
15	पल्ला दरवाजा D2- 2'9"X7'0" फीट 30 एम एम (प्रति नग) (बोर्ड) वाटरप्रूफ लैमिनेटेड	2000	
16	पाईप एक इंच सी.पी.व्ही.सी., GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
17	पाईप 1.5 इंच सी.पी.व्ही.सी. GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
18	पाईप दो इंच सी.पी.व्ही.सी. GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
19	पाईप तीन इंच सी.पी.व्ही.सी. GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
20	प्लास्टिक पानी टंकी फोर लेयर 1000 लीटर (प्रति नग) ISI	3000	
21	प्लास्टिक पानी टंकी फोर लेयर 500 लीटर (प्रति नग) ISI	2000	
22	Vitrified tiles 6 mm (2x2 Fit) (प्रति वर्ग फुट) (डबल चार्ज)	10000	
23	ग्रेनाईट प्रति वर्ग फुट	2000	
24	टाटा स्टील प्रोफाईल शीट 4X10 Feet 25 गेज (0.5mm)	5000	
25	टाटा स्टील प्रोफाईल शीट 4X12 Feet 25 गेज (0.5mm)	5000	
26	टाटा स्टील प्रोफाईल शीट 4X14 Feet 25 गेज (0.5mm)	5000	
27	MS Square Pipe (1.5X1.5 mm) (Per KG)	10000	
28	MS Square Pipe (2X2 mm) (Per KG)	10000	
29	Profile Sheet Dongi (3 मी.) (Per KG)	5000	

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल एवं विभागीय बेवसाई www.mpforest.gov.in पर निशुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 09-05-25 बजे 10:00 AM से दिनांक 19-05-2025 बजे 10:00 AM तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्तवपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 16-05-25 समय 02.00 PM को वनमंडल कार्यालय दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट में आयोजित की जायेगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते है। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे है।
- ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्विपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जायेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल :-https://mptenders.gov.in

जी-12643/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

वनमंडल अधिकारी
दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान...इस बार 27 मई को आएगा मानसून

4 दिन पहले केरल पहुंचेगा मानसून

नई दिल्ली। मानूसन देश में इस बार तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो यह 16 में पहली बार होगा जब यह इतनी जल्दी दस्तक देगा। 2009 में 23 मई को और 2024 में 30 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दी थी। इसके अलावा 2018 में 29 मई को मानसून आया था।

मौसम विभाग ने बताया कि आमतौर पर 1 जून को केरल पहुंचने के बाद मानसून 8 जुलाई तक अन्य राज्यों को कवर करता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सेक्रेटरी एम रविचंद्रन ने कहा कि जून से सितंबर के दौरान मानसून सीजन में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। 4 महीने के दौरान 87 सीएम के औसत से 105 फीसदी बारिश हो सकती है। आमतौर पर 96 से 104 फीसदी बारिश को सामान्य माना जाता है। 90 फीसदी से कम बारिश को सामान्य से बहुत कम, 90 से 95 फीसदी के बीच सामान्य से कम, 104 से 110 फीसदी के बीच सामान्य से ज्यादा और 110 फीसदी से ज्यादा बारिश बहुत ज्यादा माना जाता है।

अंडमान-निकोबार में मानसूनी बारिश अगले हफ्ते

अंडमान और निकोबार में मानसूनी बारिश अगले हफ्ते तक शुरू हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, अंडमान निकोबार के हिस्सों में 13 मई तक मानसून की एंट्री का अनुमान है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि मानसून के दौरान देश भर में होने वाली कुल वर्षा और शुरुआत की तारीख के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। केरल में जल्दी या देर से आने वाले मानसून का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों को भी उसी तरह कवर करेगा।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए मानसून बेहद अहम

मौसम विभाग के अनुसार, 96 प्रतिशत से लेकर 104 प्रतिशत की बारिश को सामान्य माना जाता है। 90 प्रतिशत से कम बारिश को कमी माना जाता है और 90 से 95 प्रतिशत के बीच बारिश को सामान्य से कम माना जाता है। भारत के कृषि क्षेत्र के लिए मानसून बेहद अहम है। देश में कृषि पर 42 प्रतिशत आबादी की आजीविका निर्भर है और यह क्षेत्र देश के विकास में 18 प्रतिशत का योगदान देता है। साथ ही मानसूनी बारिश देश के जलाश्यों को भरने और बिजली उत्पादन के लिहाज से भी अहम है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को 12 हजार करोड़ का लोन दिया

भारत ने कहा- आतंकवाद को फंडिंग करना खतरनाक, वोटिंग में शामिल नहीं हुआ

मुंबई। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने शुक्रवार को क्लाइमेट रेजिलिएंस लोन प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान को 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 12 हजार करोड़) का नया लोन दे दिया है। साथ ही, एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी के तहत मिल रहे 7 बिलियन डॉलर (करीब 60 हजार करोड़) की मदद की पहली समीक्षा को भी मंजूरी दी है। इससे पाकिस्तान को अगली किस्त के 1 बिलियन डॉलर (करीब 8,542 करोड़) मिलेंगे। इस रिव्यू अप्रूवल से 7 बिलियन डॉलर के सहायता प्रोग्राम के तहत कुल 2 बिलियन डॉलर का डिस्बर्समेंट हो गया है। रेजिलिएंस लोन से पाकिस्तान को तत्काल कोई राशि नहीं मिलेगी।

आईएमएफ की एग्जीक्यूटिव बोर्ड की मीटिंग में भारत ने पाकिस्तान को दी जा रही फंडिंग पर चिंता जताई और कहा कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद फैलाने के लिए करता है। भारत समीक्षा पर वोटिंग का विरोध करते हुए उसमें शामिल नहीं हुआ। भारत ने एक बयान जारी कर कहा किसीमा पार आतंकवाद को लगातार स्पॉन्सरशिप देना ग्लोबल कम्युनिटी को एक खतरनाक संदेश भेजता है। यह फंडिंग एजेंसियों और डोनर्स की प्रतिष्ठा को जोखिम में डालता है और वैश्विक मूल्यों का मजाक उड़ाता है।

पाक नागरिकों पर कर रहा हमले तो उसे सेना दे रही जवाब

पटना। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने बिहार में सक्रियता बढ़ा दी है। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने बिहार का दौरा शुरू कर दिया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल पटना पहुंचे। बघेल कई कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं, जहां कुर्मी समाज के लोगों से मुलाकात करेंगे। कुर्मी वोट बैंक की साधेंगे। बघेल का पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेताओं ने जोरदार स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि पाकिस्तान लगातार हिमाकत कर रहा है, लेकिन उसे पता नहीं है कि भारत लगातार उसे मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। पाकिस्तान सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। सिविलियन पर बम गोलियां बरसा रहा है जो बिल्कुल गलत है। भारतीय सेना हर मोर्चे पर उनका जवाब दे रही है और आगे भी देगी। उन्होंने कहा कि वो लोग ड्रोन से हमला कर रहे हैं, उनको तो ड्रोन चलाने भी नहीं आता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरीके से सिविलियन और गुरुद्वारे पर हमला किया जा रहा है यह बिल्कुल गलत है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं, लेकिन घबराइए नहीं हमारी सेना जवाब देगी।

बघेल शनिवार को सबसे पहले दारोगा राय पथ स्थित पटेल सेवा संघ कुर्मी समाज के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे। साथ ही सामना समारोह के दौरान सम्मानित भी होंगे। इसके बाद पटेल छात्रावास पहुंचकर छात्रों के साथ मुलाकात करेंगे।

युद्धविराम में किसी देश ने कोई मध्यस्थता नहीं की

नई दिल्ली । भारत ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने का फैसला (सीजफायर) दोनों देशों ने आपस में बातचीत के बाद लिया है। इस फैसले में किसी तीसरे देश का कोई रोल नहीं है।

पहले इस बात की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ट्वीट के जरिए दी थी। ट्रंप के पोस्ट के अनुसार अमेरिकी मध्यस्थता में दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। लेकिन भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और आईबी मंत्रालय ने एक पोस्ट के जरिए बताया कि यह फैसला पूरी तरह से द्विपक्षीय है। इसमें किसी तीसरे देश का कोई रोल नहीं है।

दरअसल शनिवार 10 मई शाम 6 बजकर 7 मिनट पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक ट्वीट किया। जिसमें कहा गया कि सीजफायर पर सहमति पूरी तरह से द्विपक्षीय है। यानी अमेरिका बीच में नहीं था। इस पोस्ट में बताया गया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने शनिवार दोपहर में फोन पर बात की थी। जिसके बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उस बात को दोहराया कि भारत और पाकिस्तान मिलकर सीजफायर पर सहमत हुए। भारत ने एक तरह से अमेरिका के उस दावे को खारिज किया कि उसने मध्यस्थता कर दोनों देशों के बीच सीजफायर रुकवाया है।

विक्रम मिस्त्री ने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने शनिवार दोपहर में फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी शर्तों पर सीजफायर किया है और 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ फिर से बात करेंगे। इसके साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि भारत और पाकिस्तान ने आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी।

पाकिस्तान को इस बार और अच्छे से समझ आ गया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम पाकिस्तान की मजबूरी का परिणाम है। पाकिस्तान को इस बार और अच्छे से समझ आ गया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है। भारत ने पाकिस्तान को सीधा मैसेज दिया, जब पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की, उस समय भारतीय सेना सिर्फ पीओके तक सीमित नहीं रही, पाकिस्तान के अंदर घुसकर कई ठिकानों को निशाना बनाया।

चार दिनों के तनाव में पाकिस्तान को ये भी समझ आया कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम कितना स्ट्रांग है। उसकी सभी मिसाइलें और ड्रोन हवा में ही ध्वस्त कर दिए गए। जमीन पर मार करने का उन्हें मौका ही नहीं मिला। भारत के कई शहरों को एक साथ निशाना बनाने के बावजूद पाकिस्तान को ये समझ आ गया कि उसका मिसाइल और ड्रोन सिस्टम भारत के सामने किसी काम का नहीं है।

भारतीय सेना की प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया पाकिस्तानी सेना को बहुत भारी नुकसान पहुंचाया गया है। पाकिस्तान के थल और वायु ठिकानों पर वार किया गया। पाकिस्तान की एयरफील्ड्स जिसमें स्कर्दू, जकोबाबाद,सरगोदा और भुलारी शामिल हैं, को बहुत नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के एयर डिफेंस और रेडार सिस्टम को ध्वस्त किया गया। एलओसी के पास पाकिस्तान के कमान कंट्रोल, लॉजिस्टिक, मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर और उसके जवानों को इतना भारी नुकसान पहुंचाया गया कि उसकी बचाव और मारक क्षमता को खत्म कर दिया गया। फिर से दोहराना चाहती हूं भारतीय सेना पूरी तरह से तैयार है। सतर्क है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और सरदार सरोवर बांध की सुरक्षा बढ़ाई गई, पर्यटकों और वाहनों की जांच

अहमदाबाद। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गुजरात की जीवनरेखा सरदार सरोवर नर्मदा योजना और उसके निकट स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है7 यहां आनेवाले पर्यटकों और वाहनों की सघन जांच की जा रही है7 इन दोनों स्थलों की ओर जानेवाली सड़कों पर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात कर दिया है7 यह बात अलग है कि आज शाम 5 बजे से भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हो गया है7 आगामी 12 मई को दोनों देशों के बीच बातचीत होगी7 लेकिन महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा सकती7 जानकारी के मुताबिक सरदार सरोवर नर्मदा बांध और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सरदार सरोवर नर्मदा निगम के एमडी, एसआरपीएफ के कमांडर और जिला पुलिस अधिकारियों के बीच एक तत्काल बैठक हुई। गुजरात राज्य की जीवनरेखा सरदार सरोवर नर्मदा बांध की सुरक्षा भी एहतियात के तौर पर बढ़ा दी गई है। सरदार सरोवर नर्मदा बांध और दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ओर जाने वाली सड़कों पर पुलिस का काफिला तैनात किया गया है, साथ ही अन्य सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। यहां आने-जाने वाले यात्रियों की जांच की गई तथा पुलिस, एसआरपीएफ और सीआईएसएफ के जवानों द्वारा वाहनों की भी सख्ती से जांच की गई। इस संबंध में नर्मदा जिले के एसपी प्रशांत शुंबे ने कहा कि सरदार सरोवर नर्मदा बांध और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पर्यटकों से भी कहा गया है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को देखें तो तुरंत नजदीकी सुरक्षाकर्मी या पुलिस को सूचित करें।

एनसीईआरटी की किताबों से हटे मुगल सल्तनत के पन्ने

एनसीईआरटी ने कक्षा 7वीं की किताबों से हटाए मुगल साम्राज्य और महाभारत के सभी चेप्टर

भोपाल। देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति के तहत अब निजी स्कूलों में भी एनसीईआरटी की किताबें लागू कर दी गई हैं। इसके साथ ही एनसीईआरटी ने इस साल जनवरी में ही कक्षा पांचवी, छठवीं, सातवीं और आठवीं का सिलेबस बदलने की घोषणा कर दी थी। अब बाजार में नए सिलेबस की नई किताबें आ चुकी हैं। लेकिन इन किताबों में पुरानी किताबों से काफी अधिक भिन्नता है। विशेष कर कक्षा सातवीं की किताबों में पूरा का पूरा सिलेबस ही बदल दिया गया है। वहीं मध्य प्रदेश में किताब में मुगल काल की जगह मध्य प्रदेश की संस्कृति सहित अन्य ज्ञानवर्धक सब्जेक्ट को शामिल किया गया है।

पिछले वर्ष तक चल रही एनसीईआरटी की कक्षा सातवीं की किताबों में इतिहास की किताब में चैप्टर 4 में पेज नंबर 37 से लेकर पेज नंबर 48 तक 12 पेज में केवल मुगल साम्राज्य जिक्र था। इन पेजों में 16 वीं एवं 17 वीं शताब्दी का दौर दिखाया गया था। जिसमें जहांगीर से लेकर बहादुर शाह जफर तक के कार्यकाल का उल्लेख किया गया। इसमें मुगल काल की मुद्राएं, वहां की शासन व्यवस्था, वास्तु कला, धर्म, संस्कृति आदि का उल्लेख किया गया था।

नए सिलेबस में मौसम, जलवायु, व्यवसाय शामिल

इसी तरह चैप्टर 8 में 18 वीं शताब्दी की राजनीति एवं मुगल साम्राज्य के बारे में पेज नंबर 94 से लेकर पेज नंबर 104 तक विस्तार से वर्णन किया गया। लेकिन सरकार ने इस साल लागू की नई शिक्षा नीति के तहत पूरा सिलेबस बदल दिया है। नए सिलेबस में मुगल साम्राज्य को हटाकर मौसम, जलवायु, भौगोलिक परिवर्तन, भारतीय संविधान, बाजार की समीक्षा, व्यवसाय सहित कई अन्य विषयों को विस्तृत रूप में शामिल किया गया है।

महाभारत की पूरी किताब की अलग

290 पेज वाली इस किताब में तीन विषयों को एक साथ जोडक़र एक बनाया गया है। उसी में यह सारे के सारे विषय शामिल किए गए हैं। जिसमें नई तकनीक नए तरीके बाजारबाद की नई व्यवस्थाएं एवं अन्य प्रमुख सामग्रियां शामिल की गई हैं। किताबों से सिर्फ मुगलों का इतिहास ही नहीं हटाया गया है बल्कि महाभारत की एक पूरी किताब भी अलग कर दी गई है। महाभारत की एक किताब ही थी जिसमें ज्ञानवर्धक और रोचक जानकारियां दी गई थीं, लेकिन इस किताब को हटाकर अब एक अन्य किताब लागू की गई है। जिसमें दूसरे अन्य समसामयिक विषयों को शामिल किया गया है।

50 वर्ष से पढ़ रहे हैं मुगलों को

शिक्षाविदों को कहना है कि परिवर्तन संसार का नियम है। हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि यह नई शिक्षा नीति नहीं है, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। इसका सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य यह है कि व्यक्ति से ऊपर राष्ट्र है। इसका अर्थ यह है कि यदि हम 50 वर्ष से मुगलों को पढ़ रहे हैं, हमने अकबर को पढ़ा, बाबर को पढ़ा। लेकिन इस काल में ऐसी उपलब्धियों को जाने जो ज्ञान के

उमर अब्दुल्ला ने कहा- ये कैसा सीजफायर, श्रीनगर में धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है, 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर लागू होने के 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- ये कैसा सीजफायर है। श्रीनगर में धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। फिरोजपुर और पठानकोट में जिला प्रशासन ने फिर से ब्लैकआउट का आदेश दिया है। सीजफायर के ऐलान के बाद ब्लैकआउट टाल दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट किया गया। पहले की तरह जिले में बिजली गुल हो गई है। लोगों से घरों में रहने को कहा गया है।

शहबाज शरीफ ने सीजफायर में मदद के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद कहा

नई दिल्ली। भारत ने भले ही किसी मध्यस्थता को ख़ारिज कर दिया हो लेकिन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत पाकिस्तान में युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को आभार जताया है। उन्होंने कहा कि हम दक्षिण एशिया में शांति लाने के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भी धन्यवाद देते हैं। जियो न्यूज के मुताबिक शहबाज शरीफ ने कहा- पाकिस्तान का मानना ??है कि यह उन मुद्दों के समाधान की दिशा में एक नई शुरुआत है, जिनकी वजह से इस इलाके में लगातार तनाव बना रहता है।

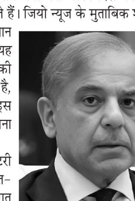

ब्रिटेन के फॉरेन सेक्रेटरी डेविड लैमी ने भारत-पाकिस्तान युद्धविराम स्वागत किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि तनाव कम करना सभी के लिए फायदेमंद है। वहीं, यूरोपीय यूनियन के विदेश मामलों के हाई रिप्रेजेंटेटिव काजा कालास ने कहा कि यह सीजफायर तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूएई के उप प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने पाकिस्तान और भारत के बीच युद्धविराम समझौते का स्वागत किया है।

धनंजय सिंह भदोरिया जबलपुर के नए संभागीय आयुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नई पदस्थापना की है। धनंजय सिंह भदोरिया को जबलपुर के संभागीय आयुक्त का दायित्व सोपा गया है। अभी वह अनुसूचित जाति विकास विभाग के आयुक्त एवं अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के एमडी के पद पर थे। संकेत एस भोड़वे को नगरीय प्रशासन आयुक्त पदस्थ किया गया है। अभी अतिरिक्त प्रभार के रूप में मुख्यमंत्री के सचिव सिवि चक्रवर्ती इस पद पर थे। वह अतिरिक्त प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की उप सचिव मीनाक्षी सिंह को अनुसूचित जाति विकास आयुक्त एवं राज्य अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम का एमडी बनाया गया है।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी को लगी 424 करोड़ की चपत

भोपाल। मप्र देश के सबसे अधिक बिजली उत्पादक राज्यों में शामिल हैं। लेकिन कुछ थर्मल पावर प्लांट मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। इस कारण पॉवर जनरेटिंग कंपनी को भारी नुकसान होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार निर्धारित लक्ष्य पूरे नहीं करने और खराब परफॉर्मेंस के कारण वार्षिक फिक्स चार्ज के नाम पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 424.15 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। गौरतलब है कि नियामक आयोग हर पॉवर प्लांट के ऑपरेशन के मानक निर्धारित करता है। उस हिसाब से फिक्स चार्ज तय किए जाते हैं। मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की तरफ से इस फिक्स चार्ज की राशि का हर माह मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी को भुगतान करती है।

आयोग ने विद्युत उत्पादन के लिए मानक नियम और वास्तविक स्थिति का आकलन किया था। इसमें पाया कि दोनों बड़े थर्मल पॉवर प्लांटों का परफॉर्मेंस निर्धारित मानकों के हिसाब से कमजोर है। इधर, मप्र जनरेटिंग कंपनी ने कम बिजली का उत्पादन किया, इससे पॉवर मैनेजमेंट कंपनी को एनटीपीसी सहित अन्य निजी कंपनियों से महंगी बिजली खरीदनी पड़ी। इससे उपभोक्ताओं को महंगी बिजली मिली। इस कारण पॉवर जनरेटिंग कंपनी को 424.15 करोड़ का नुकसान हुआ।

पांच यूनिट निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी

जानकारी के अनुसार प्रदेश के बड़े सरकारी थर्मल पॉवर प्लांट, मप्र विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली उत्पादन और प्लांट के ऑपरेशन के लिए तय मानक पर खरे नहीं उतर पा रहे। निर्धारित लक्ष्य पूरे नहीं करने और खराब परफॉर्मेंस के कारण वार्षिक फिक्स चार्ज के नाम पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 424.15 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। आयोग ने अपने एक आदेश में इसकी वसूली मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी से करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने यह कहा है कि यदि मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी ने इस राशि का भुगतान जनरेटिंग कंपनी को कर दिया है, तो वह उसे छह किस्तों में वापस करे। आदेश के मुताबिक, दो प्लांटों की पांच यूनिट निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी। इनमें बिरसिंहपुर की एक, दो और तीन एवं सिंगाजी पॉवर प्लांट की एक और दो नंबर यूनिट शामिल हैं।

दो छोटे पॉवर प्लांट का परफॉर्मेंस बेहतर

इधर, प्रदेश के दो छोटे सरकारी पॉवर प्लांट सारणी और अमरकंटक ने मानकों के हिसाब से बिजली का उत्पादन किया। मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी में खराब मैनेजमेंट और खराब परफॉर्मेंस से हर साल करोडों का नुकसान हो रहा है। नियामक आयोग ने थर्मल पॉवर प्लांटों के ऑपरेशन के लिए जो मानक निर्धारित किए हैं, उसका पालन नहीं किया जा रहा है। इस कारण कोयला और ईंधन तेल की खपत ज्यादा हो रही है और उन्हें ज्यादा फिक्स चार्ज देना पड़ रहा है। राजेंद्र अग्रवाल, रिटायर्ड एडिशनल चीफ इंजीनियर, मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी और आपत्तिकर्ता

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र 9 महीने से ठप

उमरिया के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र की 210 मेगावाट की यूनिट में पिछले 9 महीने से बिजली उत्पादन बंद है। यह यूनिट 4 अगस्त 2024 से जनरेटर में तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी है। ताप विद्युत केंद्र के मुख्य अभियंता एचके त्रिपाठी ने बताया है कि जनरेटर मोटर में आई तकनीकी खराबी का सुधार कार्य चल रहा है। जून तक यूनिट में उत्पादन शुरू होने की संभावना है। वर्तमान में बढ़ती गर्मी के कारण जिले में बिजली की मांग में वृद्धि हुई है। नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले के विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता योगेश उइके ने बताया कि जनवरी माह में 22 लाख यूनिट की खपत थी। जो अप्रैल में 27 लाख हो गई थी। और मई में और अधिक हो जाएगी। इस प्रकार जनवरी से मई में लगभग 40 प्रतिशत बिजली की खपत बढ़ जाती है। ताप विद्युत केंद्र के जानकार बताते हैं कि 210 मेगावाट की यूनिट एक दिन में लगभग 50 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन करती है।

ट्रामा सेंटर में बत्ती गुल

विद्युत फाल्ट के चलते ट्रामा सेंटर में करीब 5 घंटे छाया रहा अंधेरा, जनरेटर का पट्टा टूटने से नहीं बन पाई बैकअप की व्यवस्था, आज जनरेटर बनाने जबलपुर से आएगी टीम

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। आए दिनों किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बने रहने वाला जिला अस्पताल का ट्रामा सेंटर में बत्ती गुल के चलते एक बार फिर जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। जहा भीषण गर्मी में यह बत्ती गुल का यह मामला टेक्निकल फाल्ट आने के चलते करीब 5 घण्टे तक रहा। जिसके चलते जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में पहुंचने वाली और पहले से भर्ती प्रसुताओं, उनके नवजात शिशुओं और उनके परिजनों को भरी दोपहर की भीषण गर्मी में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जहां दोपहर करीब 2 बजे विद्युत फाल्ट आ जाने के चलते अचानक से पूरी बिल्डिंग की विद्युत गुल हो गई और लोग इस भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बेचैन और परेशान होते हुए नजर आए। जिसकी जानकारी लगते ही अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत मामले की सूचना विद्युत विभाग को दी। जहां विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच कर बड़ी मुश्किल से विद्युत फाल्ट को दूर कर शाम करीब 6 बजे ट्रामा सेंटर की विद्युत व्यवस्था पुनः बहाल की। तब कहीं जाकर लोगों की बेचैनी दूर हो सकी।

इधर विद्युत में आया फाल्ट, तो उधर जनरेटर भी हुआ खराब

बताया जा रहा है कि शनिवार दोपहर करीब 2 बजे ट्रामा सेटर की बिजली व्यवस्था में अचानक टेक्निकल फॉल्ट आ गया। जिससे पूरी बिल्डिंग की लाइट गुल हो गई। जहां लाइट गुल होने के बाद स्थानीय कर्मचारियों ने ट्रामा सेंटर में रखें जनरेटर से बैकअप लेने की कोशिश की। लेकिन इससे पहले की जनरेटर से बिजली आ जाती और लोगों को राहत मिल पाती,की जनरेटर का पट्टा ही टूट गया। जिसके चलते ट्रामा सेंटर में विद्युत व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी जिसका खामियाजा ट्रामा सेंटर में भर्ती प्रस्तुताओं, उनके नवजात शिशुओं और उनके परिजनों को भुगतना पड़ा तो उधर पूरी बिल्डिंग के सभी वार्डों में जहां तहां अंधेरा पसरा रहा ।

कोई गमछा, कोई पेपर, तो कोई खड्डे के सहारे नवजात शिशुओं को दे रहा था हवा

उधर विद्युत फाल्ट के चलते पूरी बिल्डिंग में अंधेरा छाने और भीषण गर्मी के चलते लोग परेशान हो गए। जहां सबसे ज्यादा परेशानी प्रसूता महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं को हुई ।जहां चिपचिपाती हुई इस भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग तरह-तरह के जतन करते हुए नजर आए ।जहा कुछ मरीजों के परिजन प्रसुताओं और उनके नवजात शिशुओं को इस भीषण गर्मी में बचाने के लिए गमछा, तो कुछ लोग अखबार, तो वही कुछ लोग खड्डे के टुकड़े आदि से हवा करते हुए नजर आए। ट्रामा सेंटर में बत्ती गुल का यहा नजारा कोई एक या दो घंटे नहीं, बल्कि करीब 5 घंटे तक देखा गया।

विद्युत कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद किया सुधार कार्य

बताया गया कि जब स्थानीय कर्मचारियों से विद्युत फॉल्ट पकड़ नहीं आया तो उन्होंने मामले की जानकारी सिविल सर्जन निलय जैन को दी। जहां मौके पर पहुंचे सिविल सर्जन ने वस्तु स्थिति का जायजा लेकर तुरंत मामले की सूचना विद्युत विभाग को दी। जहां विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने करीब तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद विद्युत फाल्ट ढूढ़कर उस फाल्ट को दूर किया ।जिसके उपरांत ट्रामा सेंटर की विद्युत व्यवस्था पुनः बहाल हो गई। तब कहीं जाकर प्रसूताओ,और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली ।बताया जा रहा है कि शनिवार करीब 2 बजे से लेकर शाम करीब 6 बजे तक लोगों को भीषण गर्मी के बीच अंधेरे में करीब 5 घंटे का वक्त गुजारना पड़ा। जिस पर नाराजगी जताते हुए मरीजों के परिजनों ने व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है।

व्यवस्थाओं में सुधार होना चाहिए- परिजन

बत्ती गुल को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रसूता के परिजन वार्ड नं 4 देव टोला निवासी श्रीमती पुष्पकला बसेने और ग्राम चिखला निवासी रेमन पिछोडे ने सयुक्त रूप से बताया कि उनके रिस्तेदारी में महिला की डिलिवरी हुई है ।जिन्हें देखने के लिए वे ट्रामा आए है ।लेकिन यहां दोपहर 2 बजे से लाइट गुल है जो शाम तक नहीं आई। भीषण गर्मी में हर किसी का यहां बुरा हाल हो चुका है। जहां-तहा अंधेरा छाया हुआ है। नवजात बच्चे और प्रस्तुताएं काफी परेशान हो रही है ।उन्होंने बताया कि यहां आए दिनों ऐसी समस्याएं आती रहती हैं। आज विद्युत में फाल्ट आ गया जिससे कमरे में अंधेरा हो गया है ।इस भीषण गर्मी में सभी पंखे कूलर बंद हो गए है। जिससे काफी उम्मस भरी गर्मी लग रही है। हमारी मांग है यहां की व्यवस्थाओं में सुधार होना चाहिए। ताकि इस भीषण गर्मी में यहां भर्ती प्रसुताओं और उनके नवजात शिशुओं को अधिक से अधिक सुविधा मिल सके।

सुधार कार्य के लिए जबलपुर से टीम बुलवाई गई है- जैन

वही इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि दोपहर के वक्त ट्रामा सेंटर के पीछे बने विद्युत विभाग के सब स्टेशन में कुछ फाल्ट आ गया था। टेक्निकल फाल्ट होने के चलते विद्युत कर्मचारियों को बुलाकर उसे दुरुस्त कराया गया है। गर्मी के दिनों में अक्सर वायरिंग में फाल्ट आ जाता है। उन्होंने बताया कि ट्रामा सेंटर में विघुत बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था है, जिससे बैकअप लिया जाता है। लेकिन जनरेटर के पट्टे टूटने के चलते विद्युत बैकअप नहीं लिया जा सका। हमने जनरेटर कंपनी वालों से दूरभाष पर चर्चा की है ।उनकी टीम को बालाघाट बुलाया है ।जबलपुर कंपनी की यह टेक्निकल टीम रविवार को ट्रामा सेंटर आएगी जो जनरेटर में सुधार कार्य करेगी। उसके बाद पूर्व की भांति ट्रामा सेंटर में जनरेटर की सुविधा का लाभ भी मिलने लगेगा।

दो सगे भाई की तालाब में डूबने से मौत,गांव में मातम

छोटे भाई को तलाब मे डूबने से बचाते समय बड़ा भाई भी तालाब में डूबा

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सादाबोडी के गोसाई टोला में दो सगे भाई की तालाब में डूबने से मौत हो गई ।यह घटना 9 मई की शाम उस समय हुई जब दोनों भाई गांव में ही निर्माणाधीन मकान में प्लास्टर करके अपने घर लौट रहे थे। रास्ते मे पड़ने वाले तालाब में जहां छोटा भाई नहाने उतरा तो उसे तालाब में डूबते देख इसे बचाने के लिए बड़ा भाई भी तालाब में उतरने पर वह भी तालाब में डूब गया। तिरोड़ी पुलिस ने दोनों भाई मोहन पिता गोविंदराव आमाडारे 33 वर्ष और सोहन पिता गोविंद राम आमाडारे 30 वर्ष दोनों ग्राम गोसाईटोला सादाबोडी निवासी का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

छोटे भाई को बचाने के चक्कर में बड़े भाई की भी हुई मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहन आमाडारे और सोहन आमाडारे की शादी हो चुकी है दोनों भाई खेती मजदूरी के अलावा मिस्त्री का भी काम करते थे ।9 मई को मोहन आमाडारे अपने भाई सोहन आमाडारे के साथ गांव में ही एक निर्माणाधीन मकान में प्लास्टर करने के लिए गए थे। शाम 6 दोनों भाई मकान में प्लास्टर करके अपने घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में पड़ने वाले मीनाक्षी तालाब में सोहन आमाडारे नहाने के लिए उतरा ।बताया गया है कि सोहन आमाडारे को तैरना नहीं आता था किंतु वह नहाते समय तालाब की गहराई में चल गया और डूब रहा था। जिसे बचाने के लिए मोहन आमाडारे तालाब में उतरा किंतु दोनों भाई तालाब में डूब गए।

दोनों भाइयों को डूबता देख मचा हड़कंप

बताया जा रहा है कि जब दोनों भाई तालाब में डूब रहे थे, उसी दौरान वहां पर अन्य लोग भी नहा रहे थे। जिन्होंने दोनों भाई को तालाब में डूबता देख गांव वालों को जाकर बताये। जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया ।उधर सूचना मिलते ही गांव मोहल्ले के लोग तुरंत पहुंचे और दोनों भाई को तालाब से निकाले ,वही तुरंत ही कटंगी के अस्पताल लाये जिन्हें डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। संभवत दोनों भाई की तालाब में ही डूबने से मौत हो चुकी थी। 10 मई तिरोड़ी पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार ने दोनों भाई का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

पिकअप वाहन की चपेट में आया मोटर साइकिल सवार बालक

बालाघाट(पदमेश न्यूज) ।नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरेखा फाटक स्थल पर वर्तमान समय में ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य चल रहा है। जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। ऐसी ही दर्दनाक सड़क दुर्घटना बीती रात सरेखा रेलवे फाटक में घटित हुई है, यहां मोटर साइकिल में सवार एक 13 वर्षीय बालक पिकअप वाहन की चपेट में आ गया और वाहन में फंसकर कुछ दूर तक घिसटता चला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने तत्परता दिखाते हुए बालक को किसी तरह बचाया और उसे जिला अस्पताल में ले जाकर उपचार के लिए भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक आयुष पिता रुपलाल लिल्हारे 13 वर्ष कोसमी नवेगांव ग्रामीण थाना निवासी है। यहां प्रत्यक्षदर्शी विरेन्द्र वदनकर सरेखा निवासी ने बताया कि रात करीब 8.30 बजे सरेखा रेलवे फाटक मार्ग पर पिकअप वाहन की चपेट में आने मोटर साइकिल सवार ये बालक वाहन में फंस गया था जिसे किसी तरह बाहर निकाला गया और तत्काल ही उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। वहीं तत्काल ही मामले की सूचना 100 डायल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बयान दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया हैं।

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1,, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)
विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट